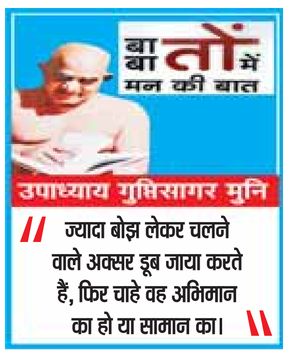

दैनिक **अर्थ प्रकाश** खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

बड़ी उलझनों में हैं कश्तियां सारी, रहना भी समंदर में है और लड़ना भी समंदर से ही है।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, मंगलवार, 08 जुलाई, 2025 | अषाढ़ शुक्ल पक्ष: त्रयोदशी विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 187 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

न्यूज़ ब्रीफ

बिहार के पूर्णिया में परिवार के 5 लोगों की पीट-पीटकर हत्या

पटना (अप्रस)। बिहार के पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या की गई है। रविवार रात से सभी लापता थे। सोमवार शाम को सभी की बॉडी मिली है। लाशें घर से डेढ़ किलोमीटर दूर तालाब में मिलीं। जिन्हें जलाने के बाद अलग-अलग बोरों में भरकर जलकुंभियों के बीच छिपाया गया था। सभी शव 80 फीसदी से ज्यादा जल चुके हैं। मृतकों में बाबू लाल उरांव, उनकी पत्नी, मां, बहू और बेटा शामिल है। पुलिस के अनुसार, परिवार झाड़-फूंक करता था। 3 दिन पहले गांव में एक बच्चे की मौत हो गई। गांव वालों ने अंधविश्वास में इस हत्याकांड को अंजाम दिया। बाबूलाल के बेटे सोनू ने बताया कि मेरे सामने ही पूरे परिवार को मारा गया है। रविवार की रात 10 बजे अचानक 50 लोग घर पर आ गए और मेरी मां सीता देवी को डायन बताकर बांस के पीटने लगे। उन लोगों ने मेरे परिवार को पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी नकुल ने कहा कि मारपीट के बाद डीजल छिड़कर पांचों को जिंदा जलाया था। बाबू लाल उरांव का 15 साल का बेटा सोनू किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा और नानी घर पहुंचा। उसने आंखों देखी नानी को सुनाई। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सोनू ने पुलिस को बताया कि घर से 150-200 मीटर दूर लाशों को ले जाया गया था। मैंने खुद देखा। इसके बाद मैं वहां से भाग गया था। फिर लाश कहां ठिकाने लगाया ये मैंने नहीं देखा। सदर डीएसपीओ पंकज शर्मा ने बताया कि ये उरांव जाति का गांव है। यहां के 5 सदस्यों के साथ मारपीट कर के सभी को जला दिया गया है। जिंदा जलाया है या मरने के बाद इसकी जांच हो रही है।

पंजाब कैबिनेट के अहम फैसले

दो प्राइवेट यूनिवर्सिटी को मंजूरी 3600 टीचर की जल्द होगी भर्ती

बैलगाडी दौड़ के लिए आएगा प्रस्ताव

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब कैबिनेट की बैठक सोमवार को सीएम भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने आज 2 प्राइवेट यूनिवर्सिटी को मंजूरी दी है। इनमें सीजीसी यूनिवर्सिटी झंजेड़ी और रयात बाहरा यूनिवर्सिटी होशियारपुर शामिल हैं। जल्दी ही दोनों यूनिवर्सिटी अस्तित्व में आएंगी। वहीं, पंजाब में बैलों की दौड़ को दोबारा शुरू करने के लिए विधानसभा सत्र में एक्ट लाया जाएगा। इसके अलावा, विशेष जरूरतों वाले स्टूडेंट्स के लिए 3600 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। यह जानकारी कैबिनेट मीटिंग के बाद पंजाब के फाइनेंस मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने दी। इस मौके पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में एजुकेशन मंत्री हरजोत सिंह बैंस और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड़ियां भी मौजूद थे।

चीमा ने कहा कि बहुत लंबे समय से पंजाब के लोगों की मांग थी कि किला रायपुर के खेल, जिन्हें मिनी ओलिंपिक के रूप में जाना जाता था, वहां बैल गाड़ियों की दौड़ पूरे पंजाब में प्रसिद्ध थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। लेकिन सरकार ने पूरी स्टडी की है। इसके बाद एक्ट पास करने जा रहे हैं। हमारे सभ्याचार में पशु, पक्षी और जानवरों की अहम भूमिका है। वे खेतों के लिए काम नहीं आते थे, बल्कि पंजाब के लोगों का मनोरंजन भी करते हैं। बैल गाड़ियों की दौड़ पूरे पंजाब में शुरू होगी। इसके लिए आने वाले सत्र में एक्ट लेकर आएंगे।

भाखड़ा डैम पर सीआईएसएफ तैनात करने के कांग्रेस सरकार के फैसले को लिया वापस

कैबिनेट ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कांग्रेस सरकार द्वारा भाखड़ा डैम पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) तैनात करने के फैसले को वापिस लेने का फैसला लिया। मंत्रिमंडल ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 23 जुलाई, 2021 को अपने फैसले के माध्यम से भाखड़ा डैम पर सीआईएसएफ तैनात करने की स्वीकृति मनमाने तरीके से दी थी। यह पंजाब विरोधी कदम राज्य के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि पंजाब पुलिस डैमों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम थी। मंत्रिमंडल ने राज्यहित में इस फैसले को वापिस ले लिया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भाखड़ा डैम पर सीआईएसएफ तैनाती के निर्णय का कड़ा विरोध करने के लिए आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्ताव पारित किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने डैम की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ तैनात करने के फैसले का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस फोर्स की तैनाती के लिए एक भी पैसा नहीं देगी। बैठक में यह भी विचार किया गया कि कांग्रेस सरकार ने फोर्स तैनात करने की सहमति देकर राज्य के हितों को खतरे में डाला, जबकि पंजाब पुलिस के पास सीमा राज्य की रक्षा करने की गौरवशाली परंपरा है। मंत्रिमंडल ने हैरानी जताई कि जब पंजाब पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूती से सुनिश्चित कर सकती है, तो डैमों की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ की जरूरत क्यों पड़ी?

22 कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा प्रदान करने की मंजूरी

मंत्रिमंडल ने 5 दिसंबर, 2016 को तत्कालीन मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णय की समीक्षा करते हुए ग्रामीण व्यवसायमुखी प्रशिक्षण संस्था, बादल के लिए सृजित 37 स्थायी पदों के विरुद्ध काम कर रहे 22 व्यक्तियों को सेवा सुरक्षा प्रदान करने को मंजूरी दी है। वित्त विभाग और पर्सनल विभाग की सलाह अनुसार यह कदम विभाग/सरकार को लंबे समय से चली आ रही कानूनी जटिलताओं से राहत दिलाएगा और संस्था में काम कर रहे इन 22 कर्मचारियों का भविष्य भी सुरक्षित करेगा।

ओ.टी.एस. योजना शुरू करने की मंजूरी

मंत्रिमंडल ने पंजाब राज्य विकास कर अधिनियम-2018 में संशोधन करने और पंजाब जीएसटी अधिनियम में 'वेतन' शब्द को पुनर्परिभाषित करके कर के आधार को व्यापक बनाकर वन टाइम सेटलमेंट (ओ.टी.एस.) योजना शुरू करने को भी मंजूरी दी। करदाता एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं, जिससे अनुपालन सरल होगा और वसूली प्रक्रिया में सुधार किया जा सकेगा। धारा-11ए, नई धारा 11बी, 11सी और 11डी जोड़कर बकाया निपटाने के लिए ओ.टी.एस. को भी मंजूरी दी गई है ताकि मृत्यु, कंपनी के विघटन या परिसमापन और अन्य मामलों में कर देनदारी का समाधान हो सके।

पंजाब के होशियारपुर की दर्दनाक घटना

सवारियों से भरी बस पलटी, आठ की मौत;17 गंभीर

कार की टक्कर से बेकाबू हुई बस, जेसीबी से निकालीं लाशें

अर्थ प्रकाश संवाददाता

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर जिले के दसूहा-हाजीपुर रोड पर अड्डा सगरां के पास सोमवार सुबह यात्रियों से भरी एक बस सामने से आ रही कार से टकरा गई। इसके बाद बस बेकाबू होकर बीच सड़क पर ही पलट गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में कुल 39 यात्री सवार थे। मरने वालों में मां और बेटी भी शामिल हैं। जिनकी पहचान रज्जू बाला बेटी अशरफ अली और मीना पत्नी अशरफ अली निवासी बुड्ढा मल के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार को सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद 7 से ज्यादा लोगों को गंभीर हालत में अमृतसर रेफर किया गया। बस से घायलों और मृतकों को निकालने के लिए जेसीबी का सहारा लेना पड़ा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए गए।

बस के अंदर फंसे लोगों को जेसीबी से निकाला: लोगों ने बताया कि बस के अंदर से गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद लेनी पड़ी। साथ ही लाशों को भी जेसीबी से खींचकर निकाला गया। बस के मलबे में कई लोग फंसे हुए थे।

बस के अंदर से सवारियों को निकालने के जेसीबी का सहारा लिया गया। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई।

कई लागों की मौके पर गई जान: प्रत्यक्षदर्शी

एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि मैं घर से बाहर निकालकर फोन पर बात कर रहा था। इस दौरान ये हादसा हो गया। एक दम से आवाज आई, तो सवारियों को बचाने के लिए हम आगे बढ़े। बस के अंदर से महिलाओं और बच्चों की चीखें सुनाई दे रही थीं। किसी तरह रोड पर पलटी हुई बस के अंदर घुसा गया और सवारियों को एक-एक कर बाहर निकाला गया। सवारियों की काफी बुरी हालत थी। कई लोगों की तो मौके पर मौत हो चुकी थी।

डॉक्टर बोले- कई लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा

दसूहा सिविल अस्पताल के मौजूदा स्स्ह डॉक्टर मनमोहन सिंह ने बताया कि हमारे पास कई मरीज जख्मी हालत में पहुंचे हैं। हमारी टीमें सभी का इलाज कर रही हैं। प्राथमिक तौर पर जब मरीजों को लाया गया, तब 3 लोग मृत पाए गए थे। उसमें एक छोटा बच्चा भी था। साथ ही कुछ ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

फैक्ट के आधार पर जांच करेंगे: डीएसपी

क्राइम सीन पर पहुंचे दसूहा के डीएसपी कुलविंदर सिंह ने कहा- क्राइम सीन की अभी तक की जांच में पता चला है कि कार और बस का एक्सीडेंट हुआ है। प्राथमिक तौर पर जख्मी हुए लोगों को जेसीबी और लोगों की मदद से बाहर निकाला गया है। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। जांच में जो भी नए फैक्ट सामने आएंगे, उनके आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी। शुरूआती जांच में बस की तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। फिलहाल, जांच कर रही है। घटना में बस का ड्राइवर भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। मृतकों की पहचान के लिए फिलहाल पुलिस कोशिश कर रही है। घायलों के परिवार वालों को भी घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के राज्य स्तरीय समारोह में की अनेक घोषणाएं

ईशरगढ़ में स्थापित होगी बाबा लक्खी शाह की मूर्ति

लक्खी शाह बावड़ी का करवाया जाएगा सौंदर्यीकरण

प्रदेश में किसी एक चौक व सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह के नाम पर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर घोषणा की है कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गांव में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रूपये और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रूपये देने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं सोमवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह बंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह बंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगड़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह बंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा।

शेष पेज-2 पर

अश्विनी शर्मा पंजाब भाजपा के कार्यकारी प्रधान नियुक्त

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने अश्वनी शर्मा को वर्किंग प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। इस संबंध में पार्टी की तरफ से आदेश जारी कर दिए गए है। वहीं, प्रधान पद की जिम्मेदारी सुनील जाखड़ संभाल रहे हैं। इससे पहले वह भी प्रधान पद रह चुके है। पंजाब में विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं। ऐसे में बीजेपी की तरफ से संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। जैसे अश्वनी शर्मा की नियुक्ति हुई है, उससे यह साफ है कि जाखड़ पहले की तरह पद पर बने रहेंगे। साथ ही अश्वनी शर्मा उनके सहयोगी के रूप में काम करेंगे।

17 जनवरी 2020 से लेकर 4 जुलाई 2023 तक अश्वनी शर्मा पंजाब बीजेपी के प्रधान पद पर रहे थे। उनकी अगुआई में ही अकाली दल के साथ गठबंधन टूटने के बाद 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा गया था, जिसमें पार्टी दो सीटें जीतने में कामयाब रही थी।

सुनील जाखड़ ने दे दिया इस्तीका: पंजाब भाजपा ने अकाली दल से अलग होकर 2024 में प्रधान सुनील जाखड़ की अगुवाई में 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन पार्टी को चुनाव में कोई जीत नहीं मिली। हालांकि, पार्टी के लिए यह बड़ी उपलब्धि थी कि वह वोट बैंक के मामले में तीसरे नंबर पर आ गई थी। इस नतीजे के तुरंत बाद, सुनील जाखड़ ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। उन्होंने अपना इस्तीफा भी सौंप दिया था।

मुख्यमंत्री मान और अरविंद केजरीवाल की ओर से मोहाली में 145.26 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित किया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को जनता को समर्पित

एसटीपी तकनीक को प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा: मान

15 एम.जी.डी. क्षमता वाले एस.टी.पी. को देश का सर्वश्रेष्ठ प्लांट बताया

केजरीवाल ने जन कल्याण के लिए किए गए अनूठे प्रयासों के लिए मुख्य मंत्री की पीठ थपथपाई

अर्थ प्रकाश/जिनेंद्र जैन

एस.ए.एस. नगर (मोहाली), 7 जुलाई। पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज एक अनूठा कदम उठाते हुए 145.26 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित 15 एम.जी.डी. (मिलियन गैलन प्रति दिन) क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को जनता को समर्पित किया।

प्लांट को समर्पित करने के बाद अपने संबोधन में मुख्य मंत्री ने कहा कि इस प्लांट को स्थापित करने में उपयोग की गई आधुनिक तकनीक को जल्द ही प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य प्रदेश के बहुमूल्य जल को बचाना है, ताकि प्लांट से शुद्ध किए गए पानी को अन्य कार्यों के लिए उपयोग किया जा सके। सिंगापुर का उदाहरण देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि वहां वर्षा जल को पीने योग्य बनाने के लिए माइक्रो फिल्टर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अगली पीढ़ियों के लिए पंजाब के जल को बचाने के लिए ऐसे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल, हवा और जमीन के लिए वोट न होने के कारण पारंपरिक पार्टियों ने इसकी अनदेखी की और प्रदेश के इन गंभीर मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कारण प्रदूषण बढ़ा और प्राकृतिक संसाधन दूषित हो गए, जिससे समाज को अपूरणीय क्षति हुई।

मुख्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'आप' सरकार बनने के बाद पर्यावरण को बचाने, नहरी प्रणाली को पुनर्जनन करने और समाज की भलाई के लिए अन्य अनुकरणीय कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ियों के लिए जल को बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीक के साथ समाधान सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'इलाज से बेहतर है परहेज' के कथन की तरह बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं।

मोहाली में 15 एम.जी.डी. क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट गर्व की बात: केजरीवाल

इस दौरान 'आप' नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि आज मोहाली के सेक्टर-83 में 15 एम.जी.डी. क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कुल 145.26 करोड़ रुपए की लागत से अपग्रेड किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्लांट की पहले क्षमता 10 एम.जी.डी. थी, जिसे अब 15 एम.जी.डी. तक अपग्रेड कर दिया गया है। अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि आने वाले कुछ महीनों में मिशन के आधार पर प्रदेश को नया रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरों के विकास को गति देने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आगामी दिसंबर से इसकी शुरुआत करके राज्य सरकार पंजाब के 166 शहरों में पानी की आपूर्ति, सीवेज सुविधा, सफाई, सड़कों, स्ट्रीट लाइटों और एस.टी.पी. की व्यवस्था को सुनिश्चित करेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस प्लांट को एडवांस्ड न्यूट्रिएंट रिमूवल तकनीक का उपयोग करके अपग्रेड किया गया है। उन्होंने कहा कि 15 एम.जी.डी. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अलावा, 5 एम.जी.डी. क्षमता वाला अल्ट्रा फिल्टरेशन टर्शियरी ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब का पहला अल्ट्रा फिल्टरेशन प्लांट है और इस प्लांट से शुद्ध किए गए पानी का उपयोग सिंचाई, सड़कों की सफाई, टॉयलेट फ्लशिंग और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

गुरबाणी की रचना 'पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत' का उल्लेख करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि महान गुरु साहिब जी ने हवा को गुरु, पानी को पिता और धरती को माता का दर्जा दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें प्रदेश के पर्यावरण को बचाने का संकल्प लेकर गुरबाणी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और प्रदेश की पुरातन शान को बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर राज्य सरकार का समर्थन करना चाहिए।

राज्य में राजमार्गों पर फूलदार पौधे लगाने के पायलट प्रोजेक्ट की संभावना पर विचार किया जाये: कटारूचक्क

कहा-'वृक्ष और वातावरण संरक्षण' के विषय पर 23 जुलाई को बटाला में करवाया जायेगा शिव कुमार बटालवी यादगारी कविता मुकाबला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। पंजाब के वन और वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा साल 2025- 26 के लिए अनूठी पहलें बनाई जा रही हैं। इनमें प्रमुख तौर पर हाईवे (राजमार्गों) के साथ-साथ विशेषतः संगरूर, जालंधर से अमृतसर सड़क, पठानकोट से अमृतसर, श्री आनन्दपुर साहिब और फगवाड़ा-चंडीगढ़ सड़क पर खटकड़ कलाँ में फूलदार पौधे लगाने के पायलट प्रोजैक्ट की संभावना को तलाशना शामिल है।

इसी के साथ ही प्रसिद्ध पंजाबी कवि मरहूम शिव कुमार बटालवी की याद में 23 जुलाई को उनके जन्म दिन के मौके पर बटाला में एक कविता मुकाबला भी करवाया जायेगा। इस मुकाबलै में प्राइमरी, मिडल, सेकंडरी स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों भाग लेंगे और हरेक वर्ग में पहले 3 स्थान हासिल करने वालों को नकद इनाम भी दिए जाएंगे।

इसके इलावा राज्य में वन के अधीन क्षेत्र बढ़ाने के मद्देनज़र राज्य सरकार ने श्री गुरु तेग़ बहादुर जी हरियावल संकल्प योजना के अंतर्गत फ़ैसला किया है कि साल 2025- 26 के दौरान हरेक जिले में 3.50 लाख पौधे लगाए जाएंगे। सैक्टर 68 के वन कंपलैक्स में 2025-26 के दौरान पौधे लगाने सम्बन्धी प्रयासों के बारे मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क को विभाग के सीनियर अधिकारियों ने बताया कि हरेक जिले में वन महोत्सव भी मनाया जायेगा और 2 रुपए प्रति पौधो की नाममात्र कीमत पर लोगों को पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इसके इलावा, 582.252 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मुआवज़ा वन योजना के अंतर्गत वृक्ष लगाए जाएंगे और पठानकोट जिले में 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मिट्टी और पानी संरक्षण प्रोजैक्ट भी शुरू किये जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री को यह भी बताया गया कि 2025- 26 के दौरान ग्रीन पंजाब मिशन के अंतर्गत स्कूलों, कालेजों, पंजाब मंडी बोर्ड और मार्कफैड्ड में 331 हेक्टेयर क्षेत्र में 3.31 लाख पौधे लगाए जाने हैं। इसके साथ ही 'श्री गुरु तेग़ बहादुर पवित्र वन' योजना के हिस्से के तौर पर 52 'पवित्र वन' स्थापित किये जाएंगे। इसके इलावा शैक्षिक संस्थाओं में 289 और औद्योगिक क्षेत्रों में 83 'नानक बगीचियां' स्थापित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि जहाँ तक लिंक सड़कों के साथ पौधे लगाने की बात है, यहाँ पॉपुलर और ड्रेक किस्मों के 2.50 लाख पौधे जबकि फूलदार किस्मों के 3 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

अकाली नेता बलराम बालू दर्जनों साथियों सहित मंत्री सौंद व पंजाब प्रधान की अगुवाई में आम आदमी पार्टी में शामिल

अर्थ प्रकाश/केके

खन्ना, 7 जुलाई। सोमवार की शाम आम आदमी पार्टी को हल्का खन्ना में उस समय भारी बल मिला जब अकाली नेता बलराम बालू अपने दर्जनों साथियों के साथ मंत्री तरूण प्रीत सिंह सौंद , पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा व मंत्री हरभजन सिंह की अगुवाई में आप पार्टी में शामिल हो हुए, इस मौके अकाली नेता बलराम बालू के साथ वार्ड नंबर 33 से शिअद की ओर से चुनाव लड चुकी अनीता रानी के पति अजीत सिंह, दीपक कुमार, हरिपाल, महिंदर कुमार, मनोज कुमार, सतनाम जस्सल, सुक्खा जस्सल, अवतार सिंह तारी, जगदीप सिंह, प्रिंस तलानी, सिमरन सिंह, प्यारा सिंह, आशु कुमार, सोनू पंडित, अनिल विडलान, टीटू घई, पृथ्वी चौहान, भुबन बग्गन, चिराग कुमार, विक्की कुमार, संदीप सिंह, शैली सिंह, हरविंदर सिंह, शरण वीर सिंह, काका सिंह इत्यादि के साथ साथ बडी संख्या में युवाओं ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा। इस मौके पर मंत्री सौंध व आप प्रदेश प्रधान अमन अरोडा ने कहा कि आप पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें एक साधारण परिवार का सदस्य भी अपनी मेहनत के बल पर किसी भी मुकाम पर पहुंच सकता है। उन्होनें कहा कि आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी में उनका बनता मान सन्मान दिया जाएगा। हलका खन्ना से विधायक एवं कैबिनेट मंत्री तरुण प्रीत सिंह सौंद ने कहा कि बलराम बालू बेहद मेहनती एंव कर्मठ कार्यकर्ता हैं जिनके आने से यकीनन पार्टी को हल्का खन्ना में बल मिलेगा। मंत्री सौंद ने कहा कि बलराम को पार्टी में उचित स्थान दिया जाएगा। इस मौके बलराम बालू ने मंत्री सौंद का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी की ओर से दिये जाने वाले प्रत्येक आदेश को हर हाल में पूरी लग्न से पूरा करेंगे। इस मौके मार्किट कमेटी चेयरमैन जगतार सिंह गिल, संगठन इंचार्ज मास्टर अवतार सिंह, सीनियर आप नेता राजिंदर सिंह जीत, आप पार्षद सुखमनजीत सिंह, पार्षद सर्वदीप सिंह कालीराव, पार्षद परमप्रीत सिंह पोंपी, पार्षद सुरिंदर मशाल बावा,, पार्षद पति हरजीत सिंह विक्की भाटीया, कुलवंत सिंह महमी, हरवीर सिंह सोनू, अमरीश गोयल, बलवंत सिंह लौहट, कीमती लाल, प्रदीप रत्न, गुरदीप मशाल विक्की, पुनीत अरोडा, सुमित जस्सल, हरनीत जस्सल सहित बडी संख्या में आप नेता एंव कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन शिकायतों के तुरंत निपटारे व ग़ैर-कानूनी माइनिंग रोकने के लिए 24 घंटे सक्रिय रहें अधिकारी: गोयल

पर्यावरण सम्बन्धी मंजूरी की प्रक्रिया सुचारू बनाने और माइनिंग क्षेत्र को पेश चुनौतियों के समाधान के लिए करवाई गई वर्कशॉप की अध्यक्षता की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। पंजाब के खनन और भू-विज्ञान मंत्री श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने सोमवार को राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अथॉरिटी (एस.ई.आई.ए.ए) के अधिकारियों को कहा कि वह राज्य सरकार की नयी माइनिंग नीति के अंतर्गत माइनिंग क्षेत्र के लिए सुगम की गई प्रक्रिया के मुताबिक पर्यावरण मंज़ूरी देने का अमल तेज़ करें। कैबिनेट मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि ज़मीन मालिक अब पर्यावरण सम्बन्धी मंज़ूरियों के लिए सीधे एस.ई.आई.ए.ए को आवेदन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के अधीन यह आवश्यक है कि कम से कम समय में सभी आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर विचार करना यकीनी बनाया जाये।

कैबिनेट मंत्री बरिन्दर कुमार गोयल मैगसीपा में एक अहम वर्कशॉप की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें पर्यावरण सम्बन्धी मंज़ूरियां प्राप्त करने में विभाग द्वारा पेश अलग-अलग प्रक्रियात्मक रुकावटों के बारे व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान एस.ई.आई.ए.ए मैंबरों को पर्यावरण सम्बन्धी मंज़ूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में रुकावट डालने वाले अलग-अलग महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे जानकारी दी गई। अथॉरिटी ने इन मुद्दों को गंभीरता से लेते हुये मंज़ूरी प्रक्रिया को सुचारू बनाने में पूरे सहयोग और इसके जल्द समाधान का भरोसा दिया।

वर्कशॉप में मुख्य भाईवालों ने हिस्सा लिया, जिनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव खनन और भू-विज्ञान श्रीमती जसप्रीत तलवार, डायरैक्टर श्री अभिजीत कपलिश सहित ज़िला माइनिंग अधिकारी, राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अथॉरिटी (एस.ई.आई.ए.ए), पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, कॉर्डिनेटर सैंटर आफ एक्सीलेंस आई.आई.टी रोपड़ और अन्य सम्बन्धित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पर्यावरण क्लीयरेंस और ज़िला सर्वेक्षण रिपोर्टों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण मुद्दों को समाधान करने के बारे विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर कार्य-कुशलता को बढ़ाने के लिए कई व्यावहारिक समाधानों की पहचान की गई। एस.ई.आई.ए.ए मैंबरों ने वर्कशॉप के दौरान उठाए गए सभी मुद्दों को बारीकी के साथ नोट किया और आवेदनों की निर्विघ्न प्रक्रिया को यकीनी बनाने के लिए जल्द से जल्द सुधारात्मक उपाय लागू करने का भरोसा दिया।

ग़ैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध 24 घंटे चौकसी यकीनी बनाने के सख़्त निर्देश देते हुये श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने सभी ज़िला माइनिंग अधिकारियों और क्षेत्रीय अधिकारियों को सचेत किया कि वे ग़ैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध तुरंत कार्यवाही अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के 24 घंटे निपटारे को यकीनी बनाने के लिए सभी अधिकारियों के मोबाइल फ़ोन दिन-रात चलते रहने चाहिएं।

इस मौके पर चीफ़ इंजीनियर (ड्रेनेज और माइनिंग) स. हरदीप सिंह महिन्दीरत्ता और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

किसी भी अधिकारी का मोबाइल फोन बंद पाया गया तो होगी कार्यवाही

ड्यूटी में कोताही के लिए राज्य सरकार की ज़ीरो सहनशीलता की नीति संबंधी दोहराते हुये कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यदि किसी भी अधिकारी का मोबाइल फ़ोन बंद पाया गया तो उस पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ग़ैर-कानूनी माइनिंग के विरुद्ध लड़ाई के लिए निरंतर चौकसी की ज़रूरत है और इस उद्देश्य के लिए जन शिकायतों का समय पर निपटारा करना ज़रूरी है। कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि माइनिंग सैक्टर में पारदर्शी और जवाबदेह शासन को यकीनी बनाते हुये सभी जन शिकायतों का बिना किसी देरी के स्थापित नियमों के अनुसार तुरंत समाधान किया जाये।

ग्लोबल सिख काउंसिल ने तख्त पटना साहिब कमेटी के निर्णय की निंदा की

श्री अकाल तख्त साहिब को बताया सिख पंथ की एकमात्र सर्वोच्च संस्था

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। ग्लोबल सिख काउंसिल (जीएससी) ने तख्त श्री हरिमंदिर साहिब, पटना साहिब के पांच ग्रंथियों द्वारा शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को 'तनखाहिया' (दंडनीय) घोषित किए जाने की कड़ी आलोचना की है। काउंसिल ने इस कदम को मनमाना और पंथक मर्यादा के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह निर्णय श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को सीधी चुनौती है।

जीएससी की अध्यक्ष डॉ. कंवलजीत कौर ने कहा कि पंथक मामलों में अंतिम और सर्वमान्य निर्णय लेने का अधिकार केवल श्री अकाल तख्त साहिब को है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्रीय तख्तों की भूमिका स्थानीय धार्मिक मामलों तक सीमित है। सुखबीर सिंह बादल के विरुद्ध लगाया गया आरोप न तो क्षेत्रीय है और न ही उनका कोई सीधा संबंध पटना या बिहार से है, इसलिए तख्त पटना साहिब को इस विषय में निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है।

डॉ. कंवलजीत ने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब की स्थापना स्वयं गुरु साहिब ने की थी और यह सिख धर्म की केंद्रीय संस्था है। अन्य चार तख्त-पटना साहिब, हजूर साहिब, केसगढ़ साहिब और दमदमा साहिब-स्थानीय धार्मिक प्रशासन के लिए स्थापित किए गए थे और इन्हें पंथक निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि 2003 और 2015 में श्री अकाल तख्त साहिब से जारी गुरमतें में यह स्पष्ट किया गया है कि केवल अकाल तख्त ही पंथ स्तर पर आदेश जारी कर सकता है। क्षेत्रीय तख्त ऐसा नहीं कर सकते। यदि वे ऐसा करते हैं तो यह पंथ की एकता और गुरमत सिद्धांतों के विरुद्ध है। ग्लोबल सिख काउंसिल ने सभी सिख संस्थाओं और संगत से अपील की है कि वे केवल श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को मान्यता दें। काउंसिल ने एसजीपीसी से आग्रह किया कि वह तख्त पटना साहिब कमेटी के उन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करे जिन्होंने सिख अनुशासन का उल्लंघन किया है। डॉ. कंवलजीत ने चेताया कि ऐसे निर्णय पंथ को विभाजित करने वाले हैं और गुरुओं की परंपरा तथा 'मीरी-पीरी' के सिद्धांत के विरुद्ध हैं। उन्होंने पटना साहिब कमेटी से अपील की कि वह अपना फैसला वापस ले और श्री अकाल तख्त साहिब के नेतृत्व को स्वीकार करे।

युद्ध नशों विरुद्ध का 128वां दिन: 3.8 किलो हेरोइन, पांच किलो अफीम सहित 110 नशा तस्कर काबू

'नशा छुड़ाने' के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 54 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ का इलाज करवाने के लिए किया राज़ी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। राज्य में से नशीले पदार्थों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की नशों के विरुद्ध मुहिम ''युद्ध नशों विरुद्ध'' के 128वें दिन, पंजाब पुलिस ने 110 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्ज़े में से 3.8 किलोग्राम हेरोइन, 5 किलोग्राम अफ़ीम और 906 किलोग्राम भुक्की बरामद की। इससे सिर्फ़ 128 दिनों में गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 20,878 हो गई है। यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय की गई।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस सुपरडैंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है।

पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है।

विवरण सांझे करते हुये विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 108 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1300 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 425 स्थानों पर छापेमारी की है और राज्य भर में 78 एफआईआरज़ दर्ज की गई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 475 शक्की व्यक्तियों की भी जांच की। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति-इनफोरसमैंट, डी-एडीकशन और प्रीवेन्शन (ईडीपी)-लागू करने से पंजाब पुलिस ने 'नशा छुड़ाओ ' के हिस्से के तौर पर आज 54 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राज़ी किया है।

बरसाती नाले की सफाई न होने से आसपास के गांवों के निवासियों में डर का माहौल

भारी बारिश होने पर फसलों में पानी भरने का डर: किसान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 7 जुलाई। बरसात का मौसम शुरू होने के बावजूद बनूड़ के नजदीकी गांवों खलौर, बासमा व तेपला के पास से जाती भागना ड्रेन की सफाई न होने से गांवों के निवासियों व किसानों में भय का माहौल है। इस संबंधी जानकारी देते हुए गांव बासमा के अमरीक सिंह, सुखविंदर सिंह, भरपूर सिंह राणा, तरसेम लाल पूर्व सरपंच, सुखदेव सिंह, दर्शन सिंह, परमजीत सिंह, रणधीर सिंह सिंह काला, गुरमुख सिंह व करीब एक दर्जन अन्य निवासियों व किसानों ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बरसात का मौसम शुरू होने से पहले राज्य के ड्रेनों, नदियों, नालों व नहरों की सफाई करने का एलान किया था, लेकिन इसके बावजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने अभी तक भागना ड्रेन की सफाई नहीं की है। उन्होंने बताया कि इस नाले में जंगली घास व अन्य बड़ी झाड़ियां उग आई है, जिसके कारण भारी बारिश के दौरान इसमें से पानी की निकासी नहीं हो पाएगी और इस नाले में आने वाला पानी न केवल ग्रामीणों के सामान को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि किसानों द्वारा उगाई गई फसलों को भी नष्ट कर देगा। गांव निवासियों व किसानों ने बताया कि कुछ वर्ष पहले भी इस नाले की सफाई न होने के कारण खेतों में फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था, वहीं खेतों में रहने वाले लोगों का घरेलू सामान, पशुओं के लिए रखा भूसा व अन्य आर्थिक नुकसान हुआ था। बरसात के मौसम को देखते हुए उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि इस नाले की सफाई करवाई जाए, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को परेशानी से बचाया जा सके। इस मामले को लेकर जब विभाग के इंस्पेक्टर अभय कुमार से संपर्क किया, तो उन्होंने बताया कि नाले की सफाई के लिए एस्टीमेट बनाकर भेज दिया गया है। विभाग द्वारा एस्टीमेट पास होने के बाद इस नाले की सफाई करवाई जाएगी।

गैंगस्टर हिंसा पर बिफरे बिट्टू, आप सरकार को बताया विफल, जनता से आत्म-सुरक्षा की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। रेल राज्य मंत्री रवीनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब में बढ़ती गैंगस्टर हिंसा पर गहरी चिंता जताते हुए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने पंजाब की जनता से अपील की कि वे एकजुट होकर अपनी सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें, क्योंकि अब सरकार पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

बिट्टू ने अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा और मोगा के डॉक्टर डॉ. अनिलजीत कम्बोज की हत्याओं का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में अराजकता का माहौल बन चुका है। उन्होंने कहा 'गैंगस्टर खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं, फिरौती मांग रहे हैं और बेखौफ घूम रहे हैं। यह मानो समानांतर सरकार चला रहे हों।

उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप लगाया कि वे अपराध पर ध्यान देने के बजाय लुधियाना में विजय रैली जैसे कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। तरनतारण में गुरुद्वारे के अंदर एक नाबालिग की गोली मारकर हत्या को उन्होंने राज्य की सुरक्षा स्थिति का भयावह उदाहरण बताया।

बिट्टू ने पंजाब पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए कि वे हर अपराध को कुछ नामचीन गैंग्स पर डालकर असल जमीनी हकीकत को छिपा रही है। उन्होंने चेताया 'अब गांव-गांव में अपराधियों के नेटवर्क फैल चुके हैं। यह हालात मेक्सिको और कोलंबिया जैसे देशों से भी बदतर हो चुके हैं।'

उन्होंने 'ठिकरी पहरा' की परंपरा को पुनर्जीवित करने और गैंगस्टर संस्कृति के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ने की अपील की। बिट्टू ने कहा 'अगर लोग अब भी नहीं जागे, तो मासूमों की जानें यूं ही जाती रहेंगी।

आशा वर्कर एवं फैसिलिटेटर यूनियन ने मांगों को लेकर एसएमओ को सौंपा मांग पत्र

बुधवार को काम बंद कर हड़ताल पर जाने का ऐलान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 7 जुलाई। आशा वर्कर एवं फैसिलिटेटर निरोल यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर प्रधानमंत्री को देने के लिए सीनियर मेडिकल अफसर बनूड़ को मांग पत्र सौंपा। इस संबंधित जानकारी देते हुए आशा वर्कर एवं फैसिलिटेटर यूनियन (पंजौला) जिला मोहाली अध्यक्ष परमजीत कौर, कुलदीप कौर, अमरजीत कौर, परविंदर कौर, जसपाल सिंह, मनजीत कौर, तजिंदर कौर, जसबीर कौर ने कहा कि आशा वर्कर एवं फैसिलिटेटर वर्कर केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, जिसका उदाहरण कोरोना काल में देश के प्रधानमंत्री की ओर से 10 लाख आशा वर्करों को सम्मानित करना है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि केंद्र सरकार आशा वर्करों और फैसिलिटेटर वर्करों के काम से खुश होगी और उनके वेतन में बढ़ोतरी करेगी, लेकिन इसके विपरीत उनकी जच्चा-बच्चा स्कीम की इंसेंटिव राशि में कटौती कर दी गई है। इसके अलावा वे नाममात्र वेतन पर अपना काम कर रही हैं। उन्होंने मांग की कि उन्हें 21 हजार रुपए प्रति महीना वेतन दिया जाए, इसके अलावा उन्हें पक्का कर 30 साल की सेवा के बाद स्थाई ग्रेजुएटी और पेंशन दी जाए और उनकी काटी गई इंसेंटिव राशि को बहाल किया जाए। उन्होंने सीनियर मेडिकल अफसर बनूड़ डॉ. रजनीत कौर रंधावा के माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार को मांग पत्र भेजकर उनकी सभी मांगों को पूरा करने की अपील की है। मांगों को पूरा करवाने के लिए आशा वर्कर और फैसिलिटेटर वर्कर 9 जुलाई को एक दिन की काम बंद हड़ताल करेंगी। उन्होंने मांगें पूरी नहीं होने इस संघर्ष को तेज करने की चेतावनी भी दी। इस अवसर पर अनुराधा, परविंदर कौर, पलविंदर कौर, पिंकी रानी, राज रानी, जसवीर कौर, मनजीत कौर सहित अनेक आशा वर्कर व फैसिलिटेटर वर्कर मौजूद रहीं।

पेज एक का शेष

ईशरगढ़ में स्थापित...

इससे पूर्व विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि बंजारा समाज के लोग मेहनती व साहसी है और इसी के बल पर उन्होंने एक अलग पहचान बनाई है। प्रदेश सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए गरीब लोगों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई है जिनका सीधा लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिल रहा है। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा,बंजारा समाज के प्रधान जसमेर वंजारा, सुबेदार मेजर किशोरी लाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दस हजार एकड़ में जंगल सफारी का ड्रीम प्रोजेक्ट जल्द धरातल पर होगा साकार

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व हरियाणा सीएम ने गुजरात के वन तारा का किया दौरा

गुरुग्राम की हजार तो नूंह की चार हजार एकड़ जमीन पर बनेगी सफारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। अरावली पर्वत श्रृंखला प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की संवाहक बनेगी। अरावली की पहाड़ियों पर 10 हजार एकड़ में जंगल सफारी विकसित की जाएगी, जिससे इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का जंगल सफारी ड्रीम प्रोजेक्ट है। बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने वर्ष 2022 में जंगल सफारी की परियोजना तैयार की थी। विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी बनाने के लिए उन्होंने देश के साथ विदेशी जंगल सफारी एवं फोरेस्ट क्षेत्रों का दौरा किया, जहां पर वन्य क्षेत्र को वन्य जीवों को संरक्षित करने के लिए तैयार किया गया है।

हरियाणा के जंगल सफारी को बेहतरीन बनाने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ गुजरात के वन तारा जामनगर का दौरा किया और वहां पर वन्य जीवों की सुरक्षा और प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण को लेकर तैयार की परियोजनाओं का अवलोकन किया।

सोमवार को मनोहर लाल ने यहां जारी एक जानकारी में बताया कि वन्य जीवों, पक्षियों, प्राकृतिक जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए हरियाणा में जंगल सफारी के लिए 10 हजार एकड़ भूमि चिन्हित की गई है, जिसमें गुरुग्राम में 6000 एकड़ और नूंह में 4000 एकड़ भूमि शामिल है। यही नहीं जंगल सफारी पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

सफारी में विभिन्न प्रकार के पशु, पक्षी और वनस्पतियां होंगी और इसे आधुनिक और टिकाऊ तकनीकों का उपयोग करके विकसित किया जाएगा।

अरावली की पहाड़ियों में सफारी के विकास से स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

अरावली की पहाड़ियों में सफारी के विकास से स्थानीय युवाओं को नए पर्यटन, गाइडिंग, हॉस्पिटैलिटी और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, यह परियोजना क्षेत्रीय जलवायु और पारिस्थितिकी को भी सुदृढ़ करेगी। इस जंगल सफारी पार्क में 10 ज़ोन होंगे, जिसमें एक बड़ा हर्पेटेरियम, एवियरी, बर्ड पार्क, बिग कैट्स के चार जोन, शाकाहारी जानवरों के लिए एक बड़ा क्षेत्र, विदेशी पशु पक्षियों के लिए एक क्षेत्र, एक अंडरवाटर वर्ल्ड, नेचर ट्रेल्स, विजिटर-टूरिज्म जोन, बॉटनिकल गार्डन, बायोमेस, इक्वाटोरियल, ट्रॉपिकल, कोस्टल व डेजर्ट इत्यादि होंगे।

स्वच्छता सरकार व समाज की साझा जिम्मेदारी: विपुल गोयल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 07 जुलाई। हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि स्वच्छता को लेकर देश में चल रहे प्रयासों ने आज एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले लिया है। एक समय था जब स्वच्छता पर सार्वजनिक मंचों से चर्चा नहीं होती थी, लेकिन वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छता का आह्वान कर पूरे देश को एक नई दिशा दी। सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नागरिकों को जागरूक करने के लिए आज फरीदाबाद में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर और महापौर प्रवीण जोशी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ की शपथ के साथ की गई। विपुल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत÷ के सपने को साकार करने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत देश और प्रदेश भर में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह अभियान प्रदेश के कोने-कोने में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का यह स्पष्ट मत है कि जब तक हर व्यक्ति अपने घर, गली, मोहल्ले और आसपास की सफाई को अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक 'स्वच्छ भारत' और 'स्वस्थ भारत' का सपना अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब हम अपने घर को साफ रखते हैं, तो उसी भावना से अपने आस-पड़ोस को भी स्वच्छ रखना चाहिए। तभी हमारा प्रदेश और देश स्वस्थ और सशक्त बन पाएगा।

फरीदाबाद शहर प्रगति की ओर अग्रसर: राजेश नागर

खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि फरीदाबाद शहर आज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है और राज्य के प्रमुख औद्योगिक व शहरी केंद्र के रूप में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। बिजली, सड़क, जल आपूर्ति और परिवहन जैसे क्षेत्रों में किए गए निवेश और योजनाओं के कारण फरीदाबाद का कायाकल्प होता दिख रहा है। विशेष रूप से मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी से फरीदाबाद को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। यह हाईवे न केवल दिल्ली-मुंबई के बीच तेज़ यात्रा का मार्ग प्रदान करेगा, बल्कि फरीदाबाद को राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क में और भी बेहतर ढंग से जोड़ेगा, जिससे व्यापार, उद्योग और आवागमन में अत्यधिक सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी की उस दूरदर्शिता को साकार करने की दिशा में सार्थक प्रयास है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'स्वच्छता ही सेवा है।' हरियाणा सरकार द्वारा इस भावना को न केवल अपनाया गया है, बल्कि उसे योजनाबद्ध ढंग से लागू भी किया जा रहा है। हरियाणा सरकार का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा पत्रकार संघ ने की कैशलेस योजना को तुरंत लागू करने की मांग

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। हरियाणा पत्रकार संघ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पत्रकारों को 5 लाख रूपये का संरक्षण देने वाली कैशलेस योजना को अविलंब लागू करने की मांग की है। यह मांग हरियाणा पत्रकार संघ की सोमवार को यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में संघ की जिला ईकाई की साधारण सभा की बैठक में पारित एक प्रस्ताव में की गई है। बैठक में कैशलेस योजना को लागू करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह अफसोस की बात है कि मुख्यमंत्री ने विभिन्न मंचों पर कैशलश योजना को लागू करने की घोषणा तो की, लेकिन यह अभी तक योजना अधर में लटकी हुई है। प्रस्ताव में 0कहा गया है कि यह योजना गत 7 वर्षों से लटकी हुई है और मुख्यमंत्री कई महीनों से इस योजना को लागू करने की विभिन्न मंचों पर लगातार घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन फिर भी इस योजना को लागू करने की सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो रही है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि लोक संपर्क विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमने योजना को लागू करने के लिए सारी औपचारिकताएं पूरी कर रखी हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश की प्रतीक्षा है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस योजना के तहत पत्रकार, उसकी पत्नी, दो अविवाहित बच्चे और मां-बाप शामिल हैं। इस प्रकार अभी तक की सरकार द्वारा घोषित सभी नीतियों में यह योजना उनके कल्याण के लिए सबसे प्रभावी है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने वृद्ध पत्रकारों की मासिक पेंशन योजना को 15 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रूपये करने का आश्वासन भी दिया था। उस समय हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन में पेंशन के लिए 5 साल की अनिवार्य एक्रीडिटेशन की शर्त को हटाने की मांग भी की गई थी। यदि यह शर्त हटा दी जाती है तो 600 से 700 वृद्ध पत्रकारों को इसका लाभ मिलेगा। लघु समाचार पत्रों का भी समाज में विशेष स्थान है। सरकार को यह ध्यान में रखना चाहिए। बैठक में 100 से अधिक पत्रकार उपस्थित रहे।

पत्रकार रोहित लामसर को मातृ शोक, रस्म क्रिया प्रार्थना सभा 16 को

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। शहर की कई सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार रोहित लामसर की माता कमला रानी अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर प्रभु चरणों मे लीन हो गई हैं। उनकी आत्मिक शन्ति के लिए प्रार्थना सभा एवं रस्म क्रिया 16 जुलाई बुधवार को तरावड़ी शहर के नगर खेड़े के पास शिव शक्ति सत्संग भवन में दोपहर 1 से 2 बजे तक होगी। उनके निधन पर विधायक भगवानदास कबीरपंथी, राजीव नारंग, जयभगवान सीकरी, डा. एन.पी सिंह, राकेश गर्ग, प्रवीण गुप्ता, अनिल नम्बरदार, एसएमएस स्कूल के निर्देशक गुरशरण ग्रेवाल, सिरी गुरु तेग बहादुर स्कूल से सर्वजीत कौर, हनुमान समिति के सरंक्षक बालकृष्ण त्रिपाठी, मॉडल स्कूल के प्रिंसिपल नवीन, मास्टर मुनीष शर्मा, प्रिंसिपल विवेक बैनीवाल, शिक्षक गुरजिंदर, मास्टर अमन शर्मा, वीरेंद्र जांगड़ा, राजकुमार खुराना, मनोज वधवा, शिव बजाज, विजय गुलाटी, आजाद, पत्रकार कदम, अमरजीत धीमान, सरपँच मुकेश सिद्धपुर, गणेश खन्ना, पार्षद कमल जांगड़ा, राजपाल जांगड़ा, भूपेंद्र सिंह लाडी, दिग्विजय झंझाडी, रजनीश शामगढ़, ईश्वर कश्यप, संदीप कटारिया, पंकज ठाकुर, पत्रकार मुलखराज आहूजा, पत्रकार मैनपाल, समाजसेवी नरेश शर्मा, राहुल शर्मा, सुभाष सचदेवा, जीत कश्यप, प्रदीप कश्यप, पंडित सोमदत्त शर्मा, भीम सिंह, सुदामा शर्मा ने वार्ड नम्बर 5 रविदास मंदिर के पास स्तिथ उनके आवास पर पहुँचकर शोक जताया ओर परिवार को सांत्वना दी। इसके अलावा भाजपा मंडल तरावड़ी, राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन, श्री हनुमान सेवा समिति, भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी, भाजपा मंडल नीलोखेडी, तरावड़ी पत्रकार एकता मंच, आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी, भारत विकास परिषद शाखा पड़वाला, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, रेल यात्री वेल्फेयर एसोसिएशन, श्री सनातन धर्म सभा, शिव शक्ति संकीर्तन मंडल, जय भारत युवा मंडल, गारमेंट एसोसिएशन तरावड़ी, राहगीरी टीम तरावड़ी, लक्ष्य जनहित सोसाइटी, व्यापार मंडल तरावड़ी के अलावा शहर की कई धार्मिक सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शोक जताते हुए ढांढस बंधाया।

नरेश राणा जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल नियुक्त

कैथल (अप्रस/ओमप्रकाश)। जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जाट हाई स्कूल सोसाइटी द्वारा नरेश राणा को प्रिंसिपल के पद पर नियुक्त किया गया है। इस दौरान विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। मौके पर सोसायटी के नवनियुक्त प्रधान राजकुमार बेनीवाल, उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, सचिव रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन व अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। प्रिंसिपल नरेश राणा ने बताया कि जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर शारीरिक व मानसिक विकास के लिए सेमिनारों का आयोजन किया जाएगा। प्रधान राजकुमार बेनीवाल ने मीडिया को बताया कि जाट हाई स्कूल सोसाइटी की प्रबंधन समिति के सदस्य जाट शिक्षण संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत है।

घरौंडा हलके में विधानसभा अध्यक्ष ने दी सौगात, 2 करोड़ 12 लाख के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

डबरकी पार (जम्मुखाला) और सुभरी गांव में चार विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

शुगर मिल में सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ , 7 जुलाई। घरौंडा हलके में निरंतर विकासकार्यों की झड़ी लगी हुई है। हलके को नित नई-नई परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सोमवार को 2 करोड़ 12 लाख रुपये की चार विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। गांव डबरकी पार (जम्मुखाला) और सुभरी में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां विकास परियोजनाओं कि शिलान्यास किया गया।

गांव सुभरी और डबरकी पार (जम्मुखाला) के लोगों ने मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया। उन्होंने डबरकी पार (जम्मुखाला) में नगर खेड़ा से यमुना बांध तक रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। पैंतीस सौ फुट लंबे इस रास्ते के निर्माण पर 1 करोड़ 19 लाख रुपये खर्च होंगे। पंचायती राज विभाग की ओर से बनवाए जाने वाले इस रास्ते का निर्माण कार्य एक साल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने जम्मुखला/डबरकी गांव में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भी शिलान्यास किया। इसमें हॉल, शौचालय, चार दीवारी आदि का निर्माण कराया जाएगा। कार्य एक साल के अंदर पूरा किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सुभरी गांव में 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाली आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी की चारदीवारी और एसएचजी की महिलाओं के लिए हॉल का भी शिलान्यास किया। इन पर क्रमश- बीस और आठ लाख रुपये की लागत आएगी। दोनों का निर्माण कार्य तीन महीने में पूरा किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि उनका प्रयास है कि हलके के हर गांव में महिलाओं के लिए अलग चौपाल/भवन बने। कई गांवों में ये बनाए जा चुके हैं। दिसंबर 2026 तक हर गांव में महिला चौपाल बनवा दी जाएंगी। इससे महिलाओं को बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करने की सुविधा हासिल हो सकेगी। सरकार मातृ शक्ति की आमदन बढ़ाने के प्रति गंभीर है। स्वयं सहायता समूह (एसएसजी) की महिलाओं के लिए घरौंडा में 3 करोड़ से बनने वाले ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। इसके लिए 1 एकड़ जमीन पंचायत से ली गई थी। यह प्रशिक्षण संस्थान डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद यहां एसएचजी की महिलाएं अपने उत्पादों के लिए बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

अधूरे पड़े कामों में आएगी तेजी, जल्द होंगे पूरे

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हलके में रिंग रोड और मेडिकल यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य जारी है। मेडिकल यूनिवर्सिटी आरंभ होने से न केवल यहां लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। रिंग रोड बनने से क्षेत्र में बड़ी कंपनियां आएंगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। उन्होंने बताया कि सुभरी गांव में एससी वर्ग के लिए चौपाल मंजूर हो चुकी है। इस पर 15 लाख रुपये की लागत आएगी। पिछली प्लान के अधूरे कार्यों का तेजी से पूरा कराया जा रहा है। उस समय कोरोना के कारण विकास कार्य प्रभावित हुए थे। उन्होंने कहा कि हलके के लोगों के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं।

शुगर मिल में सुनीं जनता की समस्याएं

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने करनाल के शुगर मिल के अतिथि गृह में कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जन सुनवाई कार्यक्रम में लोगों से रूबरू होकर कई तरह की नई समस्याओं का पता चलता है और उनके निवारण के लिए यथासंभव कदम उठाए जाते हैं। कई समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जाता है। कुछ मांगों को योजना में डालकर आगे बढ़ाया जाता है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा-पंजाब में पानी के मुद्दे को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने बैठक बुलाई है। हरियाणा को उसका हक मिलना चाहिए। एक अन्य सवाल पर कहा कि जिला में संभावित बाढ़ से बचाव के लिए यमुना के तटबंधों को मजबूत किया गया है। उन्होंने खुद गत दिनों यमुना बांध का दौरा कर कराए जा रहे कार्यों का जायजा लिया था।

नरवाना के विकास के प्रति वचनबद्ध होकर किया जा रहा है निरंतर कार्य: कैबिनेट मंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई--हरियाणा के सामाजिक न्याय,अधिकारिता अनुसूचित जातीय एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंतोदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि नरवाना के विकास के प्रति वचनबद्ध होकर निरन्तर कार्य किया जा रहा है। नरवाना के सभी वार्डों के विकासात्मक कार्यो के लिए करीब 5 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर हुई है। भविष्य में भी प्रत्येक पार्षद अपने-अपने वार्ड में किए जाने वाले विकासात्मक कार्यों की सूची दें ताकि बजट मुहैया करवाकर विकास कार्यो को और गति प्रदान की जा सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में नगर परिषद की हाउस बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में 20-20 बैंच उपलब्ध करवाएं जाएंगे और ये कार्य पार्षदों की निगरानी में करवाया जाएं। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की आय के स्त्रोत बढ़ाने की दिशा में कार्य किए जाएं ताकि विकासात्मक कार्य निरन्तर चलते रहें। नगर परिषद के लिए करीब 17 करोड़ रुपये की राशि का बजट मंजूर करवाया गया है जिसमें से एक किस्त आ चुकी है। जिससे सभी वार्डो के विकास कार्यों की सूची बना दी गई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सभी पार्षद अपने वार्डों में आपसी तालमेल से कार्य करें अगर किसी पार्षद को कोई समस्या आ रही है तो वे तुरंत उनके संज्ञान में लाएं। शहर के सर्वांगीण विकास हेतु पार्षदों को दायित्व सौंपकर अलग-अलग कमेटियां गठित की गई हैं जो विकासात्मक कार्यो व आमजन को दी जाने वाली अन्य मूलभूत सुविधाओं पर निगरानी रखेंगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वित्त कार्य, पब्लिक वर्क, भवन, स्वच्छता, जल निकासी, पेयजल व्यवस्था, रैंट, स्ट्रीट लाईट मैटिनैंस, विज्ञापन आदि कार्यों की मॉनिटिरिंग के लिए अलग-अलग कमेटियां हाउस की सहमति से गठित की गई हैं। इनका कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा। सभी पार्षद दिए गए दायित्व का निवर्हन जनहित के लिए करें और शहर के सौंदर्यकरण को बढ़ाने का कार्य भी करें।

खुराना में धूमधाम से मनाई गुरु दक्ष प्रजापति जयंती

अर्थ प्रकाश/ओमप्रकाश

कैथल, 7 जुलाई। गांव खुराना में महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती बड़े श्रद्धा भाव और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हवन-यज्ञ, भंडारा और पौधारोपण जैसी धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत हवन-यज्ञ से हुई। इसके पश्चात भंडारा आयोजित कर ग्रामीणों को प्रसाद वितरित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गांव खुराना के सरपंच प्रतिनिधि गुरदेव मलिक रहे। उन्होंने अपने संबोधन में महाराजा दक्ष प्रजापति के जीवन को वर्तमान समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया और समाज में एकता, सेवा और शिक्षा के प्रचार-प्रसार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब हम अपने पूर्वजों के आदर्शों को आत्मसात करेंगे। इस दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने महाराजा दक्ष के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित भाव से गांव के किसान शहीद पार्क में पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को पौधे भेंट स्वरूप दिए गए ताकि वे पर्यावरण संरक्षण के संदेशवाहक बनें। कार्यक्रम में दयाली प्रजापति, रोशन प्रजापति, सोनू, भाना राम, रवि, दीपक, जगदीश, जस्सी, गालू, सहित युवा समिति से बुध राम, करण मलिक, रघुबीर, काला आदि मौजूद रहे।

पाई गांव में सड़क किनारे मिले भ्रूण को नोच रहे थे कुत्ते, 6 माह का भ्रूण मिलने से गांव में फैली सनसनी

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद खुल सकता है राज

अर्थ प्रकाश/ओमप्रकाश

कैथल, 7 जुलाई। जिले के पाई गांव में सोमवार सुबह के समय करीब छह माह का भ्रूण मिला है। भ्रूण मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। आशंका है कि किसी अज्ञात महिला ने प्लास्टिक की थैली में डालकर भ्रूण को फेंका है। ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद थाना पूंडरी की पुलिस मौके पर पहुंच और जांच शुरू की। इस दौरान सीन ऑफ क्राइम की टीम भी मौके पर आई। हालांकि अभी तक भ्रूण के लड़का या लड़की होने को लेकर कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस मामले में पुलिस को अज्ञात महिला के अवैध तरीके से महिला की डिलीवरी करवाने की आशंका है। ग्रामीणों के अनुसार इस भ्रूण को कुत्ते नोच रहे थे। ग्रामीणों ने सुबह जैसे ही यह घटना देखी तो उन्होंने तुरंत डायल 112 पर कॉल की और पूंडरी पुलिस को सूचना दी। प्राथमिक जांच में सामने आया कि किसी महिला ने इसकी अवैध तरीके से डिलीवरी करवाई और लोक लाज से बचने के लिए इसे थैली में डालकर गली में फेंक दिया।

पूंडरी थाना एसएचओ राजेंद्र कुमार ने बताया कि इस संबंध में उनके पास ग्रामीणों की ओर से सूचना आई थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई। भ्रूण को सीन ऑफ क्राइम टीम की जांच पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेजा जाएगा। इस दौरान पता लगाया जाएगा कि यह भ्रूण लड़के का है या लड़की का है। दूसरी ओर पुलिस इस बात का पता लगाने के लिए भी गांव में पड़ताल कर रही है कि किस महिला ने इसे फेंका है। जांच जारी है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उन्हीं के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

पौने सात दशक बाद भी नहीं मिली उत्तर हरियाणा को सियासी उपेक्षा से मुक्ति: शर्मा

25 साल पहले मराठा विरेंद्र की अगुवाई में किया था क्षेत्र को न्याय दिलाने के लिए न्याय युद्ध

यहां से लोकसभा का चुनाव लडे थे राजकुमार शर्मा एडवोकेट

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल 7 जुलाई। हरियाणा बनने के पोने सात दशक बाद भी उत्तर हरियाणा को न्याय नहीं मिला हैंप् इस क्षेत्र को ना तो कोई बडा रोजगार देने वाला प्रोजेक्ट नहीं मिला और ना ही इस क्षेत्र को कोई बड़ा मैडीकल संसथान मिला हैं। आज भी यहां के लोग दि ल्ली, रोहतक और चंडीगढ़ की तरफ देख रहे हैं। उत्तर हरियाणा को न्याय दिलाने के लिए 25 साल पहले एकता शक्ति पार्टी बना कर न्याय समर छेढ़ा गया था। इसका परिणाम यह निकला कि यहां से चुने विधायक को दा बार मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला लेकिन दोनों ही अपने क्षेत्र को उपेक्षा के दंश से मुक्ति नहीं दिला पाए। इन्ही मुद्दों को लेकर 25 साल पहले इस न्याय समर में शामिल हुए एडवोकेट राजकुमार शर्मा बताते हुए इस लड़ाई का असर हुआ भाजपा ने 11 साल पहले करनाल से चुने विधायक को मुख्यमंत्री बनाया। उसके बाद कुरुक्षेत्र के लाडवा से चुने विधायक नायाब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। दोनो ही अपने क्षेत्र को नया दिलाने में विफल रहे। उन्होंने बताया कि उन्होंने दो हजार गांवों में दौश्रा किया था। वहां पर सभाएं की थीं। मराठा विरेंद्र ने न्याय युद्ध का आगाज किया उन्होंने बताया कि हिसार में एयरपोर्ट बन गया लेकिन करनाल को आज तक नहीं मिला। कुरुक्षेत्र को भी नहीं। उन्होंने कहा कि नीलोखेड़ी से सरकारी प्रेस बंद कर दी गई जिससे हजारों परिवारों को रोजगार मिल रहा था। उदसके बाद इस क्षेत्र को कोई बड़ा रोजगार को प्रोजेक्ट नहीं मिला। करनाल जिले में 11 साल बीत गए लेकिन मैडीकल यूनीवर्सिटी नहीं शुरू हुई। कल्पना चावला मैडीकल कालेज केवल रैफर सैंटर बन कर रह गया हैं। अणिकतर मरीज प्राइवेट अस्पतालों पर निर्भर हैं। उन्होंने बताया कि रोहतक से भूपेंद्र सिंह हुड्डा भिवानीसे बंसी लाल, सिरसा से चौटाला, हिसार से भजन लाल ने मुख्यसमंत्री बनने के बाद अपने क्षेत्र के युवाओं को रोजगार दिया। कई परियोजनाएं दीं। एम्स दिया, आईआई टीएम दिया, यूनीवर्सिटी, पीजीआई दिया इसके अलावा रोजगार के कई प्रोजेक्ट दिए। लेकिन कुरुक्षेत्र करनाल, पानीपत, कैथल जींद को कुछ भी नहीं मिला।उन्होने बताया कि अंबाला को अनिल बिज ने बहुत कुछ दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विधायकों सांसदों को अपने क्षेत्र से प्यार नहीं हैं। इस क्षेत्र को बाहरी सांसद मिले। उन्होंने कहा कि इंद्री को बाहरी विधायक मिला। उन्होंने कहा कि उत्र हरियाणा को बाहरी लोगों ने राजनीतिक पिकनिक स्पोट बना लिया हैं। यहां के लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। इसका फायदा राजनैंतिक दल और जनप्रतिनिध उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मराठा विरेंद्र वर्मा ने न्याय युद्ध शुरू किया लेकिन उनका साथ यहां के लोगारें ने नहीं दिया।

मैराथन दौड़ को लेकर जागृति अभियान चलाया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 7 जुलाई। अखिल भारतीय मानव सेवा समिति द्वारा गीता हाई स्कूल पट्टी अफगान तथा पवनार पब्लिक स्कूल मॉडल टाउन कैथल में पौधारोपण तथा नशा मुक्ति हरियाणा मैराथन दौड़ को लेकर जागृति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के प्रधान जोगिंदर ढुल ने बताया कि समिति प्रत्येक वर्ष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करती है। आज तक समिति द्वारा लगभग 1800 पौधे लगाए जा चुके हैं। बहुत पौधे तो पेड़ बन चुके हैं। गीता हाई स्कूल में डॉ बीरबल दलाल ने नशा मुक्ति हरियाणा तथा 13 जुलाई को होने जा रही मैराथन दौड़ जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री हरी झंडी देंगे, इसके बारे में बच्चों तथा अध्यापकों को जागृत किया। पवनार पब्लिक स्कूल में खुशीराम दलाल, अर्जुन लाल गेरा तथा कुलदीप पूनिया ने नशा मुक्ति मैराथन जन जागरण अभियान को लेकर छठी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के बच्चों तथा अध्यापक अध्यापिकाओं को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को संकल्प दिलवाया कि वह अपने घरों तथा आस-पड़ोस में नशा करने वालों की सूचना 112 नंबर तथा 1930 नंबर पर देंगे। इस अवसर पर इसी कार्यक्रम को लेकर सुनील संधू समाज सेवक ने भी संबोधित किया। समिति के प्रधान जोगिंदर ढुल ने सभी का धन्यवाद किया। संबोधन के बाद राजकला पुनिया, महक, अनिल कुमार, राज कला पुनिया, रणबीर ढुल, विजय नैन चंद्रभान ढांडा, ज्ञानचंद भल्ला व सुरजीत कौर ने गीता हाई स्कूल तथा पवनार पब्लिक स्कूल में आम जामुन गुड़हल आदि के 10-10 पौधे लगाए तथा संरक्षण की जिम्मेदारी स्कूलों को दी।

बिहार में एसआईआर की रफ्तार तेज, 2.88 करोड़ नामांकन फॉर्म जमा, एक दिन में रिकॉर्ड 1.18 करोड़

चुनाव आयोग ने भरोसा जताया है कि इस व्यापक अभियान के चलते सभी योग्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो जाएंगे और अपात्र या फर्जी नामों की पहचान कर उन्हें हटाने में भी मदद मिलेगी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

पटना, 7 जुलाई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी है. चुनाव आयोग के 24 जून 2025 के निर्देशों के अनुसार यह काम चल रहा है. जिसके तहत 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित होने वाले ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उन्हीं लोगों के नाम शामिल होंगे, जिन्होंने अपने नामांकन प्रपत्र जमा किए हैं. चुनाव आयोग के मुताबिक सोमवार शाम 6 बजे तक 2,87,98,460 नामांकन प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं, जो 7.90 करोड़ (7,89,69,844) पंजीकृत मतदाताओं का 36.47 प्रतिशत है। खास बात ये है कि पिछले 24 घंटों में ही 1,18,49,252 फॉर्म एकत्र किए गए हैं. जो अब तक का एक बड़ा आंकड़ा माना जा रहा है. फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख तक अभी 18 दिन शेष हैं।

साथ ही डिजिटल अपलोडिंग का काम भी तेजी से चल रहा है. करीब 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 11.26 प्रतिशत के फॉर्म ईसीनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। इस काम में 77,895 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं की मदद कर रहे हैं. प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए 20,603 नए बीएलओ भी तैनात किए जा रहे हैं. लगभग 4 लाख वॉलेंटियर – जिनमें सरकारी अधिकारी, एनसीसी, एनएसएस सदस्य जैसे युवा और अन्य संगठन शामिल हैं – बुजुर्ग, दिव्यांग, बीमार और कमजोर वर्गों को मदद पहुंचा रहे हैं।

खुद निगरानी कर रहे मुख्य निर्वाचन अधिकारी

इसके अलावा 243 विधानसभा क्षेत्रों में 239 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 963 सहायक ईआरओ, 38 जिला निर्वाचन अधिकारी और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी खुद निगरानी कर रहे हैं। अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,54,977 बूथ लेवल एजेंट भी फॉर्म भरवाने में महत्वपूर्ण सहयोग दे रहे हैं. चुनाव आयोग ने भरोसा जताया है कि इस व्यापक अभियान के चलते सभी योग्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो जाएंगे और अपात्र या फर्जी नामों की पहचान कर उन्हें हटाने में भी मदद मिलेगी।

बिहार में 7,468 नई एएनएम की नियुक्ति, सीएम नीतीश कुमार ने सौंपे नियुक्ति पत्र

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा, विधानसभा चुनाव से पहले रोजगार पर सरकार का फोकस

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

पटना, 7 जुलाई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को मुख्यमंत्री सचिवालय में %संवाद% कार्यक्रम के दौरान 7,468 नई नियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने नई एएनएम को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे भरोसा है कि सभी नवनियुक्त कर्मचारी पूरी ईमानदारी और लगन से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और नियुक्ति पत्र पाने वाली एएनएम मौजूद थीं।

इस मौके पर बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि हम बिहार के युवाओं को 30 लाख नौकरियां देने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं और इस लक्ष्य को जल्द हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार का मतलब है 'रोजगार ही रोजगार'।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 7468 नवनियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एएनएम) को नियुक्ति प्रमाण-पत्र वितरित किए हैं। यह नियुक्ति महिला सशक्तिकरण की भी एक अप्रतिम मिसाल है। इससे हजारों परिवारों के जीवन में एक बदलाव आएगा। नारीशक्ति को सम्मान और आर्थिक सुरक्षा का भाव-बोध भी पैदा होगा। सभी नवनियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (नर्स) को शुभकामनाएं देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि आप सभी पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे जिससे मरीजों को लाभ होगा।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में अभी और नियुक्तियां की जानी हैं। खाली पदों को भरने का लगातार काम चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि इसी साल बिहार में विधानसभा चुनाव होना है, उससे पहले सरकार ने अधिक से अधिक नियुक्ति पत्र बांटने की योजना बनाई है।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है प्रदेश सरकार

योजनाओं की बहाली के लिए प्रयास युद्धस्तर पर जारीः उप-मुख्यमंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आपदा ग्रस्त सराज घाटी में राहत और पुनर्वास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय लोगों का दुख दर्द साझा करते हुए उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि आपदा के कारण सराज घाटी में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और महत्वपूर्ण पेयजल योजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। जल शक्ति विभाग की सराज और बालीचौकी क्षेत्र की 121 करोड़ रुपये लागत की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना सहित लगभग 241 परियोजनाएं आपदा से प्रभावित हुई हैं। सराज क्षेत्र में विभाग को 100 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि इन कठिन परिस्थितियों में राज्य सरकार संवेदनशीलता और सक्रियता के साथ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की इस घड़ी में प्रदेश सरकार हर आपदा प्रभावित परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़ी है। विभाग के अभियंता और कर्मचारी जनसेवा की भावना से दिन-रात कार्य कर रहे हैं।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग के प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता और समर्पित कर्मचारी दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचकर पेयजल योजनाओं को बहाल करने के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं ताकि लोगों को पेयजल सुविधा उपलबध करवाई जा सके। अब तक लगभग 140 योजनाएं आंशिक रूप से बहाल कर दी गई हैं और शेष योजनाओं की बहाली के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को शीघ्र स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और इसके लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जन सहयोग, हौंसले और सरकार की मदद से हम सब इस प्राकृतिक आपदा को कर्मठता से पार कर लेंगे।

शरण गांव की बेटी तनुजा ठाकुर ने भूस्खलन से सुरक्षित बाहर निकलने के अपने अनुभव उप-मुख्यमंत्री से साझा किए। उप-मुख्यमंत्री ने तनुजा के साहस की सराहना की।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (अभिव्यक्ति की रूचि)

01	एन. आई. टी. संख्या	एन. आई. टी.– 140–मेड–01–अम्बाला–2025
02	निविदा संख्या	140–मेड / टेंडर / 01 / 2025
03	**कार्य का नामः** मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उत्तर रेलवे अंबाला मण्डल द्वारा प्रख्यात निजी इमेजिंग केंद्रों कालका बठिंडा, सहारनपुर (सादे एवं विशेष एक्सरे, सी. टी. स्केन, अल्ट्रासाउंड, एम. आर. आई.) वर्तमान सी. जी. एच. रेट पर रेलवे लाभार्थियों के विभिन्न जाँचों की कैशलेस सुविधा देने हेतु रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.nr.indianrailways.gov.in पर जाए।	
04	कार्य अवधि	24 महीने
05	**निविदा डालने व खोलने की अंतिम तिथि व समयः** मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे मण्डल चिकित्सालय अंबाला के कार्यालय में निविदा/आवेदन पत्र डालने का समय दिनांक 30.07.2025, समय 15:00 बजे तक तथा टेंडर खोलने का समय दिनांक 30.07.2025 को 15:10 बजे।	
06	**जहां निविदा दस्तावेज उपलबंध होंगेः** उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in फर्म दिनांक 30.07.2025 को 11:00 बजे तक डाउनलोड कर सकते है।	
07	**पहले से सूचीबद्ध इमेजिंग केंद्रः** जिन निजी इमेजिंग केंद्रों जो पहले से अंबाला डिवीजन के साथ सूचीबद्ध किया गया है और उनके पास वैध अनुबंध है, उन्हे नए सिरे से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।	

संख्या एन. आई. टी.–140– मेड–01–अंबाला 2025 दिनांक 03.07.2025 2037/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-2444

बिहार सरकार

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी गोपालगंज सदर

आम–सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित कॉलम–06 में अंकित बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद अधिनियम के तहत जप्त वाहन के अधिग्रहण की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में चल रही है लेकिन कुछ वाहन मालिक का नाम, पता प्राप्त नहीं हो सका है एवं कुछ संबंधित वाहन मालिक अबतक इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा प्रस्तुत नहीं किये है।

क्र० सं०	वाद सं०–	समाहर्ता वाद सं०	परिवादी का नाम/पता	थाना का नाम/काण्ड सं०	वाहन का निबंधन सं०–	चेचिस सं०	इंजन सं०	वाहन का प्रकार
1	2	3	4	5	6	7	8	9
01	482/2025	812/25	पप्पु कुमार पिता– सुरेश महतो, सा०– समस्तीपुर वार्ड सं०– 07, थाना– मुफस्सिल जिला– समस्तीपुर 848101 मो०– 6200303083	उत्पाद थाना कांड सं०–243/25 दिनांक 27.04.2025	HR51CM-3903 (DTO) BR06AR-2305(FIR)	MAJAXXMRKAEM08766	EM08766	फोर्ड इकोस्पोर्ट कार

अतः समाचार पत्र के माध्यम से उक्त जप्त वाहन मालिक को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से कारण बतावें कि क्यों नहीं कॉलम–06 में अंकित जप्त वाहन को राजसात कर लिया जाय। निर्धारित तिथि तक पक्ष प्रस्तुत नहीं करने पर यह माना जायेगा कि संबंधित मालिक को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और तदनुसार अभिलेख में उपलब्ध कागज के आधार पर आदेश पारित किया जायेगा।

यदि सूची में उल्लेखित वाहन पर किसी अन्य व्यक्ति का दावा बनता हो तो वैसे व्यक्ति भी निर्धारित समय न्यायालय में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष रख सकते है।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
गोपालगंज सदर

PR. No. 007867 (District) 25-26

बिहार में शराब का व्यापार, बिक्री एवं सेवन अवैध है। इससे संबंधित शिकायत इस नंबर पर दर्ज करायें, आपकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी।
टॉल फ्री नं– 15545 या 1800 345 6268

पंजाब सरकार ने बाढ़ जैसी संभावित स्थिति से निपटने के लिए किए पुख्ता प्रबंध: बरिन्दर कुमार गोयल

सभी दरियाई बाँध मज़बूत किये, कुल 7.79 लाख सैंड बैग ख़रीदे, सभी जिलों में करीब 4 लाख बोरियां रेत से भर कर रखी

- जल संसाधन मंत्री द्वारा तैयारियों का जायज़ा
- बाढ़ रोकथाम उपायों के लिए ख़र्च किये गए तकरीबन 230 करोड़ रुपए
- 4766 किलोमीटर लम्बी ड्रेनों, नदियों और चोओं में गाद निकालने और सफ़ाई का काम मुकम्मल
- किसी संभावित दरार को तेज़ी से भरने के लिए पहली बार जम्बो बैग की ख़रीद की

अर्थ प्रकाश/अक्षित जैन

चंडीगढ़, 7 जुलाई। पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने आज यहाँ कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार ने पंजाब भर में बाढ़ जैसी किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पुख़ता प्रबंध किये हुए हैं।

यहाँ उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये कैबिनेट मंत्री ने बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए राज्य भर में चल रहे यत्नों की समीक्षा करने के साथ-साथ मौजूदा बाढ़ नियंत्रण उपायों की स्थिति और संभावित आपात हालातों से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग की तैयारियों का जायज़ा लिया।

कैबिनेट मंत्री को बाढ़ सुरक्षा उपायों और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए विस्तृत तैयारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई। उनको अवगत करवाया गया कि सरकार ने अलग- अलग बाढ़ प्रबंधन पहलों के लिए लगभग 230 करोड़ रुपए ख़र्च किये हैं। यह भी बताया गया कि ऐसडीऐमऐफ, मनरेगा और विभागीय अमले के द्वारा कुल 599 प्रोजैक्ट मुकम्मल किये गए हैं। इनमें विभागीय मशीनरी और ठेकेदारों के द्वारा 4766 किलोमीटर लम्बी ड्रेनों, नदियों और चोओं की सफ़ाई के साथ-साथ नदियों के बाँधों को मज़बूत करने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि इसके इलावा कुल 1044 चैक डैम और 3957 सोक पिट भी बनाऐ जा रहे हैं। इसके साथ ही 53,400 बाँस के पौधे लगाने के साथ-साथ 294 किलोमीटर हिस्से पर वैटीवर घास भी लगाया गया है।

कैबिनेट मंत्री को बताया गया कि विभाग ने 7.79 लाख सैंड बैग ख़रीदे हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख बोरियाँ पहले ही भरी जा चुकी हैं, जो बाढ़ जैसे आपात और संभावित हालातों के साथ तत्काल निपटने के लिए रणनीतिक तौर पर सभी जिलों में रखी गई हैं। इसके इलावा विभाग ने पहली बार जम्बो बैग भी ख़रीदे हैं जो टीमों को बाँध लगाने या बाढ़ जैसे हालातों से निपटने के दौरान किसी भी संभावित दरार को जल्द भरने में मदद करेंगे।

फील्ड अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ बातचीत के दौरान कैबिनेट मंत्री ने बड़ी नदियों, ड्रेनों और चोओं में पानी के मौजूदा स्तर की समीक्षा की जानकारी हासिल करने के साथ-साथ ड्रेनों में गाद निकालने और इसकी सफ़ाई, बाँधों को मज़बूत करने और विभागीय अमले के कामों समेत बाढ़ सुरक्षा उपायों की प्रगति का जायज़ा भी लिया।

उन्होंने किसी भी संभावित स्थिति के साथ समय पर निपटने के लिए ख़ास कर निचले और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सख़्त चौकसी की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इसके साथ ही श्री गोयल द्वारा कंट्रोल रूमों को पूरी तरह कार्यशील रखने और अति-संवेदनशील क्षेत्रों में अपेक्षित मशीनरी और सामग्री के साथ एमरजैंसी टीमों को तैनात करने के निर्देश भी जारी किये गए।

बड़े दरियाओं और ड्रेनों में पानी के स्तर का जायज़ा लेते हुये कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिया कि मान सरकार स्थिति पर पैनी नज़र रख रही है और मॉनसून सीजन के दौरान किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि 2023 के नाजुक हालातों से लिए गए तजुर्बे को मौजूदा योजनाबंदी में शामिल किया गया है।

प्रमुख सचिव कृष्ण कुमार ने बताया कि मुकम्मल हुए और चल रहे कामों की प्रगति की निगरानी के लिए ज़िला और सर्किल अधिकारियों के साथ नियमित तौर पर साप्ताहिक मीटिंगें की जा रही हैं।

कैबिनेट मंत्री ने ज़मीनी स्तर पर काम कर रहे स्टाफ के समर्पण की भी सराहना की और उनको मॉनसून सीजन के दौरान अपनी सेवा लगन के साथ जारी रखने की अपील की। मीटिंग में अन्यों के इलावा चीफ़ इंजीनियर (ड्रेनेज-कम- माइनिंग) श्री हरदीप सिंह महिन्दीरत्ता और जल संसाधन विभाग के सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

जगराओं में लैंड पूलिंग नीति के खिलाफ किसान संगठनों का धरना प्रदर्शन

कांग्रेस अध्यक्ष व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी हुए शामिल

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 7 जुलाई। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग नीति के खिलाफ आज किसान संगठनों ने स्थानीय तहसील चौक के पास एसडीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस पंजाब के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्न व कई राजनीतिक दलों के नेताओं समेत बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब के 17 जिलों में किसानों की जमीनें जब्त कर उन्हें गुलाम बनाया जा रहा है। दरअसल, केजरीवाल ने भू-माफिया के जरिए अरबों रुपये कमाने के लिए यह खेल रचा है और पंजाबियों के साथ धोखा किया है। उन्होंने हैरानी जताई कि किसी पंजाबी ने सरकार से ऐसी योजना की मांग नहीं की। दरअसल, प्रदेश की बागडोर कॉरपोरेट्स के हाथों में सौंपी जा रही है, मोदी सरकार ने बड़े कॉरपोरेट्स के हितों में बड़ी सड़क परियोजनाओं के लिए देशभर में हजारों एकड़ जमीन छीन ली है, किसानों को खेती से बाहर करने के लिए इस धोखाधड़ी योजना के जरिए वित्तीय संस्थाओं से गैर-उत्पादक कर्ज लेकर पंजाब को कर्जदार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस जमीन हड़पने से प्रभावित सभी गांवों में किसानों के साथ-साथ ग्रामीण मजदूरों पर सबसे ज्यादा मार पड़ेगी और दिहाड़ी मजदूर के तौर पर या जमीन बंटाई पर लेकर अपना गुजारा करने वालों की हालत उनके साथी किसानों से भी बदतर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस जनविरोधी नीति को भी तीनों काले कानूनों की तरह देशभर में लड़ाई लड़कर निरस्त किया जा सकता है। इस विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा के जिला अध्यक्ष जगतार सिंह देहरका, जिला सचिव इंद्रजीत सिंह धालीवाल, कंवलजीत खन्ना, कांग्रेस हलका इंचार्ज जगतार सिंह जग्गा, मनी गर्ग समेत बड़ी संख्या में किसान व लोग मौजूद थे।

पंजाब के पूर्व एआईजी के खिलाफ दामाद की हत्या के आरोप तय

चंडीगढ़ जिला अदालत परिसर के अंदर अपने दामाद आईसीएएस अधिकारी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। जिला अदालत ने सोमवार को पंजाब पुलिस के पूर्व सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) के खिलाफ आरोप तय किए, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में चंडीगढ़ जिला अदालत परिसर के अंदर अपने दामाद, भारतीय नागरिक लेखा सेवा (आईसीएएस) अधिकारी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय संधीर की अदालत ने आरोपी मालविंदर सिंह सिद्धू (58) के खिलाफ बीएनएस की धारा 103 और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। पुलिस द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद आज अदालत के समक्ष आरोपों पर सुनवाई होनी थी। अदालत ने अब मामले को 11 अगस्त को सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया है।

आरोपी मलविंदर सिंह सिद्धू (58), पंजाब पुलिस सेवा के अधिकारी हैं, जो मार्च में एआईजी (मानवाधिकार प्रकोष्ठ) के पद से सेवानिवृत्त हुए थे, उन्हें चंडीगढ़ पुलिस ने 3 अगस्त, 2024 को गिरफ्तार किया था। पीड़ित, हरप्रीत सिंह (37), आरोपी का दामाद, नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में तैनात था। पुलिस के अनुसार, हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी डॉ. अमितोज कौर के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा था। हरप्रीत ने मानसिक और शारीरिक क्रूरता के आधार पर पिछले साल चंडीगढ़ जिला अदालत में तलाक की याचिका दायर की थी। जबकि अमितोज तब से कनाडा चले गए हैं, उनके पिता उनकी ओर से अदालती कार्यवाही में भाग ले रहे थे।

पुलिस ने कहा कि 3 अगस्त को दोनों परिवार चौथी मध्यस्थता कार्यवाही के लिए चंडीगढ़ जिला अदालत परिसर में आए थे, उन्होंने कहा कि उन्हें दोपहर करीब 2 बजे मध्यस्थता केंद्र में गोलीबारी की घटना की सूचना मिली।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब हरप्रीत वॉशरूम जाने के लिए कमरे से बाहर निकला, तो मलविंदर भी उसके पीछे चला गया। जैसे ही वे दोनों बाहर गलियारे में आए, मालविंदर ने कथित तौर पर गोली चला दी। फिर उसने खुद को दूसरे कमरे में बंद कर लिया और बाद में कोर्ट स्टाफ ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया, सूत्रों ने बताया।

हरप्रीत को कथित तौर पर दो गोलियां लगी थीं और उसे चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

विधायक सुरेश कुमार और कैप्टन रणजीत सिंह ने हाईवे के अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

- डीसी, एसडीएम और अन्य अधिकारियों सहित टौणी देवी से अवाह देवी तक किया हाईवे के कार्य का निरीक्षण
- स्थानीय लोगों के मकानों और अन्य परिसंपत्तियों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगेः सुरेश कुमार

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर 07 जुलाई। हमीरपुर-अवाह देवी नेशनल हाईवे के कार्य के कारण स्थानीय निवासियों को हो रही दिक्कतों, उनके घरों एवं अन्य परिसंपत्तियों को हो रहे नुक्सान तथा बारिश से हुई क्षति का जायजा लेने के लिए सोमवार को भोरंज के विधायक सुरेश कुमार और सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने उपायुक्त अमरजीत सिंह, एसडीएम हमीरपुर संजीत सिंह, एसडीएम भोरंज शशिपाल शर्मा, सभी संबंधित विभागों, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा निर्माण कंपनी के अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया।

टौणी देवी से बारीं मंदिर, कोल्हू सिद्ध, झनिक्कर, बराड़ा, पंजोत, समीरपुर, संगरोह और अवाह देवी तक किए गए इस निरीक्षण के दौरान दोनों विधायकों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के लोगों की समस्याएं सुनीं तथा स्वयं मौके पर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने हाईवे की कटिंग के कारण जगह-जगह कई मकानों के गिरने की आशंका, भूस्खलन और जलभराव से जमीन के नुक्सान, मलबे की डंपिंग, निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं धीमी गति इत्यादि का कड़ा संज्ञान लेते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और निर्माण कंपनी के अधिकारियों को मौके पर ही सख्त दिशा-निर्देश जारी किए।

विधायक सुरेश कुमार ने अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी दिशा-निर्देशों की अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि खतरे की जद में आए मकानों एवं सरकारी भवनों के आगे डंगे लगाने, नालियां बनाकर पानी की सही निकासी करने जैसे सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से होने चाहिए। बरसात के मौसम को देखते हुए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या विलंब नहीं होना चाहिए। सुरेश कुमार ने कहा कि मौके पर दिए गए दिशा-निर्देशों की अनुपालना न करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाईवे के किनारे रहने वाले लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई से लाखों रुपये खर्च करके मकान बनाए हैं। इनकी सुरक्षा से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जर्जर ओर खंडहर हो चुके मकानों को लेकर डिप्टी मेयर तरुणा मेहता की पहल रंग लाई, चीफ इंजीनियर ने सेक्टर 20 में किया दौरा

जल्द टूटेंगे सेक्टर 20 ए के 224 सरकारी घर, चीफ इंजिनियर ने मौके पर जाकर भांपी स्थिति, डिप्टी मेयर तरुणा मौके पर मौजूद

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 7 जुलाई। चंडीगढ़ की डिप्टी मेयर तरुणा मेहता पिछले तीन सालों से सेक्टर 20 ए की पुलिस कॉलोनी के 116 ओर एम.ओ.एच के 108 मकानों की जर्जर हालत को लेकर लगातार इस मुद्दे को उठा रही थी और प्रशासन से संपर्क कर रही थीं। ये मकान अब खंडहर में तब्दील हो चुके थे और वहाँ बिना अलॉटमेंट के लोग रह रहे थे, असामाजिक गतिविधियों, विशेष रूप से नशा करने संबंधी शिकायतें मिल रही थीं। बिजली ओर पानी के अवैध कनेक्शन ले रखे थे डिप्टी मेयर तरुणा मेहता ओर एरिया की पार्षद ने खुद अधिकारियों को बुलाकर बिजली ओर पानी के कनेक्शन कटवाए।

तरुणा मेहता द्वारा इस गंभीर समस्या को बार-बार उठाने के बाद आज चंडीगढ़ के चीफ इंजीनियर श्री सी.बी. ओझा बाकी सभी अधिकारियों सहित स्वयं सेक्टर 20 का दौरा किया। उन्होंने मौके पर स्थिति का जायजा लिया और डिप्टी मेयर को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

चीफ इंजीनियर ओझा ने कहा कि सेक्टर 20 ए के मकानों की स्थिति अत्यंत खराब है, उन्हें जल्द ही तोड़ा जाएगा जिसके लिए उन्होंने कमेटी बना दी है और सेक्टर 20 बी ओर सी के मकानों की जल्द रेनोवेशन कराई जाएगी और जो अवैध तरीके से रहा रहे है उनपर करवाई भी की जाएगी।

डिप्टी मेयर तरुणा मेहता ने इस कार्रवाई को लेकर संतोष जताया और कहा कि वह शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए इसी तरह प्रयासरत रहेंगी।

कर्मचारियों को घरों में काम करवाने के लिए खाने पड़ते हैं धक्के

मेहता ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को घरों में छोटे छोटे कामों को करवाने के लिए बहुत धक्के खाने पढ़ते है जिसका समाधान निकालना चाहिए इसपर चीफ इंजिनियर सी बी ओझा ने कहा कि प्रशासन ने ऑनलाइन सुविधा प्रदान कर रखी है बस कर्मचारियों इसके लिए अवेयर होना पड़ेगा। इसके इलाव ओझा ने कहा कि जल्द प्रशासन के अधिकारियों की सरकारी कर्मचारियों की बनी आरडब्ल्यूए के साथ मीटिंग कराई जाएगी ताकि लोग अधिकारियों को सीधा अपनी समस्या बताएं और उसका निपटारा जल्द हो सके।

चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने चंडीगढ़ के लोगों के लिए लिया बड़ा फैसला

बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स ने बैंक की नौकरियों में 85 प्रतिशत कोटा चंडीगढ़ को देने का फैसला

85 प्रतिशत में से 15 प्रतिशत नौकरियां चंडीगढ़ के गांव के पुशतेनी लोगों को दी जाएगी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड चंडीगढ़ के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स की मीटिंग चेयरमैन सतिंदरपाल सिंह सिद्धू की अध्यक्षता में हुई। बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स की मीटिंग में बैंक में की जाने वाली रेगुलर, ठेका आधारित, पार्ट टाइम और आउटसोर्स की भर्तियों में 85 प्रतिशत कोटा चंडीगढ़ की लोगों को देने का फैसला किया गया है। जबकि अन्य 15 प्रतिशत में पंजाब हरियाणा समेत देश के अन्य राज्य के लोगों को शामिल किया जाएगा। यह बात चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष सतिंदर पाल सिंह सिद्धू ने की है उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के लोगों को दिए जाने वाले 85त्न कोटे में से 15त्न कोटा चंडीगढ़ के गांव में पुशतेनी लोगों को दिया जाएगा। बैंक के चेयरमैन सतिंदर पाल सिंह सिद्धू ने कहा कि पंजाब हरियाणा और देश के अन्य राज्यों की तरफ से की जाने वाली सरकारी भर्तियों में वहां के स्थानक लोगों को पहला दी जाती है। इतना ही नहीं पंजाब और हरियाणा की राजधानी होने के बावजूद चंडीगढ़ को दोनों राज्यों में बनता सनमान नहीं दिया जाता है। पंजाब और हरियाणा में सरकारी नौकरियां की भर्ती दौरान चंडीगढ़ की नौजवानों को अन्य राज्यों की सूची में शामिल किया जाता है। इससे स्पष्ट है कि पंजाब और हरियाणा भी चंडीगढ़ के लोगों को अपना नहीं समझते हैं। इसी को देखते हुए चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने फैसला किया कि बैंक में की जाने वाली रेगुलर, ठेका आधारित, पार्ट टाइम और आउटसोर्स की भर्ती में 85 प्रतिशत कोटा चंडीगढ़ के स्थानीय लोगों को दिया जाएगा। जबकि अन्य राज्यों के लोगों को 15 प्रतिशत कोटे में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में बैंक लोन के लिए पॉलिसी और चंडीगढ़ के सेक्टर 22 में स्थित बैंक की शाखा को अपग्रेड करने की मंजूरी भी दी गई है।

इस मीटिंग में चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराधा चगती आईएएस, एसडीएम सेंट्रल नवीन रतू आईएएस, बैंक के वाईस चेयरमैन सुखविंदर सिंह काला, डायरेक्टर भूपेंद्र सिंह बडहेडी, हरदीप सिंह बुटेरला, जुझार सिंह बडहेडी, त्रिलोचन सिंह, जीत सिंह बहलाना, बालकृष्ण, मनजीत राणा, गुरप्रीत सिंह और सुरजीत सिंह ढिलो मौजूद रहे।

▲ अधिकतम 29 डिग्री से.
डिग्री से. 26 न्यूनतम ▼
सूर्योदय 5.27 बजे
सूर्यास्त 7.29 बजे
सोना 24 कैरेट 98,440.00
सेंसेक्स 83,442.50
अमेरिका 85.91
कैनेडियन 62.89
आस्ट्रेलिया 55.85

न्यूज ब्रीफ

बेहड़ा के चंदन कुमार की हत्या मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। जीरकपुर-पटियाला रोड पर शराब ठेके के पास 3 जुलाई को 31 वर्षीय चंदन सिंह की हत्या मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान शिव कुमार उर्फ सीबू निवासी गांव लोधा टिकुर थाना ओरास जिला ऊनाओ यूपी (हाल निवासी सोहाना) जिला मोहाली, कर्ण पुहाल निवासी गांव जगतपुरा, मदन पाल निवासी गांव गोसगंज बेसार थाना बहेदर जिला हरदोई यूपी (हाल निवासी गांव जगतपुरा) जिला मोहाली व अंकित कुमार निवासी गांव सलेमाबाद थाना बदरिया बाजार जिला बारबकी यूपी (हाल निवासी जगतपुरा) जिला मोहाली के रुप में हुई है। आरोपियों के तीन अन्य साथियों की पहचान पुलिस ने गुप्त रखी है, उनकी तालाश जारी है। डीएसपी जीरकपुर जसपिंदर सिंह ने बताया कि आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल किए दो मोटरसाइकिल व लूटपाट के मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। सभी आरोपियों को 5 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों के खिलाफ मृतक चंदन सिंह के पिता राम बिहारी के बयान पर थाना जीरकपुर में बीएनएस की धारा 103, (5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। मौका गवाह व मृतक चंदन सिंह के दोस्त करण कुमार व ओमकार गौतम से हमलावरों के बारे में गहराई से पूछताछ की गई तो पता चला कि 3 जुलाई को करीब 3.45 बजे मृतक चंदन सिंह अपने दोस्त के ऑटो में सवार होकर जीरकपुर से अपने घर जा रहा था। उसने बाथरूम करने के लिए लोहगढ़ कट जीरकपुर के पास ऑटो रुकवाया। जब वह बाथरूम कर रहा था तो मौके पर 3 मोटरसाइकिलों पर 7 युवक आए और उन युवकों ने चंदन सिंह व उसके दोस्तों से मोबाइल छीनने की कोशिश की। चंदन सिंह ने इसका विरोध किया और उन 7 युवकों ने चंदन सिंह को पकड़ लिया।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में तीन आरोपियों को किया काबू

आरोपियो ने युवक पर तेजधार हथियार से हमला कर बुरी तरह से किया था जख्मी

सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ था वायरल

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 7 जुलाई। यूटी साउथ वेस्ट डिविजन की थाना 39 पुलिस ने युवक पर तेजधार हथियार से हमला कर बुरी तरह से जख्मी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए आरोपियो की पहचान सैक्टर 40 के चेतन, गांव बड़ेहैडी सैक्टर 41 निवासी पंकज और अन्य के रूप में हुई है। पुलिस अन्य की तलाश में छापेमारी भी कर रही है। पुलिस का कहना है कि फरार हुए मामले में अन्य आरोपियों को भी जल्द हिरासत में लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 40 निवासी ने पुलिस को बताया कि वह पीयू का छात्र है। 5 जुलाई को रात के समय अपने घर से मार्किट दही लेने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह सैक्टर 40 स्थित एक घर के नजदीक पहुंचा तो इसी दौरान अलग अलग दो पहिया वाहनों पर सवार आरोपियों ने किसी अन्य युवक के बारे में पूछा तो पीड़ित ने मना कर दिया। वाहनों पर सवार होकर आए सभी आरोपियों ने शिकायतकर्ता पर ताबड़तोड तेजधार हथियार से हमला कर दिया।और वह जख्मी हो गया। जिसके चलते हड़कंप मच गया। जिसे इलाज के लिए मोहाली स्थित अस्पताल में पहुंचाया। यहां उसकी हालत को देखते हुए उसे सेक्टर 32 के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां शिकायतकर्ता का इलाज चल रहा है। वही पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए उक्त आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच जारी है। जानकारी के अनुसार उक्त मामले को लेकर एक सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें शिकायतकर्ता पर उक्त आरोपी तड़बातोड़ हमला कर रहे थे।

चंडीगढ़ में ऐसी-नॉन ऐसी टैक्सी और कैब के रेट तय

प्रशासन के आदेश ऑटो रिक्शा, बाइक राइड और ई रिक्शा पर भी होंगे लागू

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से शहर में सफर करने वाले यात्रियों को राहत दी गई है। शहर में लोगों से मनमाने दाम वसूल करने वाले ऐसी-नॉन एसी टैक्सी या कैब चालकों पर प्रशासन ने लगाम लगाई है। यूटी के परिवहन विभाग ने ऐसी-नॉन एसी टैक्सी या कैब के किराए तय कर दिए हैं। इन आदेश के बाद चालक अपनी मनमानी नहीं कर सकेंगे। अभी कुछ दूर का सफर करने पर यात्रियों से चालक मुंह मांगे दाम बताने के बाद जेब ढीली करनी पड़ती थी। मगर, अब से नए रेट तय होने के बाद प्रशासन ना सिर्फ ऐसे चालकों पर नजर रखेगा बल्कि यात्री अपनी परेशानी लेकर परिवहन विभाग से भी संपर्क सकेगा। 31 मार्च, 2022 को मोटर वाहन अधिनियम 1988 (केन्द्रीय अधिनियम 59, 1988) की धारा 67 की उपधारा (1) के तहत इस संबंध में प्रशासक द्वारा चंडीगढ़ परिवहन प्राधिकरण को निर्देश जारी किए थे। अब विभाग ने अधिसूचना जारी कर चंडीगढ़ में एसी टैक्सी/नॉन एसी टैक्सी और साधारण ऑटो जिसमें ई-ऑटो/ई-रिक्शा और बाइक टैक्सी शामिल हैं, के संचालकों द्वारा लिया जाने वाला किराया निर्धारित किया है।

चंडीगढ़ में ये नए रेट तय

एसी/नॉन एसी टैक्सी/4+1 सीटर या उससे कम वाली कैब पहले 3 किलोमीटर के लिए 90 रुपये और पहले 3 किलोमीटर के लिए 100 रुपये हैं। अगले किलोमीटर के लिए 25 प्रति किलोमीटर लेना होगा। इसी तरह एसी/नॉन एसी टैक्सी/कैब जिसमें 6+1 सीटर या उससे ज़्यादा हो, पहले 3 किलोमीटर के लिए 100 रुपये और अगले किलोमीटर के लिए 28 रुपये प्रति किलोमीटर निर्धारित किया है। साधारण ऑटो (ई-ऑटो/ई-रिक्शा सहित पहले 3 किलोमीटर के लिए 50 रुपये और अगले किलोमीटर के लिए 13 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया निर्धारित किया है। बाइक टैक्सी पहले 3 किलोमीटर के लिए 30 रुपये और अगले किलोमीटर के लिए 9 रुपये प्रति किलोमीटर तय किया है।

प्रशासन अब हफ्ते में 3 बार लोगों की समस्याओं पर करेगा सुनवाई

एसएसपी-डीसी हर शुक्रवार को करेंगे लोगों के साथ बैठक

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 7 जुलाई। हाल ही में प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने प्रशासन में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए कार्यालयों का दौरा किया था। इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, प्रशासक यूटी चंडीगढ़ ने निर्देश दिया है कि आयुक्त, नगर निगम; उपायुक्त; और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, चंडीगढ़, सप्ताह में तीन बार यानी हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को - सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक नियमित रूप से सार्वजनिक सुनवाई करेंगे। ये समर्पित सत्र शहर वासियों को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करने और मुद्दों का समय पर समाधान प्राप्त करने के लिए एक सुलभ मंच प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि चंडीगढ़ प्रशासन ने मार्च 2024 से बुधवार को विशेष रूप से सार्वजनिक सहभागिता के लिए आरक्षित किया है। इसी कड़ी में प्रशासक ने पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने के एक ठोस प्रयास में सार्वजनिक संपर्क और शिकायत निवारण के मौजूदा तंत्र की समीक्षा करने के लिए शहर भर के विभिन्न कार्यालयों का दौरा किया था।

शुक्रवार डीसी और एसएसपी सुनेंगे समस्याएं

हर शुक्रवार को सेक्टर-17 स्थित उपायुक्त कार्यालय में डीसी और एसएसपी मिलकर संयुक्त जनसुनवाई करेंगे। इसका मकसद यह है कि उन मामलों को मिलकर तुरंत हल किया जा सके।जिनमें दोनों विभागों की जरूरत होती है।प्रशासन ने कहा है कि सुबह 11 से 12 बजे के बीच जब जनसुनवाई होगी। उस समय किसी भी अधिकारी की कोई दूसरी बैठक तय नहीं की जाए। अगर कोई जरूरी मीटिंग करनी हो तो वह इस समय के पहले या बाद में रखी जाए। मार्च 2024 से चंडीगढ़ प्रशासन ने हर बुधवार को जनता से बातचीत के लिए खास दिन तय किया हुआ था। अब इसे बढ़ाकर सप्ताह में 3 दिन कर दिया गया है।

पीरमुछल्ला में सड़क किनारे लगे गंदगी के ढेर की दुर्गंध से स्थानीय निवासी परेशान

सड़क किनारे बैठे मवेशी दे रहे हादसों को नियोक्ता

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 7 जुलाई। पंचकुला से पंजाब में एंटर होते ही नजारा एक दम बदल जाता है। कहीं गंदगी के ढेर लगे हैं तो कहीं लावारिश मवेसी खुले सड़को व कूड़े में घूम रहे है। पीर मुछल्ला में एंटर होते ही एक बड़ा सा डंपिंग ग्राउंड लोगों का स्वागत करता नजर आता है।

हालंकि शहर में घुसते हैं तो बड़ी बड़ी बिल्डिंगे देख कर कुछ राहत जरूर मिलती है। लेकिन शहर की बद सूरत तस्वीर उसका मजा किरकरा कर देती है। बता दें के पंचकुला के साथ स्टा पीर मुछल्ला एरिया जीरकपुर शहर के पॉर्स इलाके में से एक माना जाता है लेकिन मुख्य द्वार पर पड़ी गंदगी उसे ग्रहण लगा देती है। जिन लोगों का सपना पंचकुला में बसने का था और पंचकुला शहर महंगा होने के कारण वह लोग पीर मुछल्ला क्षेत्र में अपना घर बना लेते हैं, क्योंकि पीर मुछल्ला पंचकुला के साथ स्टा हुआ है और मार्किट से हर सुविधा मिल जाती है। लेकिन कुछ बेसिक सुविधाओं, साफ सफाई का आभाव उनके सपने पर पानी फेर देता है।

पंचकुला बैरियर से पीर मुछल्ला में स्थित मिडटाउन मॉल तक करीब डेढ़ किलोमीटर के सफर में सड़क किनारे खाली पड़ी जमीन जोकि पंचायती जमीन हैं में अक्सर बरसाती पानी खड़ा रहता है, कहीं कूड़े के ढेर लगे हैं और कहीं लावारिश घूम रहे पशू लोगों के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं। लावारिश पशु सड़क पर आकर बैठ जाते हैं और तेजी से सड़क क्रास करते हैं तो हादसों का कारण बन जाते है। गंदगी के किनारे आसपास फैली बदबू के कारण लोगों का यहां से निकलना भी मुश्किल हो रखा है। पिछले दिनों पार्षद व लोगों ने मांग कर सड़क किनारे व डवाईडर पर लोहे कि ग्रिल लगाने की मांग की थी ताकि मवेशी सड़क पर ना सकें। लेकिन लोगों की समस्या अभी तक वेसी की वेसी बनी हुई है। लोगों द्वारा मांग की जा रही है के हमने यहां लाखों रूपये लगाकर घर बनाए हैं लेकिन हमें सुविधाएं नही मिल रही है। जिस तरफ प्रसाशन व सरकार भी ध्यान नही दे रहा है।

जबकि पंचकुला से एंटर होते हुए यह पंजाब का एंट्री गेट है जो की खूबसूरत होना चाहिए। लोगों का कहना है के पंचायती जमीन पर पार्क या खेल का मैदान बना देना चाहिए, ताकि लोगों को कुछ तो सुविधा मिले।

हमने पीरमुछल्ला के लिए बकायदा डंपिंग ग्राउंड बनाया हुआ है। खाली पड़ी जमीन पर हमने चेतबनी बोर्ड लगाया है और लोगों को यहां कूड़ा गिराने से मना भी किया जाता है। कल ही टीम भेजकर चैक कर लेते हैं।

राम गोपाल, सेनेटरी इंस्पेक्टर नगर परिषद जीरकपुर।

स्कूली बच्चों के आधारकार्ड अपडेट करवाने के लिए स्कूलों में कैंप लगवाने की मांग

स्कूली बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ संपर्क सेंटरों में पहुंचे

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 7 जुलाई। शहर के समाज सेवक संदीप दहिया ने चंडीगढ़ के प्रशासक, उपायुक्त, डॉयरेक्टर स्कूल शिक्षा को ट्वीट कर सूचित किया है कि शहर के सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं को आधार कार्ड अपडेट को लेकर आ रही परेशानियों के बारे में बताया है। दहिया ने सैक्टर 15 के संपर्क सेंटर की वीडियो भी बना कर भेजी है। जिसमें छोटे-छोटे मासूम बच्चे स्कूल में ना जाकर अपने पेरेंट्स के साथ आधार कार्ड अपडेट करवाने के इंतजार में बैठे हैं। इन बच्चों की पढ़ाई तो मिस हो ही रही है। साथ ही पेरेंट्स को भी अपने काम से छुट्टी लेनी पड़ रही है। यह आलम सैक्टर 15 का ही नहीं बल्कि सैक्टर 23, 44 के साथ साथ पूरे शहर के संपर्क सेंटरों का है।

संदीप दहिया ने बताया कि शहर में कुल 111 सरकारी स्कूल हैं। जिसमें 3 प्राइमरी, 10 मिडिल, 56 हाईस्कूल, 42 सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। जिनमें हजारों छात्र और छात्राए पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग को प्रशासन के सहयोग से शहर स्कूलों में कैंप लगाकर आधार कार्ड अपडेट करवाने चाहिए।

राष्ट्रीय विराग मंच का बच्चों को स्टेशनरी वितरण एवं नैतिक संकल्प कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। पट्टाचार्य भगवान श्री विशुद्ध सागर जी मुनिराज के मंगल आशीष एवं प्रेरणा से तथा पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी मुनिराज के 58वें दीक्षा दिवस एवं उत्कृष्ट समाधि सम्राट आचार्य भगवन श्री विराग सागर जी मुनिराज की प्रथम पुण्यतिथि के पावन उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय विराग मंच (रजि.) चंडीगढ़ द्वारा सेवा, शिक्षा एवं संस्कारों से जुड़ा विशेष आयोजन किया गया।

यह आयोजन 6 जुलाई को ओल्ड इंद्रा कॉलोनी, मनीमाजरा में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 40 बच्चों को स्टेशनरी, किताबें एवं अन्य शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर बच्चों ने शाकाहार अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही 30 से 40 बच्चों ने बीड़ी, सिगरेट एवं तंबाकू जैसे नशे का त्याग करने का व्रत लिया। यह एक नैतिक एवं सामाजिक जागरूकता का अत्यंत प्रेरणादायक उदाहरण रहा।

कार्यक्रम में आकाश जैन अध्यक्ष, राष्ट्रीय विराग मंच (चंडीगढ़), उपाध्यक्ष-कुश जैन मनीमाजरा, मनोज शुक्ला- अध्यक्ष समस्या समाधान टीम, ट्रस्ट के अन्य सदस्यगण व स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विराग मंच का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों की स्थापना एवं विशेषकर बच्चों में संस्कार, शिक्षा और सेवा भावना का संचार करना है।

पूर्व डिप्टी मेयर अनिल दुबे के जन्मदिवस पर सुंदरनगर सामुदायिक केंद्र में में 111 यूनिट रक्तदान बना जनसेवा का उत्सव

जन्मदिन पर उपहार नहीं, जिंदगी बचाने का संकल्प

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 7 जुलाई। पूर्वांचल समाज के लोकप्रिय नेता और चंडीगढ़ के पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे ने अपने जन्मदिवस को समाज सेवा के महापर्व में बदल दिया। सोमवार को सुंदरनगर स्थित सामुदायिक केंद्र में रौनक सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीसरे रक्तदान शिविर में 111 रक्तदाताओं ने भाग लेकर यह दिखा दिया कि चंडीगढ़ का युवा सिर्फ उत्सव नहीं, उपयोगी कार्यों में विश्वास रखता है।

रक्तदान शिविर एक राजनीतिक शो नहीं, बल्कि जन भागीदारी की मिसाल बन गया। शिविर में मौजूद नेताओं ने ना सिर्फ मंच साझा किया, बल्कि रक्तदाताओं को प्रेरणा भी दी।

इनमें मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू एवं विशिष्ट अतिथि चंडीगढ़ अध्यक्ष जतिन्दर पाल मल्होत्रा, मेयर हरप्रीत कौर बबला, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबल , श्री हिन्दू तख़्त चंडीगढ़ अध्यक्ष मनीष दुबे (बबलू दुबे), राकेश दुबे, पूर्व मेयर सर्बजीत कौर, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर जगतार सिंह जग्गा, पार्षद कंवर राणा, सौरभ जोशी, मृणाल यादव, डेराबस्सी से रमेश राणा, चन्द्रमा मिश्रा, बलजीत सिंह सिद्धू, महेन्द्र नाथ दुबे, अरविन्द दुबे, नरेश पंचाल ,भाजपा महामंत्री रामबीर भट्टी, अमित राणा, मिनाक्षी ठाकुर, संजीव राणा, गणेश झा ,अभय कुमार झा, विनय मास्टर सहित कई गणमान्य चेहरे अनिल दुबे की टीम से जुड़े ओमप्रकाश यादव, रवि कुमार, सोनी गोयल (हरियाणा मार्बल), और रमन गैस एजेंसी से रमन, मन्नू भसीन, जेपी राणा,बिहार परिषद से उमाशंकर यादव कल्याण सभा चंडीगढ़ के अध्यक्ष कृपा संधू यादव, क्रांति शुक्ला, आप नेता देशराज सनावर, आप नेता गुरुदेव यादव आदि इस शिविर की सफलता के पीछे अहम कड़ी रहे।

स्वास्थ्य के साथ जिम्मेदारी का संदेश

सेक्टर 16 सरकारी अस्पताल की टीम ने शिविर में पूरी जिम्मेदारी से रक्त संग्रहण की प्रक्रिया को अंजाम दिया।इस मौके पर ऑपरेशन सेल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रंजीत सिंह ने भी रक्तदान किया और कहा रक्तदान सिर्फ एक सेवा नहीं, ये सामाजिक जिम्मेदारी है। अनिल दुबे और उनकी टीम ने यह साबित किया कि राजनीति केवल नारों और रैलियों तक सीमित नहीं, बल्कि जनता से सीधे जुड़ने का माध्यम भी बन सकती है। रक्तदान शिविर में उमड़ी भीड़, युवाओं का जोश और नेताओं की सहभागिता ने यह साबित कर दिया कि अगर नेतृत्व सही दिशा में हो, तो समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है।

सम्पादकीय

शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब ने हासिल किया बड़ा मुकाम

नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में पंजाब का पहले स्थान पर आना बेहद प्रशंसनीय और गौरवान्वित करने वाला प्रसंग है। यह मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य सरकार के अथक प्रयासों की कहानी का वह पहलू है, जोकि आज प्रत्येक पंजाबवासी को सम्मानित महसूस करवा रहा है। गौरतलब है कि साल 2017 में पंजाब का इस सर्वे में 23वां स्थान था। आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार का माहौल बनाया है, वह उत्साहजनक है और इसका अहसास कराता है कि पंजाब का भविष्य सुनहरा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसके लिए राज्य के स्कूलों के शिक्षकों, प्रिंसिपलों को इसके लिए धन्यवाद दिया है। निश्चित रूप से पंजाब ही वह राज्य है, जिसने अपने यहां स्कूल आफ एमिनेंस की स्थापना की है और अपने यहां से स्कूल शिक्षकों और प्रिंसिपलों को शिक्षा जगत में हो रहे अनुसंधानों को समझने के लिए विदेश भेजा है। शिक्षा किताब में लिखी इबारत का नाम नहीं है, शिक्षा जीवन शैली का नाम है। यह जीवन शैली ही हमें वह ज्ञान अर्जित करवाती है, जिसे हासिल करके हम अपने और दूसरों के जीवन में बदलाव की राह चुनते हैं। ऐसे में पंजाब की आप सरकार ने शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति करके यह साबित कर दिखाया है कि अगर हौसला है तो कुछ भी संभव है। पंजाब वह राज्य है, जिसने बेहद विषम परिस्थितियों को झेला है और अपने बेहतर कल के सपने संजोए हैं। पंजाब आज बदल रहा है और इसकी ईमानदार कोशिश अब नजर आ रही है।

मुख्यमंत्री मान का यह कहना सर्वथा उचित है कि पहले की सरकारों के वक्त सरकारी स्कूलों के प्रति यह सोच नहीं थी कि उनका विकास होना चाहिए। यह भी सच है कि अध्यापकों को गैर शिक्षण कार्यों के प्रति लगा कर उन्हें उनके प्राथमिक कार्य से वंचित कर दिया गया। हालांकि आप सरकार ने शिक्षकों को शिक्षा के कार्य में ही लगाया और उसका परिणाम आज सबके सामने है। निश्चित रूप से आज यह कहा जा सकता है कि पंजाब में शिक्षा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य सरकार जिस प्रकार से काम कर रही है, वह प्रशंसनीय और प्रेरक है। यह प्रदेश के युवाओं के लिए गौरवपूर्ण है कि अब राज्य में सरकारी नौकरियां बगैर कुछ दिए हासिल हो रही हैं।

मुख्यमंत्री मान का यह कहना सर्वथा उचित है कि पहले की सरकारों के वक्त सरकारी स्कूलों के प्रति यह सोच नहीं थी कि उनका विकास होना चाहिए। यह भी सच है कि अध्यापकों को गैर शिक्षण कार्यों के प्रति लगा कर उन्हें उनके प्राथमिक कार्य से वंचित कर दिया गया। हालांकि आप सरकार ने शिक्षकों को शिक्षा के कार्य में ही लगाया और उसका परिणाम आज सबके सामने है। निश्चित रूप से आज यह कहा जा सकता है कि पंजाब में शिक्षा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य सरकार जिस प्रकार से काम कर रही है, वह प्रशंसनीय और प्रेरक है। यह प्रदेश के युवाओं के लिए गौरवपूर्ण है कि अब राज्य में सरकारी नौकरियां बगैर कुछ दिए हासिल हो रही हैं। राज्य सरकार ने 3381 एलिमेंटरी टीचर नियुक्त किए हैं। इसका अर्थ यह है कि राज्य के स्कूलों में शिक्षकों की कमी जहां पूरी हुई है वहीं शिक्षा का स्तर भी ऊंचा उठा है। पंजाब में बीते वर्षों की तुलना में मौजूदा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा का स्तर काफी सुधरा है और अब इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। एक राज्य सरकार अगर स्कूलों और अस्पतालों की सेहत को लेकर चिंतित होती है तो सही मायने में वह लोकहितार्थ कार्य कर रही होती है।

पंजाब में शैक्षिक स्वरूप अब बदला हुआ नजर आ रहा है और नए खुल रहे एमिनेंस स्कूल और लाइब्रेरी की सुविधा से शिक्षा जगत रोशन हो रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, उद्योग एवं राजस्व आदि जुटाने के संदर्भ में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिनकी बदौलत अब पंजाब गतिमान नजर आ रहा है। राज्य में अब 117 स्कूल ऑफ एमिनेंस खोले गए हैं, जिनमें व्यापक सुविधाएं प्रदान की जा जाएंगी। वास्तव में यह कथन सही है कि बीते 75 वर्षों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया गया। जबकि यही दो विषय सबसे ज्यादा जरूरी होते हैं। पंजाब में भी शिक्षा को लेकर यहां की सरकारें इतनी गंभीर नजर नहीं आई।

राज्य में 20 हजार सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा मजबूत किया गया है। अब शिक्षा के क्षेत्र में आए बदलाव का ही संकेत है कि अब जनता ही नहीं अपितु सरकारी स्कूलों के अध्यापक भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में ही पढ़ा रहे हैं। आम आदमी पार्टी सरकार ने शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में भारी रियायतें जनता को प्रदान की हैं, इससे जनता का जीवन सुखद हुआ है। स्कूल ऑफ एमिनेंस की स्थापना उन माता-पिता के लिए उल्लेखनीय कार्य है, जो कि अपने बच्चों के लिए बड़े सपने देख रहे हैं, लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिए आर्थिक सामर्थ्य उनमें नहीं है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे राज्य में परिवर्तन का जैसा माहौल बनाया है, उसके बाद से शिक्षा, चिकित्सा, सरकारी क्षेत्र, रोजगार, पुलिस, उद्योग, बिजली, कृषि आदि में बदलाव साफ नजर आ रहा है। एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा और क्या हो सकती है कि वह जनता की भलाई के लिए काम करे। निश्चित रूप से आप सरकार के वर्तमान में किए जा रहे कार्य पंजाब के भविष्य की नींव रख रहे हैं।

संघ के समरसता के मूल मंत्र से ही धर्मान्तरण पर नियंत्रण सम्भव

दैनिक अर्थ प्रकाश

विश्व में अल्पसंख्यक बन कर रह रहे हिंदुओं के लिए अभी एक मात्र अपना देश भारत ही है, जहां लोग अपने को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। परंतु कुछ वर्षों से धर्मांतरण और जिहाद की बढ़ती घटनाओं के कारण भारत में रह रहे हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध और सरना सनातन परंपराओं को मानने वाले लोग काफी चिंतित हैं, इसलिए अब समय आ गया है कि हिंदू समाज को संगठित होकर हिंदू विरोधियों के कार्यों का प्रतिकार करना होगा। भारत में जबरन धर्मांतरण चाहे वह ईसाई मिशनरियों द्वारा पंजाब, पूर्वोत्तर और आदिवासी क्षेत्रों में हो या जिहादी रणनीतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए गंभीर चुनौती है। यह सिर्फ धार्मिक परिवर्तन नहीं बल्कि हिंदू सभ्यता को कमजोर करने, सामाजिक एकता को तोड़ने और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की एक साजिश है। राष्ट्र-विरोधी और सनातन-विरोधी शक्तियां, जिनमें कुछ राजनीतिक दल और वामपंथी समूह शामिल हैं, इन गतिविधियों को खुलेआम समर्थन दे रहे हैं। धर्मांतरण गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी है कि संघर्ष कर रहे हिंदू परिवारों को कानूनी और वित्तीय सहायता दी जाए। स्वरक्षा और आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए। सनातन धर्म की रक्षा होगी तभी भारत की रक्षा हो पाएगी। अगर जबरन धर्मांतरण को नहीं रोका गया तो हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएँगे। भारत की संस्कृति और धर्म मिट जाएगा। राष्ट्रीय अखंडता टूट जाएगी। अब समय आ गया है कि हिंदू समाज एकजुट होकर सनातन धर्म की रक्षा करे।

पिछले कुछ वर्षों से एक सोचे समझे षड्यंत्र के तहत कुछ लोगों के द्वारा अपने क्षणिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए विश्व के सबसे प्राचीन व महान 'सनातन धर्म' को जातियों में विभाजित करके उसको कमजोर करने का ज़हरीला एजेंडा निरंतर चलाया जा रहा है। यह चंद लोग दिन-रात इस बात के लिए व्यस्त हैं कि किस तरह से सनातन धर्म के अनुयायियों को जल्द से जल्द जातियों में बांटकर अपना स्वार्थ पूर्ण किया जाए। इसलिए इन चतुर लोगों का गैंग हिन्दुस्तान की आत्मा हिन्दुओं को बिना सिर-पैर के मुद्दों पर आपस में लड़ाकर के जातियों के नाम पर बांटकर के हिन्दुओं की ताकत को कमजोर करने की साज़िश रचने में लगा हुआ है। ऐसा करके यह चंद लोग एक तरफ तो सनातन धर्म के अनुयायियों की एकता को बेहद चालाकी से चोट पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह लोग देश के विकास में बाधक बनके भारत को विश्वगुरु बनने से रोकने का षड्यंत्र भी रच रहे हैं। यह चंद लोग बड़ी ही चतुराई के साथ 'फूट डालो राज करो' के अंग्रेजों की बनाई नीति पर सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच जाकर के दिन-रात काम कर रहे हैं। धरातल के हालात देखकर लगता है कि सरकार भी इन चंद लोगों के जातिवाद के ज़हरीले एजेंडे को समझ करके उस पर पूरी तरह अंकुश लगाने में अब तक तो विफल रही है, वह इन लोगों की अभी तक तो कोई ठोस काट ढूंढ नहीं पाई हैं।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिवाद की राजनीति के दम पर विपक्षी दलों को मिली भारी सफलता के चलते ही आज पूरे देश में एकबार फिर से हिन्दुओं को जातियों में बांटने के लिए जातियों के नाम पर तरह तरह से बरगलाने वाले लोगों व नेताओं की एक पूरी फौज धरातल पर जोशो-खरोश के साथ दिन-रात कार्य कर रही है,देश व सनातन धर्म के हित में इस स्थिति को जल्द से जल्द रोकना होगा।

आरएसएस के पंच प्रण में शामिल 'सामाजिक समरसता' इस जातिवादी गैंग के षड्यंत्र की प्रखर काट है। बशर्ते समस्त हिन्दू समाज मिलकर संघ के इस समरसता अभियान में पूरी तरह समर्पित होकर जुट जाएं। जिस दिन हिन्दू समाज समरसता अभियान के साथ खुद को एकाकार कर लेगा उसी दिन धर्मांतरण रूपी नासूर इस भारतवर्ष से सदा के लिए समाप्त हो जाएगा। इसके लिए हमें अपने क्षणिक लालच भी त्यागने पड़ेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत के संस्कार और संस्कृति का प्रतीक है और संघ प्रमुख मोहन भागवत इसके लिए काम कर रहे है। उनका कहना है कि सनातन ही भारत की पहचान है, अगर सनातन कमजोर होगा तो भारत का लोकतंत्र भी कमजोर होगा। मोहन भागवत ने सनातनियों को कमजोर नहीं होकर बल्कि इकट्ठे रहने के लिए कहा है। अगर, इकट्ठे रहेंगे तो कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदू अंत में इकट्ठे हुए। लेकिन यहां के हिंदू अंतिम में इकट्ठा नहीं हो, बल्कि शुरू से ही एक साथ रहें। अब संगठित होना पड़ेगा, नहीं तो कई लोग ऐसे हैं, जो जिन्ना के सिद्धांतों को लेकर चल रहे हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भी प्रत्येक धर्म की जीवन शैलियों और विचारों का सूक्ष्मता से अध्ययन किया था । हिन्दू धर्म में कुछ शताब्दियों के लिए आई कुरीतियों के विरुद्ध मुखरता के साथ-साथ उन्होंने इस्लाम के कट्टरवादी नजरिए और ईसाई, बौद्ध एवं

सिख पंथ की भी तुलनात्मक विवेचना की थी । बाबा साहेब का सम्पूर्ण जीवन अलग-अलग भागों में बंटा हुआ है । जिसमें उनकी दृष्टि सामयिक विषयों के आधार पर बदली भी है । यदि उनके जीवन के जन्म से मध्य काल तक की यात्रा को देखें तो यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि उनसे बड़ा हिन्दुओं का हितैषी कोई नहीं था । यदि तत्कालीन शक्तियों द्वारा उनके विचारों का मंथन किया गया होता तो भारत आज धर्मांतरण सहित कई तरह की समस्याओं से मुक्त होता । आरएसएस स्वयंसेवकों को सामाजिक समरसता के महत्व को समझने और इसे बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित करता है।

संघ का मानना है कि सामाजिक समरसता के बिना, राष्ट्र मजबूत नहीं हो सकता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का धर्मांतरण के मुद्दे पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। आरएसएस का मानना है कि धर्मांतरण, विशेष रूप से हिंदुओं का, जनसंख्या असंतुलन का कारण बनता है। उनका कहना है कि धर्मांतरण और घुसपैठ के कारण कई जगहों पर हिंदुओं की आबादी घट रही है। आरएसएस धर्मांतरण विरोधी कानूनों को सख्ती से लागू करने की अपील करता है। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉ भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था।

डॉ अंबेडकर की ही तरह आरएसएस ने धर्म के आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं किया है, बल्कि अंतरजातीय विवाहों का समर्थन किया है। आरएसएस का मानना है कि जनसंख्या असंतुलन को दूर करने के लिए, देश को एक व्यापक जनसंख्या नीति की आवश्यकता है जो सभी पर लागू हो, जिसमें धर्मांतरण और घुसपैठ को रोकने के उपाय शामिल हों।

इसके साथ सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं धर्मांतरण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वे जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा प्रदान करके, और समुदायों को मजबूत करके धर्मांतरण के कारणों को दूर कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, वे आपसी समझ को बढ़ावा देकर धर्मांतरण के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में भी मदद कर सकती हैं। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल जैसी संस्थाएं व हमारे अनेक साधु संत इस कार्य में अब तन मन धन से लगे हुए हैं।

सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं लोगों को यह समझने में मदद कर सकती हैं कि धर्मांतरण क्यों होता है और इसके संभावित नकारात्मक परिणाम क्या हो सकते हैं। यह जागरूकता अभियान समुदायों को धर्मांतरण के प्रति अधिक सतर्क और प्रतिरोधी बना सकता है। सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं शिक्षा के माध्यम से लोगों को सशक्त बना सकती हैं। वे लोगों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में शिक्षित कर सकती हैं। यह शिक्षा उन्हें अपनी पहचान और विश्वासों को मजबूत करने में मदद कर सकती है, जिससे वे धर्मांतरण के प्रलोभन का विरोध कर सकें। सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं समुदायों के बीच समरसता को मजबूत करके धर्मांतरण को रोक सकती हैं। अंत में धर्मांतरण रोकने का सफल और सटीक फॉर्मूला यही है कि हमे धर्मान्तरण करने वाले हर परिवार व्यक्ति को गले लगाना होगा, उनके सम्मान की चिंता करनी होगी, उनके सामाजिक व धार्मिक उत्सवों में आमंत्रित करना होगा, उनको आभास कराना होगा कि आप सनातन धर्म की मजबूत कड़ी है। उन सभी दलित बस्तियों और समाज के बीच जाकर उनको झूठे सेवा कार्यों की सच्चाई बतानी होगी और उनको विश्वास दिलाना होगा कि आपके बिना हम अधूरे हैं।

लेखक- सुभाष चन्द्र
कार्यकारी वाइस चेयरमैन
स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा, दलित चिंतक
एवं वरिष्ठ पत्रकार

अर्थ प्रकाश में **34 साल पहले** आज का दिन

पहले दिन भारी शोर-शराबा : अविश्वास प्रस्ताव पर बहस 15 जुलाई को

नई दिल्ली। संसद के मानूसन अधिवेशन के दौरान आज पहले दिन लोकसभा में भारी शोर-शराबा रहा। नरसिंह राव सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर आगामी 15 व 16 जुलाई को बहस होगी। आज सदन का पहला दिन काफी हंगामी से होकर गुजरा। लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल ने नरसिंह राव सरकार विरुद्ध विपक्षी दलों के अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए इस पर बहस के लिए 15 व 16 जुलाई तिथि की घोषणा की। सदन की कार्यवाई शुरु होते ही लगभग 50 विपक्षी सदस्य अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में अपनी सीटों से उठ खड़े हुए। जिन लोगों ने यह प्रस्ताव रखा, उनमें भाजपा के मदन लाल खुराना, अटल बिहारी वाजपेई जद के राम विलास पासवान, जार्ज फर्नाडीज, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इंद्रजोत गुप्त व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सोमनाथ चटर्जी आदि शामिल है। लोकसभा के दो नवनिर्वाचित सदस्यों कांग्रेस आई के राजेश खन्ना व अखण्ड मुक्ति मोर्चा के राजकिशोर मेहता को शपथ दिलाए जाने के एकदम बाद जनता दल नेता राम विलास पासवान ने प्रश्नकाल स्थगित करते हुए राजस्थान में कुम्हेर हत्या कांड पर बहस कराये जाने की मांग की। कांग्रेस आई सदस्यों ने भी इस हत्या कांड की जांच की मांग की। भाजपा के सदस्यों द्वारा इसका कड़ाविरोध किया गया। इस पर सदन में काफी देर तक शोर शराबा उठता रहा। लगभग 35 मिनट के शोर शराबे के बाद अध्यक्ष शिवराज पाटिल ने कहा कि बहस के लिए प्रश्न काल को स्थगित नहीं कराया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में भाजपा की सरकार है। जद नेता पासवान ने कहा कि कुम्हेर कांड में जिन लोगों की हत्या हुई है वह अनुसूचित जाति जनजातियों से संबंधित है।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1716- महान उत्तरी युद्ध- डायोनेक्लिन की लड़ाई में पीटर टेर्डेनकोल्ड के नेतृत्व में डेनिश-नॉर्वेजियन सेना फंस गई और इस प्रकार स्वीडिश सेना को पराजित कर दिया गया।

1758- ब्रिटिश सेनाओं को न्यूयॉर्क के फोर्ट टिकोन्डरोगा में ब्रिटिश और औपनिवेशिक हमलों का सामना करना पड़ा।

1777- वर्मोंट ने नया संविधान प्रस्तुत किया, जिससे वह दास प्रथा को समाप्त करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बन गया।

1791- संगीतकार जोसेफ हेडन को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में संगीत में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

1792- फ्रांस ने प्रशिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की।

1808- जोसेफ बोनापार्ट ने बीऑन कानून को मंजूरी दी, जो एक शाही चार्टर था जिसे स्पेन के राजा के रूप में उनके शासन के आधार के रूप में चुना गया था।

1808- जोसेफ बोनापार्ट ने बीऑन कानून को मंजूरी दी, जो एक शाही चार्टर था और प्रायद्वीपीय युद्ध के दौरान स्पेन के राजा के रूप में उनके शासन का आधार बना।

1809- फिनलैंड युद्ध में स्वीडिश द्वीप बेड़े ने पोर्कला के नौसैनिक युद्ध में रूसियों को हराया।

1833- रूस और तुर्की ने एक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किये।

1889- विश्व का सर्वाधिक प्रसारित होने वाला व्यावसायिक दैनिक समाचार पत्र, वॉल स्ट्रीट जर्नल प्रकाशित हुआ।

1895- दक्षिण अफ्रीका में डाल्गोआ बे रेलवे खोली गयी।

1932- महामंदी के दौरान अमेरिकी शेयर सूचकांक डाउ जोंस 41 अंक के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था।

1937- तुर्की, ईरान, इराक और अफ़गानिस्तान ने सौदाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किये।

1948- अमेरिकी वायु सेना में महिलाओं की भर्ती शुरू हुई।

1954 प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंजाब में भाखड़ा-नांगल पर जलविद्युत परियोजना शुरू की, जो दुनिया की सबसे बड़ी नहर है।

1955- बुरखा विश्वविद्यालय की स्थापना थाईलैंड के चोनबुरी प्रांत में की गई थी।

1962 रंगून विश्वविद्यालय में छात्रों के विरोध के जवाब में, बर्मी जनरल ने स्कूल के छात्र संघ भवन को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

बोल ब्यूटीफुल

आरती टिंकू सिंह: बांग्लादेश में एक हिन्दू महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का वीभत्स मामला दर्शाता है कि वहां किस तरह हिन्दुओं को निशाना बनाकर उनके नस्लीय सफाए की योजना पर काम हो रहा है। इसके लिए अमेरिका की कठपुतली यूनुस सरकार ही जिम्मेदार है, जिसमें कट्टरपंथी अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

मिन्हाज मर्चेंट: अगर पूरी दुनिया में पाकिस्तान से भी ज्यादा जहरीला, दगाबाज और घातक देश है तो वह चीन है। एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी आतंक के बेशर्मी से बचाव का उसका कुत्सित प्रयास सफल नहीं हो सका।

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव बीआरसी में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना 'लिथियम ट्रायंगल' का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के 'ग्लोबल साउथ' को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही

अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैं-जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की "Act Global" कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

जलवायु आपदाएं भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती : सीएम सुक्खू

राज्य में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं पर जताई चिंता, आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ करने के निर्देश

हाल ही में 19 बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिनसे जान–माल का काफी नुकसान हुआ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को यहां कहा कि आपदाएं भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटना मानवता के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की 9वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मामला केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष भी उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों मंडी जिला में 123 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे जिला में अत्यधिक तबाही हुई। शिमला जिला में 105 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 19 बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिनसे जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और राहत प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अवैज्ञानिक तरीके से मलबा दबाए जाने से नुकसान हो रहा है तथा भविष्य में इस नुकसान को रोकने के लिए वैज्ञानिक प्रणाली अपनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को लोगों को नियमित मौसम संबंधी अपडेट प्रदान करने तथा सोशल मीडिया में प्रसारित हो रही भ्रामक सूचनाओं का खंडन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अलर्ट जारी करने के लिए एसडीएमए एकमात्र प्राधिकरण है तथा लोगों से केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए तथा लोगों को नदियों और नालों से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर अपने घर बनाने चाहिए।

सभी सरकारी परियोजनाओं को जलधाराओं से 100 मीटर की दूरी पर स्थापित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी परियोजनाओं को जलधाराओं से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर स्थापित करें, ताकि नुकसान के जोखिम को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि 891 करोड़ रुपये की आपदा जोखिम न्यूनीकरण परियोजना कार्यान्वित की जा रही है, जिसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली तथा सहायक शमन उपायों के माध्यम से आपदा तैयारियों को सुदृढ़ किया जाएगा, जिसे मार्च, 2030 तक पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एसडीआरएफ को मजबूत कर रही है तथा कांगड़ा जिला के पालमपुर में एक नया परिसर स्थापित किया जा रहा है। डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल लोक प्रशासन संस्थान, शिमला में राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी, जबकि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला अनुसंधान और विकास कार्य करेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, सचिव एम. सुधा देवी तथा डॉ. अभिषेक जैन, एडीजीपी सतवंत अटवाल तथा अभिषेक त्रिवेदी, विशेष सचिव डी.सी. राणा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

डॉ. आरुषि जैन ने मुख्यमंत्री से भेंट की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। पब्लिक पॉलिसी एक्सपर्ट डॉ. आरुषि जैन ने रविवार सायं शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट की। आरुषि जैन हिमाचल प्रदेश से संबंध रखती हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व डिजिटल गवर्नेंस क्षेत्र में अपने गहन अनुभव को मुख्यमंत्री के साथ साझा करते हुए अपनी अभिनव पहल 'एआई सवेरा' के बारे में जानकारी दी। यह एक ऐसा मंच है जो आम लोगों तक सरकारी सेवाएं सरल और सुलभ तरीके से पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

डॉ. आरुषि जैन को एडवर्ड एस मैसन फेलो के रूप में चुना गया है और उन्हें जॉन एफ केनेडी स्कालर की विशिष्ट उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह सम्मान विश्व स्तर पर बदलाव लाने वाले चुनिन्दा व्यक्तियों को ही दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने आरुषि जैन की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की इस बेटी ने विश्व पटल पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियां देश व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीकी आधारित पहल से हिमाचल में सेवाओं की बेहतर पहुंच और जनता तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने में लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि 'एआई सवेरा' में जन भावनाओं का विश्लेषण, वर्चुअल अवतार और नीति निर्माताओं के लिए रियल टाईम एनालैटिक डेश बोर्ड जैसी कई आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। यह मंच सेवा वितरण और जनसहभागिता के लिए एक प्रभावी उपकरण सिद्ध होगा।

डॉ. आरुषि जैन ने हावर्ड युनिवर्सिटी के हावर्ड कैनेडी स्कूल से मिड-करियर मास्टर्ज इन पब्लिक एडमिनिस्टेªशन की डिग्री प्राप्त की है।

घुमारवीं कोर्ट परिसर की मूलभूत सुविधाएं होंगी सुदृढ़, मंत्री धर्माणी ने कोर्ट परिसर घुमारवीं बार एसोसिएशन की सुनी समस्याएं

अर्थ प्रकाश /अजय मल्होत्रा

शाहतलाई 7 जुलाई। प्रदेश सरकार में नगर नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने सोमवार को कोर्ट परिसर घुमारवीं में बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एल.आर. नड्डा की अध्यक्षता में अधिवक्ताओं की विभिन्न समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बार एसोसिएशन द्वारा मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में कुल चार प्रमुख मांगों को उठाया गया, जिनमें बार परिसर में महिला अधिवक्ताओं के लिए शौचालय की सुविधा की अनुपलब्धता, बार रूम और कोर्ट कैंटीन की जर्जर स्थिति, पुस्तकालय एवं ई-लाइब्रेरी हेतु आधारभूत ढांचे की आवश्यकता, तथा राजस्व न्यायालय परिसर स्थित बार रूम की मरम्मत का मुद्दा शामिल था। मंत्री धर्माणी ने सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए पीडब्ल्यूडी के एसडीओ को निर्देश दिए कि सभी सुविधाओं हेतु संशोधित एस्टीमेट शीघ्र तैयार कर फंडिंग प्रक्रिया आरंभ की जाए।

चौथी समस्या के रूप में चालानों को वर्चुअल कोर्ट भेजे जाने की नई व्यवस्था से उत्पन्न असुविधा को अधिवक्ताओं द्वारा उठाया गया। बताया गया कि पहले चालान की जानकारी संबंधित मोबाइल पर प्राप्त होती थी, लेकिन अब यह सुविधा बंद हो चुकी है जिससे आमजन को कोर्ट में भटकना पड़ रहा है। इस पर मंत्री धर्माणी ने मामले को राज्य स्तर पर उच्चाधिकारियों के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के उपरांत मंत्री धर्माणी ने कोर्ट परिसर का स्थलीय निरीक्षण करते हुए पार्किंग, कैंटीन, पुस्तकालय तथा अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। मंत्री ने कहा कि अधिवक्ताओं के लिए बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है और बार एसोसिएशन द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बाढ़ प्रभावित मंडी और सराज क्षेत्र में भेजी गई राहत किट

केलांग 7 जुलाई (अशेष शर्मा)। मंडी जिला के सराज विधानसभा क्षेत्र सहित अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों में जरूरतमंद परिवारों के लिए सहयोग किट भेजे गए हैं। यह राहत सामग्री पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता रवि ठाकुर के नेतृत्व में लाहौल-स्पीति भाजपा की ओर से भेजी गई है। राहत किट में चावल, आटा, तेल, तीन प्रकार की दालें, चीनी, चायपत्ती, हल्दी, मसाले, नमक, साबुन, मोमबत्ती, मिर्च, दूध, टूथपेस्ट और टूथब्रश शामिल हैं और ऐसे 150 किट 150 परिवारों के लिए भेजे गए हैं। यह किट बाढ़ के कारण कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे लोगों को थोड़ी राहत पहुंचाने के उद्देश्य से भेजी गई है। लाहौल स्पीति के पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने कहा कि विपत्ति की इस घड़ी में हर व्यक्ति को मानवता के नाते आगे आना चाहिए। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता करें। भाजपा नेता ने यह भी भरोसा दिलाया कि पार्टी स्तर पर आगे भी राहत कार्यों में सक्रिय योगदान जारी रहेगा। उन्होंने स्थानीय लोगों ने भी इस सहायता के लिए आभार जताया है।

हिमकेयर योजना को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम, पूरे वर्ष मिल सकेगा कार्ड बनाने और नवीनीकरण का अवसर

5.80 लाख लोगों को मिला लाभ, 810 करोड़ रुपये खर्च; गरीब और जरूरतमंदों के लिए विशेष प्रावधान, दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा निःशुल्क इलाज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। प्रदेश सरकार द्वारा मरीजों के लिए हिमकेयर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे प्रदेश के 5.80 लाख लोगों को उपचार प्रदान करने में लगभग 810 करोड़ रुपये व्यय किए हैं। हाल ही में, सरकार ने हिमकेयर कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके हिमकेयर योजना को और सुदृढ़ करने का निर्णय लिया है। नई नीति के अनुसार, हिमकेयर कार्ड हर साल प्रत्येक तिमाही मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर माह में बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में इन कार्डों के महत्व के दृष्टिगत विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए, सरकार ने मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपलों और चिकित्सा अधीक्षकों को विशेष परिस्थितियों में पूरे वर्ष में किसी भी समय हिमकेयर कार्ड बनाने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इन श्रेणियों में आने वाले परिवारों के लिए हिमकेयर कार्ड वर्ष में किसी भी समय बनाए जा सकते हैं। यह निर्णय जुलाई, 2025 के बाद लागू होगा। यह पोर्टल जुलाई माह में खुला है और लोग इस महीने के दौरान कभी भी हिमकेयर कार्ड बना सकते हैं।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार ने सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों में दुर्घटना पीड़ितों को निःशुल्क उपचार प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। सरकार के इस कदम से दुर्घटना पीड़ितों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त उपचार मिल सकेगा और इसके लिए पैसे, बिल क्लीयरेंस या किसी रिश्तेदार के आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह निर्णय दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित होगा।

प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्ड एक वर्ष के लिए वैध रहेंगे और आवेदन करने के लिए पोर्टल प्रत्येक तीन माह बाद खोला जाएगा। पोर्टल हर वर्ष मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर में प्रत्येक तिमाही में एक माह के लिए खुला रहेगा।

लोग पूरे वर्ष हिमकेयर कार्ड का नवीनीकरण भी करवा सकेंगे। यदि लाभार्थी नीति के अनुसार समय पर कार्ड का नवीनीकरण करवाने में विफल रहता है और उसका कार्ड समाप्त हो जाता है, तो नई नीति के अनुसार समाप्त हो चुके कार्ड का नवीनीकरण मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर में किया जा सकेगा।

प्रवक्ता ने बताया कि यह निर्णय पात्र लाभार्थियों के चयन को सुनियोजित करने और लोगों को निर्बाध, निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए समय पर अपने कार्ड का नवीनीकरण करवाने के लिए लिया गया है। हिमकेयर कार्ड बीपीएल, मनरेगा, रेहड़ी-फड़ी वालों, अनाथों और जेल के कैदियों सहित विभिन्न वर्गों के लिए निःशुल्क बनाया जाता है। एकल महिलाओं, अनुबंध व आउटसोर्स कर्मचारियों, 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगजनों, मिड-डे-मील वर्करों, अंशकालिक श्रमिकों और दिहाड़ी मजदूरों से इन कार्डों के लिए 365 रुपये लिए जाते हैं। शेष पात्र वर्गों से 1,000 रुपये शुल्क लिया जाता है।

प्रदेश में 5.26 लाख हिमकेयर कार्ड धारक परिवार हैं। इस कार्ड के तहत एक परिवार के अधिकतम पांच सदस्यों को कवर किया जाता है। हिमकेयर योजना के तहत कुल 3,227 बीमारियों का निःशुल्क उपचार किया जाता है। प्रदेश सरकार के 136 स्वास्थ्य संस्थान, जिनमें पीजीआई चंडीगढ़, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल चंडीगढ़ और होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (टाटा मेमोरियल सेंटर), न्यू चंडीगढ़ हिमकेयर लाभार्थियों को निःशुल्क उपचार प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, प्रदेश में कार्यरत सभी निजी संस्थानों में हिमकेयर योजना के तहत डायलिसिस सेवाएं निःशुल्क दी जा रही हैं।

पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी जयंती पर ऊना में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित, 'शिवस्तोत्र सिंधु' पुस्तक का किया विमोचन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 7 जुलाई। जिला भाषा अधिकारी कार्यालय ऊना द्वारा पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी जयंती पर लता मंगेशकर कला केंद्र, समूरकलां में एक भव्य साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. सुरेश सेठ ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के सुप्रसिद्ध विद्वान डॉ. प्रेम लाल गौतम, विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएनयू, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग के प्रो. डॉ. कृष्णमोहन पांडेय और मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त डॉ. धर्मपाल साहिल (सदस्य, गृह मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति, भारत सरकार) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। जिला भाषा अधिकारी निकू राम ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का स्वागत करते हुए साहित्यकारों से सामाजिक सरोकारों को लेकर सकारात्मक साहित्य सृजन करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर हिमाचल कला, भाषा एवं संस्कृति अकादमी के सदस्य व वरिष्ठ साहित्यकार जाहिद अबरोल द्वारा रचित पुस्तक 'शिवस्तोत्र सिंधु' का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक भगवान शिव के संस्कृत स्तोत्रों, ऋग्वेद के तीन सूक्तों और अन्य मंत्रों का उर्दू अनुवाद प्रस्तुत करती है, जो संस्कृत और उर्दू जैसी समृद्ध भाषाओं के बीच एक सांस्कृतिक सेतु का कार्य करती है।

कार्यक्रम के पहले सत्र में ÷पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी का साहित्य एवं हिमाचल से उनका संबंध÷ विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस सत्र में डॉ. राज कुमार एवं अशोक कालिया द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

मुख्य वक्ता डॉ. धर्मपाल साहिल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि गुलेरी जी के गाँव में आज भी जातिगत भेदभाव से परे आपसी सद्भाव देखने को मिलता है, जो उनके साहित्यिक विचारों की जीवंत झलक है।

प्रो. सुरेश सेठ ने कहा कि डिजिटल युग में पुस्तक पठन की परंपरा को पुनर्जीवित करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे मानसिक और शारीरिक समस्याओं से भी मुक्ति मिल सके। विशिष्ट अतिथि डॉ. कृष्णमोहन पांडेय ने 'शिवस्तोत्र सिंधु' को भाषायी और सांस्कृतिक सेतु बताते हुए इसकी साहित्यिक महत्ता को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम लाल गौतम ने गुलेरी जी की रचनाओं में प्रयुक्त पहाड़ी शब्दों और लोकसंस्कृति पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के अनेक कवियों ने भाग लिया। अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर करने वाले कवियों में सुरेंद्र सेठ, डॉ. अर्पना, कृष्ण कुमार, सूरम सिंह, डॉ. योगेश चंद्र सूद, किशोरी लाल बैन्स, डॉ. बालकृष्ण सोनी, ओम प्रकाश शर्मा, विशाली भारद्वाज, दिनेश कुमार, ओम देवी सैनी, मनोहर भट्टी, रामपाल और राजेंद्र कुमार कौशल शामिल रहे।

बादल फटने की घटना के बाद पंडोह डैम में एकत्रित वन लकड़ियों की जांच करेगी सीआईडी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। हाल ही में बादल फटने की घटना के बाद पंडोह डैम में जमा हुई लकड़ी से संबंधित मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह मामला आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया है। पिछले सप्ताह बादल फटने की घटना और आस-पास के क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश के कारण पहाड़ियों से भारी मात्रा में लकड़ियां बहकर पंडोह डैम में एकत्रित हो गई थी।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में लकड़ियां इकठ्ठा होने के संभावित कारणों को सामने लाया जाएगा। इस दिशा में सरकार ने अब इस मामले की सीआईडी जांच का फैसला लिया है ताकि सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाया जा सके। उन्होंने बताया कि बादल फटने और बाढ़ की घटनाओं के दृष्टिगत प्रदेश सरकार की पहली प्रतिक्रिया अमूल्य जीवन बचाना और प्रभावितों को तत्काल बचाव और राहत उपलब्ध करवाना होता है। सरकार द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि नदी में बह रही लकड़ियां और पंडोह बांध में तैरती हुई लकड़ियों का वीडियो और तस्वीरें ऑनलाइन वायरल हुई हैं। इस विषय में लोगों की चिंता को देखते हुए निरंतर जांच की मांग की जा रही थी। इसके दृष्टिगत सीआईडी जांच का निर्णय लिया गया है। आपदा पीड़ित लोगों की सहायता में पूरा सरकारी तंत्र दिन-रात कार्य कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि संवेदनशील स्थिति में भी भाजपा ने असंवेदनशीलता का परिचय देते हुए इस मामले को उठाया। संकट के समय बीजेपी नेता गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं, जो उनके दोहरे चेहरे को लोगों के सामने रख रहा है। पिछली भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान पेड़ों की अवैध कटाई के मुद्दे की कभी निष्पक्ष जांच नहीं करवाई और इस दौरान वनों के अवैध कटान के मामले में दोषियों की जवाबदेही को तय नहीं किया गया। उनके कार्यकाल के दौरान प्रदेश में वन माफिया फल-फूल रहा था।

प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान प्रदेश सरकार हिमाचल को 31 मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है और इस लक्ष्य को हासिल करने में बाधा डालने वाले लोगों को कानून के दायरे में लाकर सजा दी जाएगी।

कंडाघाट में दुकानदार पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 7 जुलाई। कंडाघाट पुलिस ने एक दुकानदार पर हमला करने के मामले में आरोपी विंदेश कुमार उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। यह घटना 20 सितंबर 2024 को हुई थी और इसकी शिकायत कंडाघाट निवासी अजय सिंह ने पुलिस थाना कंडाघाट में शिकायत दर्ज की थी।

शिकायत के अनुसार, उस दिन शाम के समय अजय सिंह अपनी दुकान पर थे, तभी विन्देश उर्फ सन्नी डंडा लेकर उनकी दुकान पर आया। उसने दुकान के बाहर सामान न रखने की धमकी दी और अजय के साथ बहस शुरू कर दी। इसके बाद वह दुकान के अंदर घुसा, सामान बाहर फैंकने लगा और विरोध करने पर अजय के साथ डंडे से मारपीट की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने मामले की जांच के दौरान मारपीट में प्रयुक्त डंडा बरामद किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। आरोपी को जांच में शामिल होने के लिए बीएनएसएस के तहत नोटिस जारी किए गए, लेकिन उसने नोटिस स्वीकार नहीं किए और जांच में शामिल नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया। 6 जुलाई को कंडाघाट पुलिस ने कंडाघाट के बोल्ड कोर्ट रोड निवासी 38 वर्षीय विंदेश कुमार उर्फ सन्नी को गिरफ्तार कर लिया। उसे आज को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि विंदेश आदतन लोगों से झगड़ा, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करता है। उसके खिलाफ पुलिस थाना कण्डाघाट में चार कलंदरे भी दर्ज हैं, जो वर्तमान में एसडीएम कंडाघाट के समक्ष विचाराधीन हैं। मामले की जांच अभी जारी है।

व्यापार मंडल ने उठाई मांग शहर में व्यास नदी के किनारे किया जाए सुरक्षा दीवार का निर्माण

मंडल अध्यक्ष मदन लाल सूद की अध्यक्षता में हुई बैठक

अर्थ प्रकाश/थरमाणी

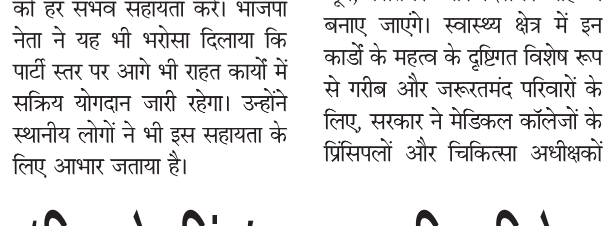

कुल्लू 7 जुलाई। व्यापार मंडल कुल्लू की एक अहम बैठक ट्रक यूनियन के सभागार में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता व्यापार मंडल के अध्यक्ष मदन लाल सूद द्वारा की गई। बैठक में मुख्य संरक्षक दिनेश सेन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में व्यापारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में सर्व सहमति से फैसला लिया गया कि शहर में मेले व अन्य व्यापारिक गतिविधियों के आयोजन से पूर्व व्यापार मंडल को विश्वास में लिया जाए। व्यापारियों ने बैठक में उनके समक्ष आ रही परेशानियों के बारे में भी अवगत करवाया।

व्यापारियों द्वारा एपीएमसी द्वारा जो किरयाना थोक विक्रेताओं से फीस ली जाती है उसे बंद किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की फीस देश में अन्य किसी राज्य में नहीं ली जाती है। कुछ व्यापारियों ने ढालपुर में रविवार को लगने वाली दुकानों का विरोध किया जिसमें दुकानों में बिकने वाला कई तरह का सामान बेचा जा रहा है। जबकि वह मात्र पुराने कपड़ों का बाजार हुआ करता था। कुछ व्यापारियों ने शहर के साथ व्यास तट पर लगने वाली दीवार को लगाए जाने की भी मांग उठाई। अभी तक काफी हिस्सा शहर का असुरक्षित है। बैठक में अध्यक्ष मदनलाल सूद ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि व्यापार मंडल के पंजीकरण की औपचारिकताएं पूर्ण करके पंजीकृत कर लिया गया है तथा बैंक खाता भी खुल चुका है। जोकि सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल भवन के बारे में विधायक सुंदर सिंह ठाकुर से बात की गई थी उन्होंने कहा है कि भूमि का चयन करके बताए वह भवन निर्माण के लिए पैसा उपलब्ध करवाएंगे। इसके अतिरिक्त शहर की निकास नालियों की दुर्दशा सुधारने ओर सड़क मार्ग की तरफ झुकने वाले पोल के बारे में भी संबधित विभागों को अवगत करवाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि व्यासा मोड़ के समीप व्यास में आई बाढ़ के कारण सिवरेज लाइन व ढांचा बह गया था जिसके चलते व्यापारियों को सिवरेज लाइन से वंचित होना पड़ा है। उन्होंने कहा विभागाधिकारियों ने पुनः निर्माण के लिए बजट का प्रावधान न होने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि वार्ड के अनुसार सदस्यों का चयन किया गया है। सभी पदाधिकारी व सदस्य पूरी निष्ठा से कार्य करें और संगठन को मजबूत बनाएं। बैठक में उपाध्यक्ष इंद्र चावला, जगदीश बंगा, महासचिव सुबोध कुमार, कोषाध्यक्ष गोपाल चौधरी, मीडिया प्रभारी जसपाल सिंह, कार्यकारिणी सदस्य अतुल गुप्ता, रोहित चोपड़ा, अशोक वालिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री भेजने के लिए सरकारी बसों में मिले किराए में छूट

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

गोहर 7 जुलाई। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जहां लोग अपना सब कुछ गवा बैठे हैं। दूसरी जगह से लोग राहत भेजना चाहते हैं मगर दूसरे शहरों के लोग हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों पर यह सामान भिजवाए मगर पथ परिवहन निगम उनसे मोटा किराया लेते हैं। जिस वजह से राहत सामग्री आपदा प्रभावित क्षेत्र में भेजने में परेशानी आ रही है । गोहर प्रशासन और सराज प्रशासन ने सरकार से मांग की है कि हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों पर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में दूसरी जगह से एस डी एम कार्यालय गोहर एस डी एम कार्यालय थुनाग खंड विकास अधिकारी कार्यालय जंजैहली में भेजी जा रही राहत सामग्री पर किराए में छूट होनी चाहिए ताकि भेजने दानी सज्जनों वह समाजसेवी संस्थाओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। जो राहत सामग्री सरकारी बसों के माध्यम से भेजी जारी जारी है जो राहत सामग्री एसडीएम कार्यालय गोहर एसडीएम कार्यालय थुनाग के लिए भेजी जानी है उन पर सरकार किराए पर छूट दे ताकि लोग नाचन व सराज विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री बेझिझक भिजवा सके। समाजसेवी संस्थाओं को अन्य दानी सज्जनों का मानना है यह राहत भिजवाना चाहते हैं मगर इतना किराया या दूर से स्पेशल गाड़ी करके भेजना संभव नहीं है। अगर हिमाचल पद पर वह निगम की बसें हमें किराए में छूट देती है तो बसों पर यह राहत सामग्री भेजी जा सकती है। जो स्थानीय प्रशासन द्वारा नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी उनको ले सकते हैं यह छूट केवल प्रशासन द्वारा प्रशासनिक कार्यालय में ही भेजी जाए उन्हीं पर छूट मिलनी चाहिए ।

फर्जी डिग्री पर बने डॉक्टर कर रहे थे यूनानी पद्धति से मरीजों का इलाज

भारतीय चिकित्सा परिषद की शिकायत पर पुलिस ने क्लिनिक पर छापा मार कर दबोचे दो आरोपी

राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संस्थान से अनुभव के आधार पर फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करवाया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। भारतीय चिकित्सा परिषद सेक्टर-3 पंचकूला द्वारा वर्ष 2022 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर क्लिनिक संचालन के एक गंभीर मामले में दर्ज एफआईआर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचकूला पुलिस की डीसीपी सृष्टि गुप्ता के नेतृत्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों डॉक्टरों की डिग्री फर्जी निकली जो क्लीनिक में यूनानी पद्धति के जरिए लोगों का इलाज कर रहे थे। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 471, 120बी तथा आयुर्वेदिक यूनानी प्रैक्टिशनर एक्ट 1963 के अंतर्गत दर्ज किया गया था।

मामले की जांच कर रही सेक्टर-21 पुलिस चौकी के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दीदार सिंह व जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर राज कुमार ने अपनी टीम के सहयोग से दोनों आरोपियों डॉ. कृष्ण कुमार व डॉ. वीरेन्द्र कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ में फर्जी डिग्री की फोटोकॉपी बरामद कर ली गई है। साथ ही यह भी पता चला है कि अन्य कई लोगों ने भी इसी तरह की फर्जी डिग्रियां बनवाई हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसे अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस आरोपियों तक यूं पहुंची: जानकारी के अनुसार, डॉ. कृष्ण कुमार व डॉ. वीरेन्द्र कुमार जो कि मूल रुप से पानीपत के रहने वाले हैं, ने बिहार के पटना स्थित राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा संस्थान से अनुभव प्राप्त किया। इसके बाद फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करवाया। इन प्रमाण पत्रों के आधार पर वे हरियाणा के पानीपत समालखा में आयुर्वेदिक क्लिनिक चला रहे थे। जबकि राज्य सरकार के नियमों के अनुसार, बिहार राज्य के इस संस्थान से जारी प्रमाण पत्र पर हरियाणा में क्लिनिक संचालन मान्य नहीं है।

मामला ऐसे बना संदिग्ध

इन दोनों आरोपियों ने अपने परिचित चन्द्र भूषण चौधरी की मदद से हरियाणा में प्रमाण पत्र का माईग्रेशन और रिन्यूवल करवाया, परंतु संबंधित रिकॉर्ड भारतीय चिकित्सा परिषद सेक्टर-3 के पास उपलब्ध नहीं था, जिससे मामला संदेहास्पद बन गया।

पुलिस ने फर्जी डिग्री की फोटोकापी बरामद की, अन्य लोग भी घेरे में

अब पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ में फर्जी डिग्री की फोटोकॉपी बरामद कर ली गई है। साथ ही यह भी पता चला है कि अन्य कई लोगों ने भी इसी तरह की फर्जी डिग्रियां बनवाई हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसे अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

पंचकूला में अवैध पार्किंग पर पुलिस की सख्ती का असर, छह महीने में काटे 1905 चालान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। अवैध पार्किंग पर लगाम कसते हुए पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में कुल 1905 चालान काटे हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 629 अधिक हैं। वर्ष 2024 के पहले छह महीनों में अवैध पार्किंग के कुल 1276 चालान किए गए थे, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा बढ़कर 1905 तक पहुंच गया है।

पुलिस उपायुक्त अपराध एवं यातायात अमित दहिया के दिशा-निर्देशन में पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए यह उपलब्धि दर्ज की है। अवैध पार्किंग से अक्सर सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने यह सुनिश्चित किया है कि शहर की सड़कों पर अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पंचकूला सिटी ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील कुमार तथा सूरजपुर यातायात प्रभारी सब-इंस्पेक्टर नरेन्द्र कुमार की निगरानी में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां बार-बार अवैध पार्किंग की शिकायतें आती थीं।

एसीपी ट्रैफिक सुकरपाल सिंह का कहना है कि यह कार्रवाई जनता की सुविधा और शहर के ट्रैफिक संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए की जा रही है। भविष्य में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थानों पर ही वाहन खड़ा करें, ताकि किसी को भी जाम या असुविधा का सामना न करना पड़े।

गूगल पे से 45 हजार किए थे खुद के खाते में ट्रांसफर, दोनों आरोपी गिरफ्तार, रकम बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। पुलिस थाना कालका की टीम ने ठगी के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पूरी ठगी की गई राशि बरामद कर ली है। जांच अधिकारी सब-इंस्पेक्टर जिले सिंह द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई में पहले आरोपी रंजीत उराव (23) वर्ष, निवासी कमेटी घर, कालका को 30 जून को गिरफ्तार उसके कब्जे से 17,000 की रकम बरामद की गई। इसके उपरांत आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अब पुलिस ने दूसरे आरोपी पंकज (23) को भी गिरफ्तार कर लिया है। वह कालका के सीताराम खेड़ा का रहने वाला है। पुलिस को आरोपी की काफी समय से तलाश थी। पूछताछ के बाद उसके कब्जे से 27,500 रुपये की ठगी की शेष राशि भी बरामद कर ली गई है। आरोपी को आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति पर

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने थाना कालका पुलिस टीम की तत्परता और गंभीरता की सराहना करते हुए कहा कि ठगी, धोखाधड़ी जैसे मामलों में पंचकूला पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और ऐसे मामलों में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

यह था मामला: गत 22 जून को राकेश कुमार निवासी गांव टिपरा, कालका ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह परवाणू की एक कंपनी में कार्यरत है। 27 मई को निजी कार्य से गांधी चौक, कालका गया था, जहां दो युवकों ने उसे बातों में उलझाकर उसके मोबाइल में गूगल पे एप से अपने अकाउंट में 45,000 ट्रांसफर कर लिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कालका में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) व 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मोहाली से किडनैप हुए प्रिंसिपल की हत्या, दो आरोपियों की निशानदेही पर शव मोरनी से बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। मोरनी के जंगल में सोमवार को मोहाली से 4 दिन पहले लापता हुए रिटायर्ड प्रिंसिपल अमरजीत सिंह का शव बरामद हुआ। शव पूरी तरह से गल चुका था। उधर, पुलिस ने अमरजीत सिंह की हत्या के संदेह में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तब मोहाली पुलिस मोरनी पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मोहाली पहुंचाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह मोहाली पुलिस मोरनी पहुंची और पंचकूला पुलिस को सूचित किया इसके बाद शव को जंगल से बाहर निकाला गया। अमरजीत सिंह गत 3 जुलाई से लापता थे। मृतक के बेटे राहुल ने पुलिस दी शिकायत में पिता की किडनैपिंग का संदेह जताया। उसके पिता 3 जुलाई को घर के बाहर कार खड़ी करने के बाद किसी अन्य व्यक्ति के साथ दिन में घर से निकले थे। लेकिन उसके बाद वह घर नहीं आए।

नौकर को पिता की कॉल आई कहा पैसे लेकर आ जाओ

पुलिस की अबतक की छानबीन में यह सामने आया है कि नौकर दुनी राम को पिता का फोन आया और कहा गया कि 35-40 लाख रुपए का जल्द इंतजाम करो और पैसे लेकर सेक्टर 88 मोहाली में आओ, उक्त पैसे किसी को देने हैं। यह जानकारी दुनी राम ने उनकी माता को फोन पर बात की। तो वह पहले तो घबरा गई, फिर उन्होंने उसे बताया। फिर उसने हिम्मत करके अपने पिता को फोन किया। पिता ने भी फोन पर आगे कहा कि 35-40 लाख रुपए का इंतजाम करके जल्दी ले आओ।

पैसों के लेनदेन के पहलू को खंगाल रही पुलिस

उधर, पुलिस पैसों के लेनदेन को लेकर भी किडनैप किए जाने और फिर अमरजीत सिंह की हत्या करने के पहलुओं को जोड़कर जांच कर रही है। बेटे राहुल का कहना था कि आज से पहले कभी भी उनके पिता ने पैसे के लेनदेन के बारे में घर में किसी से कोई बात नहीं की थी। राहुल ने पुलिस के सामने शक प्रकट किया है कि उक्त मामला अपहरण का लग रहा है और हो सकता है कि उनके पिता की रिहाई के लिए कोई पैसे की मांग कर रहा हो, और इसलिए उनके पिता से पैसे का जल्द इंतजाम करके बताई गई जगह पर लाने को कहा जा रहा है।

पुलिस दर्ज कर चुकी 3 लोगों के खिलाफ केस

इस मामले में थाना आईटी सिटी की पुलिस ने राहुल की शिकायत के आधार पर 3 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 127(6) बीएनएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने जांच की तो हम सुराग हाथ लगे। इसके बाद पुलिस ने शव बरामद किया है। पुलिस पंचकूला समेत मोहाली बॉर्डर और सिंह के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

अबकी बार पंजाब में भारी बहुमत से कमल का फूल खिलेगा: अर्जुन सिंह कांसल

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। आज गांव तारापुर माजरी न्यू चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की एक जनसभा का आयोजन गांव के सरपंच मीत सिंह द्वारा किया गया । जिसमें भाजपा के सीनियर नेता चौधरी अर्जुन सिंह कांसल को विशेषत बुलाया गया था । जब भाजपा के सीनियर नेता चौधरी अर्जुन सिंह कांसल वहां भाजपा की सभा में पहुंचे तो उनका भरवां स्वागत किया गया उनके फूल मालाएं पहनाई गई । उसके बाद भाजपा के सिनियर नेता चौधरी अर्जुन सिंह कांसल ने गांव के लोगो को उनकी समस्याओं के बारे में जब पूछा तो आम आदमी पार्टी की सरकार पर सरपंच मीत सिंह भड़कते हुए बोले कि हमारे गांव में विकास नाम का कोई भी काम नहीं हुआ । हमारे गांव ने सरपंच मीत सिंह को सर्वसम्मति से चुना है । तब भाजपा के सीनियर नेता चौधरी अर्जुन सिंह कांसल ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ने आप को पछाड़कर जीत कायम कर फतेह हासिल कर ली है और कांग्रेस को भी खाता तक नहीं खोलने दिया है।

पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ की थीम पर रेजिडेंट्स ने रोपे सैकड़ों पौधे

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। घग्गर पार बसे सेक्टरों की हरियाली हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करती है। यही भावना लिए रेजिडेंट्स ने पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ की थीम पर सोमवार को सैकड़ों पौधे रोप दिए। वार्ड नंबर 17 के पार्षद अक्षयदीप चौधरी के नेतृत्व में रेजिडेंट्स पौधरोपण को लेकर उत्सुक दिखाई दिए। अक्षय दीप ने बताया कि आज से पौधरोपण ड्राइव शुरू की गई है। मानसून सीजन में इस ड्राइव के तहत करीब 500 पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। पंचकूला के अलग अलग हिस्सों में पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर पौधा एक नया जीवन लेकर आता है। पौधों से ही मानव जीवन संभव है। इस भावना के साथ रेजिडेंट्स के सहयोग से इस ड्राइव को मजबूत बनाया जाएगा। पार्षद ने यह भी कहा कि यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाएगा तो निश्चित ही मानव जीवन स्वस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि यह ड्राइव लगातार जारी रहेगी।

डॉ. पीयूष पुंज रवींद्रनाथ टैगोर राष्ट्रीय प्राचार्य पुरस्कार से सम्मानित

अर्थ प्रकाश/ जग्गी

कालका। सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर के लिए पुनः अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर रहा, जब विद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीयूष पुंज को 5 जुलाई 2025 को पार्क प्लाज़ा, चंडीगढ़ में आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव में प्रतिष्ठित रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान उन्हें एक उपदेश मीडिया द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, शिक्षा के क्षेत्र में नए विचारों, तकनीकी सोच तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डॉ. पुंज की शिक्षा में बेहतर कार्य करने की सोच तथा भावी पीढ़ी के निर्माण में उनके योगदान को दर्शाता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष सभा का आयोजन हुआ जिसमें सभी शिक्षकों और छात्रों ने प्राचार्य को शुभकामना दी।

धनास में निकाली गई भव्य श्री जगन्नाथ यात्रा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। धनास में मंदिर कमेटी के तत्वावधान में श्री जगन्नाथ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। धनास समेत आस पास के इलाकों से कई श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में भाग लिया। धनास स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर से रविवार शाम 4 बजे यात्रा रवाना हुई। यात्रा जिस भी रास्ते से होकर गुजरी श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। यात्रा के दौरान भक्तों ने भजनों का आनंद लिया। कई हिस्सों से गुजरी यात्रा धनास में सम्पन्न हुई। मंदिर कमेटी की ओर से यात्रा के लिए विशेष प्रबंध किए थे। इस बीच महिलाओं ने भी श्री जगन्नाथ यात्रा में उत्साह दिखाया और भजनों का गुणगान किया। हर वर्ष की तरह शहर में भगवान जगन्नाथ की आयोजनों को लेकर हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी है।

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए एंटी करप्शन फाउंडेशन का प्रयास सराहनीय

विधायक कुलवंत सिंह से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

अर्थ प्रकाश/जिनेन्द्र जैन

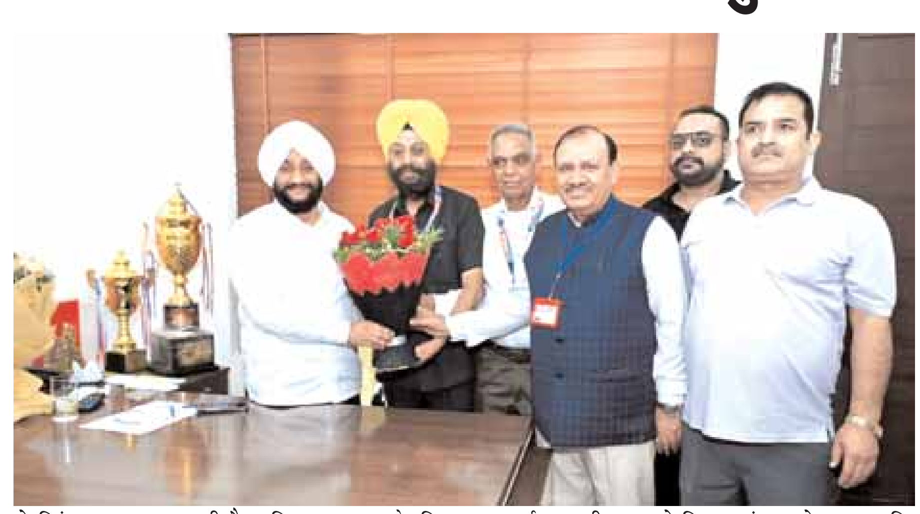

मोहाली। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की पंजाब और चंडीगढ़ इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने आज मोहाली में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मोहाली विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलवंत सिंह से उनके स्थानीय कार्यालय में मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्टेट वाइस चेयरमैन बलजिंदर सिंह ने किया। उनके साथ स्टेट चेयरपर्सन सतीश शर्मा, स्टेट मीत प्रधान किरपाल सिंह कटारिया, चीफ डायरेक्टर चंडीगढ़ यू.टी. संजीव सोनी और अजय चौधरी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने बताया कि एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विधायकों और सरकारी अधिकारियों से निरंतर मुलाकात कर रही है, ताकि समाज को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए विचार-विमर्श किया जा सके।

बलजिंदर सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम प्रशंसा के योग्य है और फाउंडेशन इस संघर्ष में सरकार का पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधायक कुलवंत सिंह ने अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए जनता को न केवल अपने अधिकारों, बल्कि कर्तव्यों की भी पूरी जानकारी होनी चाहिए।

एमसीएम में 'कला और आत्मनिर्भरता' कार्यशाला का समापन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने एनएसएस इकाइयों एवं नगर निगम, चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला 'कला और आत्मनिर्भरता' का समापन समारोह आयोजित किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य गृह विज्ञान के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना था। इसमें 18 से 52 वर्ष की आयु वर्ग के विभिन्न पृष्ठभूमियों से जुड़े प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के डिप्टी मेयर जसवीर सिंह बंटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने संबोधन में उन्होंने महिलाओं को कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने के कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि रोज़गार देने वाले बनें। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें पंजाब विश्वविद्यालय से एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक,प्रो. प्रवीन गोयल, ग्रिड (जीआरआईआईडी), चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजीत सिदाना, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एम. करुप्पासामी एवं डॉ. निहारिका शर्मा; जीएमएस एसएस 37 बी की प्रधानाचार्या सुश्री गुरबक्श कौर, एनएसएस पीओ सुश्री सीमा चौधरी; जीएमएसएसएसएस 37 डी की प्रधानाचार्या सुश्री आशा रानी एवं एनएसएस पीओ श्री सिकंदर लांबा शामिल थे।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की सचिव से चंडीगढ़ में रीजनल डॉयरेक्टर ऑफिस स्थापित करने की मांग को दोहराया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख रीजनल और रेगुलेटरी मुद्दों को लेकर चंडीगढ़ के कॉर्पोरेट भवन में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पीएचडीसीसीआई के रीजनल (पीसीएच) एनसीएलटी एवं कॉर्पोरेट मामलों की समिति के संयोजक सीएस राहुल जोगी, पीएचडीसीसीआई की क्षेत्रीय निदेशक भारती सूद और एनसीएलटी और कॉर्पोरेट मामलों की समिति की सह-संयोजक सीएस अर्शदीप कौर जज ने किया तथा इसमें कॉर्पोरेट और लीगल बिरादरी के सीनियर प्रोफेशनल्स शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी (आईएएस), कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के महानिदेशक संजय शौरी और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के रीजनल डॉयरेक्टर (नार्थ) विनोद शर्मा से मिलने का अवसर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने इन अधिकारियों के समक्ष दो प्रमुख मुद्दे उठाए जिनमें चंडीगढ़ में रीजनल डॉयरेक्टर ऑफिस स्थापित करने का अनुरोध और एमसीए वी3 कार्यान्वयन के दौरान माफी योजना के लिए अनुरोध शामिल थे। एमसीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएचडीसीसीआई की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और आश्वासन दिया कि दोनों मामलों की गंभीरता और सहानुभूतिपूर्वक समीक्षा की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों चंडीगढ़, लद्दाख और जम्मू और कश्मीर की कंपनियों, प्रोफेशनल्स और हितधारकों को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने के लिए चंडीगढ़ में एक रीजनल डॉयरेक्टर (आरडी) ऑफिस के निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया। अधिकारियों को बताया गया कि इससे विनियामक प्रतिक्रिया में तेजी आएगी, अनुपालन संबंधी बाधाएं कम होंगी तथा क्षेत्र में कारोबार करने में आसानी होगी। यह ऑफिस कंपनीज एक्ट के तहत आफेंसेज की कंपाउंडिंग, विलय व पुनर्गठन की स्वीकृति तथा न्यायनिर्णयन प्रक्रियाओं जैसे विषयों को देखेगा। इससे प्रशासनिक दक्षता में सुधार होगा और व्यावसायिक संचालन अधिक सुगम होगा। इस मांग को और अधिक बल देते हुए, पीएचडीसीसीआई ने भी इस संबंध में एक औपचारिक प्रस्तुति मंत्रालय को दी थी।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय से उन कंपनियों के लिए माफी योजना पर विचार करने का भी आग्रह किया, जिन्हें नए एमसीए वी3 पोर्टल पर परिवर्तन के दौरान वार्षिक रिटर्न और फॉर्म दाखिल करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि कई हितधारकों को वास्तविक तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण समय-सीमाएं चूक गई और अनपेक्षित रूप से अनुपालन नहीं हुआ। माफी या छूट योजना ऐसी कंपनियों को भारी जुर्माने के बिना अपने दाखिलों को नियमित करने की अनुमति देगी, जिससे स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा और विनियामक और विनियमित के बीच विश्वास का निर्माण होगा। गौरतलब है कि यह बैठक एमसीए के संयुक्त सचिव बालामुरुगन डी. (आईएएस) को 5 मई, 2025 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में प्रस्तुत किए गए ज्ञापन पर आधारित थी, जिसमें भारत के कॉर्पोरेट रेगुलेटरी ईको सिस्टम तंत्र में सुधार के लिए चैंबर की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया था।

अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में तीव्र गति, 14 को आएंगे सीएम नायब: विधायक कादियान

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। करीब 4 साल पहले जीटी रोड किनारे खेत में लल्हेड़ी गांव के एक व्यक्ति का शव संदिग्ध हालत में मिला था। अब मृतक की बहन ने विधायक देवेंद्र कादियान से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने 2 से 3 युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। विधायक कादियान ने थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी कार्यालय परिसर में विधायक ने जनता दरबार लगाया। यहां क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। करीब 300 से ज्यादा शिकायतें आईं। इनमें अधिकतर बिजली निगम से जुड़ी थीं। मौके पर एक्सईएन प्रदीप लोहरा, सिटी एसडीओ रवि खोखर और सब अर्बन एसडीओ अभिषेक मौजूद रहे। खेतों के एपी कनेक्शन, नया ट्रांसफार्मर और केबल बदलवाने जैसी समस्याएं सुनी गईं। अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया।गांव से जुड़ी समस्याओं को बीडीपीओ राजेश टिवाना ने नोट किया। कई शिकायतों का विधायक ने मौके पर ही निपटारा किया। लोगों को भरोसा दिलाया कि समाधान जल्द होगा।

विधायक कादियान ने बताया कि गन्नौर के विकास को लेकर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हाईवे किनारे बंद पड़ा बस स्टैंड कंडम घोषित हो चुका है। अब इसे गिराकर आधुनिक बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां कॉम्प्लेक्स भी बनेगा। अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी का काम तेजी से चल रहा है। 50 प्रतिशत काम पूरा होने को है। 14 जुलाई को प्रगति रिपोर्ट जानने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी का दौरा प्रस्तावित है। विधायक ने कहा कि सरकार मंडी का काम जल्द पूरा कर इसे शुरू करना चाहती है। मंडी में सभी सुविधाएं होंगी। किसानों को फल-सब्जी बेचने के लिए बड़ा प्लेटफार्म मिलेगा। रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

इस तरह आई शिकायत: छात्राओं ने गन्नौर से खानपुर कलां तक रोडवेज बस चलाने की मांग की है। सुनीता, पायल, रितू, दिव्या, ज्योति ने बताया कि उनका कॉलेज समय सुबह साढ़े 7 से दोपहर 3 बजे तक है। उन्हें एक घंटा पहले जीटी रोड गन्नौर से निकलना पड़ता है। उस समय खानपुर जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिलता। वापसी में भी परेशानी होती है। इससे छात्राओं को काफी दिक्कत हो रही है।

खेड़ी तगा गांव के लोगों ने पेयजल संकट की शिकायत की है। सुमन, सपना, भारती, इंद्रा देवी, सोनिया, अमन, संदीप, राजेंद्र ने बताया कि गांव की पानी टंकी की मोटर कई दिनों से जली हुई है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन मोटर ठीक नहीं की गई। गर्मी बढ़ने से दो मोहल्लों में पानी की भारी किल्लत हो गई है। रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं।

चटिया औलिया की प्रमिला ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाना शुरू किया है। तीसरी किस्त नहीं मिलने से निर्माण अधूरा है। प्रमिला अधिकारियों के दफ्तर के चक्कर काट रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

सोनीपत की सड़कों से खत्म होंगे गड्ढे, नगर निगम ने शुरू किया भराव अभियान, 50 लाख के टेंडर जारी

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। नगर निगम ने शहर की मुख्य सड़कों पर जानलेवा ग? भरने का अभियान शुरू कर दिया है, गड्ढे भरने के लिए 25 -25 लाख रूपये के दो टेंडर लगाए गए हैं । बरसात के दिनों में गड्ढे भरना और भी जरुरी हो जाता है क्योंकि पानी भरने के बाद गड्ढा दिखाई नहीं देता।

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने सेक्टर 15 के डी ए वी स्कूल वाली सड़क पर स्वयं खड़े होकर गड्ढे भरवाए और इससे पहले पुरखास अड्डा से खिजर मकबरे वाली सड़क तथा शनि मंदिर के पास पुल के नीचे हो चुके बड़े गड्ढ़े को भरने का काम किया गया। उन्होंने बताया कि शहर के ईस्टर्न हिस्से में एजेंसी ने काम शुरू कर दिया है और वेस्टर्न हिस्से में एजेंसी जल्द ही काम शुरू कर देगी।

राजीव जैन ने बताया कि गड़े कोल्ड बिटुमन में बजरी मिक्स करके भरवाए जा रहे हैं जिनपर पानी का कोई असर नहीं होता और बरसात में भी गड़े भरे जा सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि खराब हो चुकी ओल्ड डी सी रोड के गड़े भरने का काम अभी शुरू करवाया जायेगा और बरसात के बाद लोक निर्माण विभाग इस सड़क का दोबारा निर्माण करेगा। उन्होंने बताया कि गड़ों की सूचना सरकार के हरपथ पोर्टल या फिर 8708820033 मोबाइल नंबर पर दे सकते है तुरंत उस गड़े को भरा जायेगा। मेयर ने बताया कि सूरी पेट्रोल पंप वाली गली की विशेष मरम्मत के लिए 85 लाख रूपये का टेंडर लगाया गया है जिसमे सीवर के ऊँचे नीचे मैन होल ठीक करके सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों का दोबारा निर्माण किया जायेगा।

12 को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन: प्रचेता सिंह

> राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए 07 से 12 जुलाई तक हेल्प डेस्क लगाए जाएंगे

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण(डीएलएसए) के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष वाणी गोपाल शर्मा के नेतृत्व में 12 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर के अलावा गोहाना, गन्नौर खरखौदा न्यायिक परिसर में आपसी सहमति से कसों का निपटारा किया जाएगा।राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए 07 से 11 जुलाई तक हेल्प टेस्ट लगाए जाएंगे। जिला कोर्ट परिसर सोनीपत, बस स्टैंड सोनीपत, सिविल हॉस्पिटल सोनीपत व रेलवे स्टेशन सोनीपत में राजकंवर व साजानों पैरा लीगल वालंटियर के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए हेल्प डैक्स लगाए जाएंगे। ताकि आम जन भी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठा सके।

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय में लंबित फौजदारी समाधेय, चेक बाउंस केस (धारा 138 एक्ट के मामले), बिजली और पानी के बिल मामले, अन्य दीवानी मामले, ट्रैफिक चालान, मोटर व्हीकल दुर्घटनाग्रस्त मामलों समेत अन्य विभिन्न लंबित वर्गो के मामलों का निपटारा किया जायेगा। इसलिए जिन व्यक्तियों के केस न्यायालय में लंबित है वे संबंधित न्यायालय में जाकर अपने केसों को प्री लोक अदालत या 12 जुलाई 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में लगवाकर उनका निपटारा करवाएं और ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

लोक अदालत के विषय में अधिक जानकारी व किसी भी अन्य सहायता के लिए जिला एडीआर सेंटर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर सोनीपत या हेल्पलाइन नंबर 0130 -2220057 पर या नालसा हेल्पलाइन नंबर15100 पर संपर्क किया जा सकता है

निलामी सूचना

रा. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी कोटाहा में कंडम घोषित कमरों की खुली बोली 11 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे विद्यालय प्रांगण में की जाएगी। बोली देने वाले को 20 हजार रुपए सिक्योरिटि राशि जमा करवानी होगी। बाकी शर्ते मौके पर बता दी जाएगी।

प्रिंसिपल
रा. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
गढ़ी कोटाहा - 90533-21969

AP-2443

RESIDENT'S WELFARE ASSOCIATION-1BHK Sector 63, CHANDIGARH

This is to inform that the following members were selected, with majority votes in GBM held on 06.07.2025, for RWA1BHK Executive

1.	Smt Santosh Bansal	Vice President
2	Sh Davinder Singh	Gen Secretary
3	Sh Yogesh Tyagi	Jt. Secretary

President
RWA1BHK
9781522915

सार्वजनिक सूचना

श्री हर्षित पुत्र श्री बिजेंदर सिंह पुत्र श्री पवन सिंह जो कि बैंक ऑफ बरोदा, जी0 टी0 रोड, एस0 एफ0 सी0 टावर, समालखा, जिला पानीपत से एक निवासीय प्लाट जिसका प्रॉपर्टी आई0 डी0 न0 8AGD8P80 बारकबा 100 वर्ग गज यानी 3 मरला जो की रकबा 3 मरला शामिल खेवट न0 244, खसरा न0 43//18/35(0–3) का 1/1 भाग है जो की भापरा, तहसील समालखा, जिला पानीपत की राजस्व सम्पति में और आदर्श नगर, समालखा जो की नगर पालिका समालखा की हद में स्तिथ है को खरीदने बाबत ऋण लेना चाहती है उपरोक्त प्लाट का हाल मालिक श्री दिनेश मोहन शर्मा पुत्र श्री शिव किशोर शर्मा पुत्र श्री चन्दरभान हैं। जैसा की बताया गया है कि उपरोक्त प्लाट से संबंधित असल दस्तावेजात 1. असल बैनामा वसीका न0 3519 दिनांक 21/02/2011, 2. असल बैनामा वसीका न0 540 दिनांक 16/05/2005, 3. असल बैनामा वसीका न0 1830 दिनांक 03/03/1998 व 4. असल बैनामा वसीका न0 705 दिनांक 03/10/1991 जो कि हाल मालिक के पास थे किसी नामालूम जगह पर खो गए हैं और नहीं मिल रहे है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वितिय संस्था/सरकारी विभाग आदि ने उपरोक्त दस्तावेजात बाबत कोई ऋण, बैंक गारंटी, न्यायालय से स्टे ऑर्डर इत्यादि प्राप्त किया हो या जारी किया हो या उपरोक्त संपत्ति या दस्तावेजात के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो तुरन्त इस सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर नीचे उल्लिखित व्यक्ति को आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। 15 दिनों के बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और यह मान लिया जाएगा कि उपरोक्त संपत्ति भार से मुक्त है।

आशीष कुमार शर्मा, वकील
Off: **चैम्बर न0 22, लॉयर्स चैम्बर्स काम्प्लेक्स,जुडिशल काम्प्लेक्स, समालखा, तहसील समालखा, जिला पानीपत** 132101
मो0 9311909427

AP-2447

चुनाव सूचना

चंडीगढ़ ओसीएफ एम्प्लाइज को–ऑपरेटिव एच/बी सोसायटी लिमिटेड सी/ओ ऑर्डिनेंस केबल फैक्ट्री, प्लॉट नंबर– 183, औद्योगिक क्षेत्र, फेज 1 चंडीगढ़ का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार है:

नामांकन की तिथि: 30.07.2025 (सुबह 10.00 बजे से 11.00 बजे तक)
मतदान की तिथि: 31.07.2025 (यदि आवश्यक हो)
स्थान: जूनियर क्लब, सेक्टर 29 ए, चंडीगढ़

विस्तृत चुनाव कार्यक्रम सोसायटी के नोटिस बोर्ड पर चिपका दिया गया है/सोसाइटी के सभी सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से/साधारण डाक द्वारा वितरित किया गया है। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त चुनाव में भाग लें।

अध्यक्ष
चंडीगढ़ ओसीएफ एम्प्लाइज को–ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, यूटी चंडीगढ़।

AP-2434

सार्वजनिक सूचना

विषय: आवंटी / सह-आवंटी श्रीमति संतरो देवी पत्नी होशियार सिंह की मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित / अनिर्मित संपत्ति / प्लॉट नं. 434, सेक्टर 25, अर्बन एस्टेट, पानीपत के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। श्रीमति संतरो देवी, जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपत्ति की आवंटी / सह-आवंटी थी, की 26.01.2024 को मृत्यु हो गई है और उनकी कोई पंजीकृत व गैर पंजीकृत वसीयत नहीं है, और अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड गए हैं: 1. सुदेश पुत्री होशियार सिंह, 2. देवेन्द्र मलिक व विकास कुमार, रविंदर कुमार पुत्रान होशियार सिंह निवासी 2554, नजदीक अमर ज्योति स्कूल, पानीपत ने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते अपने पक्ष में उक्त संपत्ति के हस्तांतरण के लिए आवेदन करना चाहते हैं और देवेन्द्र मलिक के नाम पर पुन: आवंटन का अनुरोध करते हैं। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्लॉट / मकान के हस्तांतरण के खिलाफ कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी पानीपत को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण / पुन: आवंटन की अनुमति दे सकता है, और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा। **देवेन्द्र मलिक, कानूनी वारिस**

AP-2441

आईएनसी-26

कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार

क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली के समक्ष। कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में – कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4)।

–तथा–

एस्सेन इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में, जो कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत निगमित एक कंपनी है और जिसका पंजीकृत कार्यालय 713 अहाता हिमालय ट्रांसपोर्ट कालका, हरियाणा, भारत, 133302 में है।

.....याचिकाकर्ता

सूचना

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि कंपनी बुधवार, 25 जून, 2025 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के एसोसिएशन के ज्ञापन में परिवर्तन की पुष्टि के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार (क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र) को एक आवेदन करने का प्रस्ताव करती है, ताकि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को 'हरियाणा राज्य' से 'चंडीगढ़ के केंद्र शासित प्रदेश' में स्थानांतरित कर सके।

कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हितों की प्रकृति और विरोध के आधारों को बताते हुए एक हलफनामे के साथ अपनी आपत्तियों को क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली, बी–2 विंग, द्वितीय तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, द्वितीय तल, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली – 110003 को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर वितरित कर सकता है या वितरित करवा सकता है या पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकता है, साथ ही आवेदक कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय 713 अहाता हिमालय ट्रांसपोर्ट कालका, हरियाणा, भारत, 133302 या प्लॉट नंबर 78 औद्योगिक क्षेत्र, चरण 1, चंडीगढ़, 160002 में कॉर्पोरेट कार्यालय में एक प्रति भी भेज सकता है।

एस्सेन इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से एसडी/– देवी सिंह (निदेशक) डीआईएन 09633914
दिनांक– 8–7–2025

AP-2442

ਗਰੇਟਰ ਲੁਧਿਆਣਾ ਏਰਿਆ ਵਿਕਾਸ ਅਥਾਰਿਟੀ ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਪਲਾਟ ਨੰ: 2774, ਅਰਬਨ ਅਸਟੇਟ, ਸੈਕਟਰ 32ਏ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰੋਡ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੀ ਮਲਕੀਤੀ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਇਸ ਦਫਤਰ ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ: 2004 ਮਿਤੀ 16-05- 2016 ਰਾਹੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਅਲਾਟੀ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ, ਦੀ ਮਿਤੀ 19-09-2024 ਨੂੰ ਮੌਤ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ, ਹੁਣ ਅਲਾਟੀ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਾਰਿਸ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਭਜੋਤ ਸਿੰਘ, ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਲੀਨ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਅਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਹਰਲੀਨ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਸ਼ਦੀਪ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਹਲਕਾ ਸ੍ਰੀ ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗਰੇਵਾਲ (ਭੋਲਾ) ਹਲਕਾ ਪੂਰਵੀ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਕੁਰਸੀਨਾਮਾ ਅਤੇ ਅਲਾਟੀ ਦੀ ਮੌਤ ਦਾ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ, ਅਤੇ ਹੋਰ ਦਸਤਾਵੇਜ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜੋ ਕਿ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹਨ।

ਉਪਰੋਕਤ ਪਲਾਟ ਦੀ ਮਲਕੀਤੀ ਕੁਰਸੀਨਾਮਾ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਵਾਰਿਸ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਭਜੋਤ ਸਿੰਘ, ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਲੀਨ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਅਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਹਰਲੀਨ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਸ਼ਦੀਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਜੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ ਗਲਾਡਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਖੇ ਆਪਣਾ ਦਾਅਵਾ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਥੇ ਇਹ ਵੀ ਸਪਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮਿਥੀ ਮਿਤੀ ਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜ਼ਾ ਤੇ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਉਕਤ ਪਲਾਟ ਦੀ ਮਲਕੀਤੀ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਵਾਰਿਸ ਸ੍ਰੀ ਆਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਭਜੋਤ ਸਿੰਘ, ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਲੀਨ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਅਗਿਆਕਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਹਰਲੀਨ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਸ਼ਦੀਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ
ਗਲਾਡਾ ਲੁਧਿਆਣਾ।

AP-2452

ਬੇਦਖਲੀ ਨੋਟਿਸ

ਮੈਂ ਸੀਮਾ ਪਤਨੀ ਲੇਟ ਸ੍ਰੀ ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਰਾਜੀ, ਡਾਕਖਾਨਾ ਮਰਾੜਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਠਾਨਕੋਟ ਦੀ ਰਹਿਣ ਵਾਲੀ ਹਾਂ। ਮੇਰਾ ਲੜਕਾ ਅਕਸ਼ੇ ਕੁਮਾਰ ਮੇਰੇ ਕਹਿਣੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੈ। ਸੋ ਅੱਜ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਤਮਾਮ ਚੱਲ ਅਚੱਲ ਜਾਇਦਾਦ ਤੋਂ ਬੇਦਖਲ ਕਰਦੀ ਹਾਂ। ਅੱਜ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਸ ਨਾਲ ਜੋ ਵੀ ਲੈਣ ਦੇਣ ਕਰੇਗਾ ਉਹ ਖੁਦ ਜਿਮੇਵਾਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਸਬੰਧਤ ਨੋਟ ਕਰਨ।

AP-2451

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मसाना जाट्टान खंड सरस्वती नगर में खड़े 60 पेडो की खुली बोली दिनांक 16/07/2025 को प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत मसाना जाट्टान के पंचायत घर मे की जाएगी। बोली दाता को सिक्योरिटी राशि ₹10000 जमा करवानी होगी। बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।

श्याम लाल, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, सरस्वती नगर
सरपंच, प्रदीप कुमार, ग्राम पंचायत मसाना जाट्टान, 8221046018

AP-2433

सार्वजनिक सूचना

यह अधिसूचित किया जाता है कि मकान नंबर 1857, सेक्टर 13, एचएसवीपी, भिवानी श्रीमती रजनी शर्मा पत्नी श्री प्रवेश कुमार के नाम है। उनका इस सम्पति में 100 प्रतिशत हिस्सा है। श्रीमती रजनी शर्मा की मृत्यु दिनांक 27-08-2020 को हो चुकी है। उनकी कोई पंजीकृत या अपंजीकृत वसीयत नहीं है। उनके कानूनी वारीसान निम्नलिखित हैं। 1. अभिषेक शर्मा (पुत्र) 2. अंशुला (बेटी) हैं। अब उनके पुत्र अभिषेक शर्मा पुत्र स्व. प्रवेश कुमार शर्मा निवासी मकान नंबर 1648, सेक्टर 13, एचएसवीपी, भिवानी (हरियाणा)ने अन्य कानूनी वारीसान की सहमति पत्र के साथ उपरोक्त सम्पत्ति को अपने नाम हस्तांतरण हेतु हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, भिवानी कार्यालय में आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त मकान के हस्तांतरण संबंधी किसी प्रकार की कोई आपत्ती है तो वह सूचना के प्रकाशन के 30 दिन के भीतर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, भिवानी के कार्यालय में अपनी आपत्तियां दर्ज करवा सकता है। अन्यथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकारण पोलिसी के तहत उपरोक्त मकान को आवेदनकर्ता के नाम ट्रान्सफर कर दिया जाएगा। उसके बाद किसी भी प्रकार का क्लेम मान्य नहीं होगा।

कानूनी वारिसान संपदा अधिकारी, ह. श. वि. प्रा. ,भिवानी।

AP-2433

सार्वजनिक सूचना

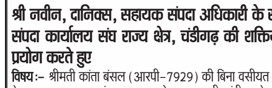

श्री नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी के समक्ष, संपदा कार्यालय संघ राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

विषय:– श्रीमती कांता बंसल (आरपी–7929) की बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर मकान संख्या 3281, सेक्टर 23–डी, चंडीगढ़ के संबंध में 50.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक स्वामित्व अधिकारों के हस्तांतरण के संबंध में।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्रीमती कांता बंसल आवासीय साइट संख्या 3281, सेक्टर 23–डी, चंडीगढ़ की 50.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक मालिक हैं।

श्री अखिलेश बंसल, श्रीमती मोनिका गर्ग, श्रीमती रेणुका बंसल ने अपने जीपीए/एसपीए श्री मनीष बंसल और श्री अमर नाथ बंसल के माध्यम से सूचित किया है कि श्रीमती कांता बंसल का निधन 29.10.2022 को हो गया है और उन्होंने मृतक मालिक के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:– (1) अमर नाथ बंसल – पति, (2) अखिलेश बंसल – पुत्र, (3) मोनिका गर्ग– पुत्री, (4) रेणुका गर्ग – पुत्री

अब, श्री अखिलेश बंसल पुत्र श्री अमर नाथ बंसल, श्रीमती मोनिका गर्ग पत्नी श्री अमित गर्ग, श्रीमती रेणुका बंसल पत्नी श्री विजय कुमार गोयल ने अपने जीपीए/एसपीए के माध्यम से श्री मनीष बंसल और श्री अमर नाथ बंसल पुत्र श्री परसाना मल ने स्वर्गीय श्रीमती कांता बंसल द्वारा धारित आवासीय साइट संख्या 3281, सेक्टर 23–डी, चंडीगढ़ (आरपी–7929) के संबंध में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की सीमा तक स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है, जो कि बिना वसीयत के मृत्यु के आधार पर उनके पक्ष में है।

यदि किसी के पास ऊपर उल्लिखित के अलावा किसी भी सहदायिक के बारे में कोई जानकारी है, तो उसे तुरंत संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ को सूचित किया जा सकता है।

यदि किसी को उक्त संपत्ति में उक्त हिस्से के उत्परिवर्तन पर कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इसे लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथ पत्र के साथ) प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते है, ऐसा न करने पर सभी सहदायिकों का अनुरोध तदनुसार स्वीकार किया जाएगा और बाद में किसी भी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-2437

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें
PH. : 0172-2638515, 98883-03520
Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

I Shikha Agarwal W/O Yatin Mittal House no 2128 sector 22-C Chandigarh has changed my name from Shikha Agarwal To Shikha Mittal

I Ram Kumar S/o Ram khilawan r/o house number 670 Kansal, Naya gaon, Dist : sas nagar (Mohali) Punjab - 160103 have changed my name from Ram Kumar to Raman Kumar
एपी-2432

मैं, रमनदीप कौर पुत्री श्री गुरचरण सिंह मान निवासी #5907 डुप्लेक्स हाउस, मॉडर्न हाउसिंग कॉम्पलेक्स मनीमाजरा सेक्टर-13, चंडीगढ़, मैंने अपना नाम रमनदीप कौर से बदलकर रमनदीप कौर मान रख लिया है।

मैं, राकेश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश मरजारा निवासी गांव बुंगा, पंचकूला हरियाणा 134204, ने अपना नाम राकेश कुमार से बदलकर राकेश कुमार मरजारा रख लिया है।

मैं, Jeet Goswami पत्नी Kamal Kishore Goswami निवासी 80, Raura Sector No 2, बिलासपुर सदर तहसील बिलासपुर हिमाचल प्रदेश-174001, ने अपना नाम बदलकर Jitender Goswami रख लिया है

मैं, मधु पत्नी श्री जीत सिंह, निवासी मकान नं.42 सेक्टर-16 पंचकूला हरियाणा 134109 ने अपना नाम मधु से बदलकर मधु बाला रख लिया है ।

मैं, शुभम पूनिया पुत्र श्री सुरिंदर सिंह, निवासी मकान नंबर 530, द्वितीय तल, सेक्टर 2, पंचकूला हरियाणा 134112 ने अपना नाम शुभम पूनिया से बदलकर शुभ सिंह रख लिया है।
एपी-2433

मैं, अंगद सिंह पुत्र श्री मोहिंदर सिंह निवासी फ्लैट नंबर 1203, 12वीं मंजिल, एचटी टॉवर, सेक्टर 79, मोहाली, (पंजाब) मैंने अपना नाम अंगद सिंह से बदलकर अंगद सिंह कुमार रख लिया है।
एपी-2436

मैं, Jishan Ali पुत्र मुंशी, निवासी मकान नंबर 13, बाजार गोटिया के पास, गांव कोला, अलहदादपुर बैहारी, शाहजहाँपुर उत्तर प्रदेश ने अपना नाम Jishan Ali से बदलकर Jeeshan रख लिया है।

मैं, विकार आलम पुत्र मो. हनीफ निवासी #122ए, द्वितीय तल, दशमेश एन्क्लेव ढकौली, एसएएस नगर ने अपने नाबालिग बेटे का नाम मो. अमान से बदलकर मो. अमान उल हक कर दिया है।

मैं, मित्तल कुमार पुत्र सुरिंदर सिंह, मकान नंबर 339/1, कमरा नंबर 3, गुरुद्वारा के पास, डडूमाजरा चंडीगढ़ ने अपना नाम मित्तल कुमार से बदलकर मितेंदर राणा रख लिया है।

मैं, सुनीता देवी पत्नी महेश चंद्र वर्मा निवासी मकान नंबर 330, स्मॉल फ्लैट्स, मलोया, चंडीगढ़ ने अपना नाम सुनीता देवी से बदलकर अनीता देवी रख लिया है।
एपी-2437

It is for general information that I, LAKSH SHARMA S/o RAVI SHARMA Residence of 358, Sector 2, Pipli (Part) (360), PO Pipli, Distt Kurukshetra, Haryana-136131 declare that name of my mother has been wrongly written as POONAM SHARMA in my 10th class and 12th Class CBSE mark sheet. The actual name of my mother is POONAM RANI respectively. Which may be amended accordingly.
एपी-2438

मैं, दक्ष आहूजा कुमार और दक्ष आहूजा पुत्र राजेश कुमार वासी मकान नं 306 फर्स्ट फ्लोर सैक्टर 15 पंचकूला एक ही व्यक्ति हूँ।

मैं, मनदीप कौर गिल पत्नी अमरजीत सिंह वासी मकान नं 113/16, Damkora रोड़, नजदीक गुरुदवारा, टोहाना, फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर मनदीप कौर रखा है।

मैं, सुंदर वर्मा, सुरेंदर कुमार Sirswa पुत्र ओम प्रकाश वासी मकान नं. 1589, वार्ड नं 10, गली नं 3, न्यू योग नगर, हिसार ने अपना नाम बदलकर सुरेंदर कुमार रखा है।

मैं, जुझार सिंह पुत्र लखबीर सिंह वासी गांव Rehan खेड़ी जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर जुझार और उपनाम सिंह रखा है।

मैं, हरबिंदर कौर पत्नी पाल सिंह वासी 3413 नजदीक ट्रक यूनियन, भुना जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर हरबिंदर कौर Dhanoa रखा है।

मैं, पाल सिंह पुत्र प्रीतम सिंह वासी 3413 नजदीक ट्रक यूनियन, भुना जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर पाल सिंह Dhanoa रखा है।

मैं, राधिका अनेजा पत्नी रोबिन कुमार वासी मकान नं. 143 जगजीवनपुरा फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर राधिका खुराना रखा है।

मैं, रोबिन कुमार पुत्र सुभाष चंद वासी मकान नं. 143 जगजीवनपुरा फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर रोबिन और उपनाम कुमार रखा है।

मैं, सुरेश कुमार पुत्र भगवान दास वासी सिटी पब्लिक स्कूल, सुंदर नगर फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर सुरेश कुमार गुलाटी रखा है।

मैं, भव्या बंसल पुत्री सौरभ बंसल वासी मकान नं.1784, सैक्टर-7 अर्बन एस्टेट करनाल ने अपना नाम बदलकर भव्या से भव्या बंसल रखा है।

मैं, Sashi Dhir पत्नी राम Paul Dhir वासी फ्लैट नं 402 टावर 2 The रॉयल रेजीडेंसी, सैक्टर 32 करनाल ने अपना नाम बदलकर Sashi Dhir से Shashi Dhir रखा है।
एपी-2439

मैं, खुशबू पत्नी सिद्धार्थ मलिक निवासी खटकड़ भवन, भगत सिंह कॉलोनी, कैनाल रोड, नरवाना, जींद, 126116, हरियाणा ने अपना नाम खुशबू से बदलकर खुशबू मलिक रख लिया है, अब मुझे 'खुशबू मलिक पत्नी श्री सिद्धार्थ मलिक' के नाम से जाना व पहचाना जाए।
एपी-2443

मैं, एल संगीता सिंघा सैन्य संख्या- 14840451A रैंक- हवलदार/एमटी नाम- एल बिनॉय सिंघा की कानूनी रूप से विवाहता पत्नी हूँ, स्थायी पता- 06, वीटीसी- धोलाई मोलाई पीटी XI, पीओ- धोलाई मलाई, उप जिला, कटलीचारा, जिला- हैलाकांडी, राज्य- असम, पिन कोड- 788161 घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम एल संगीता सिंघा से बदलकर संगीता सिंघा कर लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48AA901950,दिनांक- 07/07/2025
एपी-2446

मैं, रिंकू रानी पत्नी सुभाष चंद निवासी मकान नंबर 640/11 , गांधी नगर, ढांड रोड, कैथल (हरियाणा) अपना नाम रिंकू रानी से बदलकर रिंकू मित्तल रखती हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-2440

मैं, श्रीमती रूपिंदर कौर पत्नी श्री कर्मजीत सिंह, निवासी मकान नंबर 379, वार्ड नंबर 10, एकेएस कॉलोनी, जीरकपुर, जिला-एसएएस नगर मोहाली, पंजाब-140603 ने अपना नाम पूनम रानी से बदलकर रूपिंदर कौर कर लिया है।
एपी-2433

मैं, दिव्यांशी पुत्री सुमित चावला, मकान नं. 399, सेक्टर 38-ए, चंडीगढ़, ने अपना नाम दिव्यांशी से बदलकर दिव्यांशी चावला रख लिया है।
एपी-2448

I Harshit Joshi S/o Kishan Joshi R/o 2189, Sector - 79, Mohali Declare that I Have Changed my Name From Harshit Kumar Joshi to Harshit Joshi.
एपी-2449

मैं, रीना पत्नी अशोक कुमार, गांव बराह कलां डाकखाना खरक रामजी तहसील व जिला जीन्द की स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना नाम रीना से बदलकर रीना शर्मा रख लिया है।

मैं, अशोक पुत्र महावीर सिंह, गांव बराह कलां डाकखाना खरक रामजी तहसील व जिला जीन्द का स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना नाम अशोक से बदलकर अशोक कुमार रख लिया है।

मैं, अशोक पुत्र महावीर सिंह, गांव बराह कलां डाकखाना खरक रामजी तहसील व जिला जीन्द का स्थाई निवासी हूं। मैंने अपने नाबालिग पुत्र का नाम जयंत से बदलकर जयंत शर्मा रख लिया है।

मैं, सतबीर सिंह पुत्र भले राम, 2336 अर्बन एस्टेट तहसील व जिला जीन्द का स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना नाम सतबीर सिंह से बदलकर सत्यबीर सिंह नेहरा रख लिया है।
एपी-2433

I, SANDEEP KUMAR is legally son of No: 8035958X, Rank: Hav (CHEF). Name: DINESH CHAND residing at Vill: Tehra, PO: Tehra, Teh: Kheragarh, Dist: Agra, State Uttar Pradesh, PIN: 283124. I have changed my name from SANDIP KUMAR to SANDEEP KUMAR. Hence, the Affidavit sworn before Notary Panchkula Haryana Vide Affidavit No: 48AA 901940, dated: 07/07/2025
एपी-2446

मैं, शाश्वत पुत्र पीताम्बर चक्रपाणी निवासी वार्ड न. 08, पिहेवा तहसील पिहेवा ने अपना नाम बदलकर शाश्वत चक्रपाणी रख लिया है।
एपी-2450

I, Abhimanyu Das S/o Kamalakshya Das R/o Flat no R1 E406, 2nd floor, DLF Hyde Park, Mullanpur, New Chandigarh, Mohali Punjab-140901 have changed my name from Abhimanyu Das to Avik Das and DOB is 08.05.1986.
एपी-2435

बेदखली सूचना

मैं, राम राज पुत्र रति पाल निवासी मकान नं 305, हरमिलाप नगर, फेज-1, बलटाना, जिला एसएएस नगर मोहाली पंजाब सूचित करता हूँ कि मेरा बेटा संदीप और उसकी पत्नी किरणदीप कौर ने अपनी मर्जी से शादी करी है। इसलिए मैं इनको अपनी सभी चल और अचल संपतियों से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।

हम राम सरन पुत्र भीम सिंह और शीला पत्नी राम सरन दोनों निवासी मकान नंबर 1765, डडू माजरा कॉलोनी, सेक्टर 38 वेस्ट चंडीगढ़ सूचित करते हैं कि बेटी खुशी हमारे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए हम उसे अपनी सभी चल और अचल संपतियों से बेदखल करते हैं। उससे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-2437

मैं, रमेश पुत्र फुला राम निवासी गली नं 9, बलराज नगर, कैथल (हरियाणा) सूचित करता हूं कि मेरा पुत्र दीपक कुमार मेरे और मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में मैं व मेरा परिवार उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य व लेनदेन के जिम्मेदार नहीं होंगे।
एपी-2440

मैं, विद्या (आधार नंबर 6723 7018 7544) पत्नी सतबीर निवासी वार्ड नंबर 4 सफीदों जिला जींद अपने हल्फ से बयान करती हूं कि मेरी लड़की सीमा पत्नी महेंद्र निवासी गगसीना (करनाल) मेरे कहने सुनने से बाहर है मैं उसे अपनी तमाम चल-अचल संपति से बेदखल करती हूं। भविष्य में उनसे जो भी लेनदेन करेगा वह स्वयं जिम्मेवार होगा। जिसमें मेरे वह मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2443

हमकी इन्द्र सिंह पुत्र लहना सिंह व सतविन्द्र कौर पत्नी इन्द्र सिंह निवासी ताहरपुर कला तहसील छछरौली ज़िला यमुनानगर यह बयान करते है की हमारी लड़की देविन्द्र कौर हमारे कहने सुनने से बाहर है । इसलिए हम अपनी पुत्री देविन्द्र कौर को अपनी समस्त चल अचल संपति से बेदखल करते है ।आज के बाद हमारा या हमारे परिवार का इसके साथ कोई भी तालुक वास्ता नहीं है ,और ना ही भविष्य में होगा ।इसके साथ लेनदेन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। सभी संबंधित नोट करे।
एपी-2445

मैं, नारायण दास सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह पता - आजादनगर कालोनी समालखा, तहसील समालखा , जिला पानीपत ब्यान करता हू कि मेरी लड़की अंजना(आयु 18 वर्ष) मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इसको अपनी चल अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके साथ लेन देन व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2447

मैं, शमशेर पुत्र स्व. रघबीर सिंह निवासी गांव निजामपुर तह. गोहाना जिला सोनीपत अपने हल्फ से बयान करता हूं कि मेरी पुत्री गीता मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। आज के बाद जो भी कोई उससे लेन-देन या व्यवहार रखेगा, वह स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2433

मैं, सुमन देवी पत्नी कर्ण सिंह गाँव छपरियो तहसील इन्द्री जिला करनाल मेरा पुत्र कमल कुमार मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण मैं इसको अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करती हु , भविष्य में इसके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व लेन देन के लिए ये स्वयं जिम्मेवार होगा.

मैं, कर्म चन्द पुत्र बचना राम गाँव सरस्वती खेड़ा ,पिहोवा,कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र अश्वनी कुमार पुत्रवधू दीपा कुमारी मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण मै इनको अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हु , भविष्य में इनके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व लेन देन के लिए ये स्वयं जिम्मेवार होगे।
एपी-2450

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

अर्थ प्रकाश समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभांवित करें

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

पाकिस्तान झूठ बोलने का कारखाना है, हमेशा यह युद्ध में गलत प्रचार करते हैं: विज

राहुल गांधी कांग्रेस शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं

हार्ट सेंटर में मरीज को बाहर की दवाएं लिखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि पाकिस्तान झूठ बोलने का कारखाना है, हमेशा युद्ध में इन्होंने गलत प्रचार किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी बोलने वालों को थप्पड़ मारना और दुकानें तोडना विरोध नहीं तो और क्या है?। इधर, विज ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि राहुल गांधी कांग्रेस शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस कारगिल युद्ध में पाकिस्तान ने अपने सैनिक शेरखां को पहचानने और उसके शव को लेने से भी इंकार कर दिया। अब यह उसे श्रद्धांजलि दे रहे हैं, इसका मतलब है कि पाकिस्तान ने तब झूठ बोला और आज पाकिस्तान श्रद्धांजलि दे रहा हैं जिसका साफ मतलब है कि वह उनका आदमी था और पाकिस्तान के कहने पर ही उसने कारगिल में घुसने का दुस्साहस किया। वहीं, पाक परस्त आतंकियों द्वारा पहलगाम में हमले व आप्रेशन सिंदूर के सवाल के जवाब पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले अलग-अलग देशों में डेलीगेशन भेजा और उसके बाद कई देशों में दौरा कर सच्चाई बताई। आज ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का संकल्प दोहराया और पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा किए गए कत्लेआम की निंदा भी की।

संजय राउत ने कहा कि हम हिंदी का विरोध नहीं हिंदी थोपे जाने का विरोध करते है, पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिंदी बोलने वालों को यह (ठाकरे बंधु के लोग) थप्पड़ मारते हैं उनकी दुकानें तोड रहे हैं व निकल जाने को कह रहे हैं, तो फिर यह क्या है। श्री विज ने सवाल करते हुए पूछा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी बोलते है, हमारी भगवद गीताजी संस्कृत व कुरान अरबी में लिखा है, इसका मतलब महाराष्ट्र में गीता और कुरान पड़ने पर ये लोग पाबंदी लगाएंगे व मंदिर और मस्जिदों को बंद करवाएंगे। उन्होंने कहा कि भाषा का विरोध करने वाले देश के संघीय ढांचे का विरोध कर रहे है। जो हिंदी का विरोध कर रहे हैं वह हिंदुस्तान का विरोध कर रहा है जबकि हिंदी हिंदुस्तान की राष्ट्रीय भाषा है।

बिहार में खेमका हत्या मामले राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणी पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी अपने शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं, वह बस भाजपा शासित प्रदेश को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित प्रदेशों में भी क्राइम की खबरें आती है वे उस पर क्यों नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार इस हत्या मामले में कार्रवाई कर रही है।

अंबाला के सिविल अस्पताल के हार्ट केयर में डाक्टर द्वारा बाहर की दवाएं लिखने के मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्होंने इस मामले में क?ा संज्ञान लिया है और उन्होंने हार्ट सेंटर अधिकारी व पीएमओ को कहा है कि यह किसी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कोई भी मरीज हार्ट सेंटर में एडमिट होता है उसका सिविल अस्पताल का कार्ड जरूर बनाया जाना चाहिए। उसका फायदा यह है कि स्टंट डालने व आप्रेशन के बाद मरीज को लंबे समय से सिविल अस्पताल से निशुल्क दवाएं मिल सकेंगी।

वहीं, आज ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अंबाला में अपने सदर बाजार टी प्वाइंट पर अपनी मित्र मंडली के साथ गीत गुनगुनाया ÷ स्में वादे प्यार वफा सब, बाते हैं बातों का क्या।

गरीब, एससी, ओबीसी व किसानों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है बीजेपी : हुड्डा

अर्थ प्रकाश/ सुकरमपाल

चंडीगढ़/रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी में हुई फीस बढ़ोतरी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एकदम से एलएलबी समेत कई कोर्स की फीस डेढ़ गुना तक बढ़ा दी है। यानी अब गरीब, एससी, ओबीसी और किसान परिवारों के बच्चों का यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना मुश्किल हो जाएगा। इससे स्पष्ट है कि भाजपा तय नीति के तहत इन वर्गों को उच्च स्तरीय शिक्षा से वंचित रखना चाहती है। इसीलिए लगातार विश्वविद्यालयों की फीस में बढ़ोतरी की जा रही है। बीए-एलएलबी की पिछले साल तक फीस 49800 थी, जिसे अब बढ़ाकर सीधे 75000 कर दिया गया। इसी तरह बीए फार्मेसी, फिजियोथैरेपी, बीटेक आदि सभी कोर्सेज की फीस बढ़ाई गई है। पिछले साल भी कई कोर्सिज की फीस में इसी तरह इजाफा किया गया था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने बाकायदा लेटर जारी करके विश्वविद्यालयों को फंड देने से इनकार किया था। साथ ही सरकार ने कहा था कि विश्वविद्यालय अपने कोर्सेज को महंगा करके, अपना खर्चा खुद निकलें। उस वक्त विपक्ष के दबाव में सरकार ने लेटर तो वापस ले लिया। लेकिन लगता है कि नीति वापस नहीं ली और सरकार आज भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही है। इसीलिए सरकारी विश्वविद्यालय में प्राइवेट संस्थानों की तरह महंगी फीस वसूली शुरू कर दी गई है।

हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल में के दौरान प्रदेश में एक भी बड़ी यूनिवर्सिटी नहीं बनाई। जबकि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान एक केंद्रीय विश्वविद्यालय (महेंद्रगढ़), 12 नई सरकारी विश्वविद्यालय, 154 नए पॉलिटेक्निक कॉलेज, 56 नए आईटीआई, 4 नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोले गए थे। साथ ही राजीव गांधी एजुकेशन सोसाइटी सोनीपत में बनवाई, जिसमें कई विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटी व शिक्षण संस्थान बने हैं। लेकिन बीजेपी सरकार ने 11 साल में एक भी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बड़ा विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक, आईटीआई या इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं खोला। एक तरफ बीजेपी द्वारा लगातार सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है और दूसरी तरफ, विश्वविद्यालयों की फीस बढ़ाई जा रही है। स्पष्ट है कि भाजपा पूरे शिक्षा तंत्र को निजी हाथों में सौंपना चाहती है। ताकि एक बड़ा तबका शिक्षा से वंचित रह जाए।

न्यूज ब्रीफ

श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर भव्य आयोजन होगा

कुरुक्षेत्र (अर्पण वधवा)। हरवर्ष की भांति इस बार भी मारकंडा नदी के तट पर श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर ठसका मीरां जी में गुरु पूर्णिमा पर भव्य कार्यक्रम आयोजन होगा। अखिल भारतीय श्री मारकंडेश्वर जनसेवा ट्रस्ट के

अध्यक्ष महंत जगन्नाथ पुरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में गुरु को बहुत महत्व दिया गया है। सच्चे गुरु को तो भगवान से भी ब?ा माना गया है। गुरु ही मानव को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाते हैं और भगवान तक पहुंचने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर 10 जुलाई को भव्य गुरु सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसकी सभी तैयारियां कर ली गई हैं। इस कार्यक्रम में दूर दूर से श्रद्धालु पहुंचेंगे। गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम के लिए टीमों का गठन कर स्वामी पृथ्वी पुरी, स्वामी रामनाथ पुरी एवं कीर्तन भजन मंडली के सदस्यों की जिम्मेदारी लगाई गई है। महंत जगन्नाथ पुरी ने कहा कि गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन। इन्हीं की प्रेरणा से आत्मा चैतन्यमय बनती है। इस अवसर पर स्वामी संतोषानंद, स्वामी नित्य महाराज, बिल्लू पुजारी, आकाश पुरी, सुरेंद्र सिंह,राजेंद्र सैनी व मनोज कुमार इत्यादि भी मौजूद रहे।

जग ज्योति दरबार में सावन में होगी विशेष शिव आराधना व रुद्राभिषेक

कुरुक्षेत्र (राजकुमार वालिया)। जग ज्योति दरबार इस बार पूरा सावन महीना शिव भक्ति से सराबोर होगा। दरबार में सावन का महीना पूरी तरह

भगवान शिव को समर्पित होगा। जग ज्योति दरबार के महंत राजेंद्र पूरी ने बताया कि सावन में दरबार में भगवान शिव भक्तों के लिए विशेष आयोजन होंगे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु संत महापुरुषों के सान्निध्य में भगवान शिव की पूजा, अभिषेक और शिव भजन-कीर्तन में भाग लेंगे। इस तरह से सावन महीने में पूरा दरबार शिव भक्ति में डूबा रहेगा। यह महीना भगवान शिव को समर्पित है और माना जाता है कि इस महीने में भगवान शिव पृथ्वी पर आते हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि जग ज्योति दरबार में 10 जुलाई से 10 अगस्त तक पूरा सावन महीना विशेष सावन शिव आराधना के साथ रुद्राभिषेक भी होगा। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अनुष्ठान के उपरांत सावन पूजन प्रारम्भ हो जाएगा। सावन पूजन के लिए दरबार के सेवक श्रद्धा भाव के साथ तैयारियां कर रहे हैं। सावन पूजन में अनेक संत महापुरुषों का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। शिव भक्त इस सावन महीने में कठोर तपस्या के साथ आराधना करते हैं। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि सावन का महीना जिसे श्रावण भी कहा जाता है, यह विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित होता है। यह भगवान शिव को अति प्रिय है। सावन सावन के महीने में भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष रूप से पूजा-आराधना करने का महत्व होता है, जिसमें व्रत, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप और कांवड़ यात्राएं निकाली जाती हैं। इस दौरान भगवान शिव सृष्टि का संचालन संभालते हैं। इस कारण से सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-आराधना करने का महत्व होता है। इस अवसर पर दरबार में दादरी से इन्दु,सोनू,रामपाल, अमरजीत कड़ामी, जगीर सिंह, विनोद सैनी, धर्मबीर,अक्षय कुमार, पार्वती, उर्मिला, मयंक गुप्ता, हर्षिता बंसल, विशेष बंसल, सुजान सिंह, दर्शन लाल, गीतिका रस्तोगी, मंजूषा, नेहा, कृष, अजय राठी व विजय राठी इत्यादि भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह ने किसान सावन राम को दी शुभकामनाएं

कुरुक्षेत्र (अमित)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत 78 वर्षीय

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह का किसानों से दशकों का संबंध है। पिछले 5 दशकों से डा. सिंह किसानों की लगातार सेवा कर रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी किसानों से आज भी सुख दुख सांझा करते हैं और किसानों को हर आधुनिक तकनीक से अवगत करवाते हैं। यही कारण है कि कुरुक्षेत्र के किसान अपने जीवन और घर की खुशियों को डा. सीबी सिंह के साथ मिलकर मनाते हैं। ऐसा ही कुछ कुरुक्षेत्र के 90 वर्षीय प्रगतिशील किसान सावन राम ने किया। किसान सावन राम ने अपना जन्मदिन डा. सिंह के साथ मनाया। डा. सिंह ने भी किसान सावन राम को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ जीवन एवं लम्बी उम्र की कामना की। इस मौके पर उनके बेटे अमीर चंद भी मौजूद थे। कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह ने किसान सावन राम को उपहार स्वरूप भगवान श्री राम चंद्र की प्रतिमा भेंट की।

नौ जुलाई की देशव्यापी मजदूर कर्मचारी हड़ताल में शामिल हों: कमला

कैथल (ओम प्रकाश)। आंगनवाड़ी कर्मी नेत्री कमला दयौरा ने 9 जुलाई

को होने वाली देशव्यापी मजदूर, कर्मचारी हड़ताल में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि यह हड़ताल मजदूरों और कर्मचारियों की बुनियादी मांगों को लेकर है और इसके तहत हरियाणा की आंगनवाड़ी कर्मी भी दिल्ली में संसद मार्च कर रही हैं। कमला ने कहा कि आंगनवाड़ी कर्मियों की वर्षों से चली आ रही मांगों को लगातार अनसुना किया जा रहा है। उनकी प्रमुख मांगों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाये, उन्हें नियमित किया जाये और श्रम कानूनों के दायरे में लाया जाये, मानदेय में तत्काल प्रभाव से बढ़ोतरी की जाये और ग्रेड 3 व 4 कर्मचारियों के समान वेतन दिया जाये, सेवानिवृत्त आंगनवाड़ी कर्मियों को रिटायरमेंट सुविधाएं और ग्रेच्युटी दी जाये, देशभर में आंगनवाड़ी कर्मियों की रिटायरमेंट आयु सीमा 65 वर्ष की जाये। उन्होंने सभी आंगनवाड़ी कर्मियों, महिलाओं, जन संगठनों और जनपक्षधर ताकतों से अपील की कि वे 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल में भाग लें और अपने अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती दें। इस अवसर पर मंजीत, कृष्णा, शीला आदि उनके साथ थीं।

तीन हजार की रिश्वत लेते हुए रोडवेज चालक रंगेहाथों गिरफ्तार

प्रशिक्षु चालकों को फेल करने का डर दिखा कर लेता था रिश्वत

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल। एंटी करप्शन ब्यूरो कैथल की टीम ने नए बस स्टैंड पर बने चालक प्रशिक्षण केंद्र से एक चालक को तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी चालक मूल रूप से खरकड़ा गांव का निवासी है और वह बस स्टैंड पर बने हैवी ड्राइविंग लाइसेंस का प्रशिक्षण केंद्र पर कार्यरत है। इस मामले में चालक के सोमवार सुबह के समय ही कलायत के बात्ता गांव निवासी अंकुश ने चालक पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। फिर दोपहर के समय एसीबी ने इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर बस स्टैंड पर दबिश दी। इस दौरान उसे रिश्वत लेते हुए मौके पर ही दबोच लिया। वहीं शिकायतकर्ता अंकुश ने एक और चालक जोरा सिंह पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। अंकुश ने बताया कि डोहर गांव निवासी चालक जोरा सिंह भी इस चालक के साथ रिश्वत मांग रहा था, लेकिन वह सोमवार को मुरथल में एक ट्रेनिंग में गया हुआ था। इसके चलते उसने हाकम सिंह को ही रिश्वत देने के लिए कहा। अंकुश ने यह भी आरोप लगाया कि उसने एक अंडर ट्रेनिंग चालक से टेस्ट में पास कराने की एवज में तीन हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। अकुंश ने बताया कि इस समय वह कैथल रोडवेज के हेवी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल में 45 दिन के चालक का प्रशिक्षण ले रहा है और उसे प्रशिक्षण शुरू ए हुए अभी 15 दिन ही हुए थे। इस दौरान उसे प्रशिक्षण दे रहे चालक हाकम सिंह ने उसे यह कहकर डराया कि अगर उसने तीन हजार रुपये नहीं दिए तो उसे टेस्ट में फेल कर दिया जाएगा। इसके साथ ही उसकी गैर हाजिरी भी लगा देगा। अंकुश ने बताया कि गैर हाजिरी लगाने पर 1780 का जुर्माना लगता है। प्रशिक्षण लेने की फीस ही 3540 रुपये है, लेकिन आरोपी चालक ने तीन हजार रुपये की रिश्वत की मांग की।

हाकम सिंह पिछले 23 वर्षों से रोडवेज में बतौर चालक तैनात है। एसीबी ने बताया कि जोरा सिंह की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है और जरूरत पडने् पर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

एसीबी के इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि बात्ता निवासी अंकुश की शिकायत मिलने के बाद आरोपी चालक को गिरफ्तार करने के लिए टीम का गठन किया गया था। इसके बाद दोपहर करीब चार बजे बस स्टैंड पर बने प्रशिक्षण केंद्र में दबिश दी गई। इस दौरान चालक को तीन हजार रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। अब आरोपी का मेडिकल करवा मंगलवार सुबह के समय उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

भाईचारा क्रांतिकारी सेवा समिति ने किया पौधारोपण

अर्थ प्रकाश/दिनकर गावड़ी

हांसी। भाईचारा क्रांतिकारी सेवा समिति द्वारा सोमवार को देवशयनी एकादशी के अवसर पर हरियाणा गौशाला हांसी के प्रांगण में शुगर फ्री व अन्य औषधीय पौधे लगाकर पौधा रोपण अभियान चलाया गया, हासी सिटी थाना प्रभारी सदानंद द्वारा अपने हाथों से पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। थाना शहर प्रभारी सदानंद ने कहा कि पूरे शहर को पौधे लगाकर हरा भरा बनाएंगे व प्रत्येक घर में हर सदस्य को अपने जीवन में काम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उन्होंने गौ माता व उनकी सेवा के महत्व पर भी प्रकाश डाला, समिति प्रधान देवेंद्र मेहता ने बताया कि शहर के सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के सहयोग से आज का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और मेहता ने समिति की तरफ से आए हुए सभी महानुभावों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर पंडित कमल किशोर शास्त्री ने दिन देवशयनी एकादशी के महत्व से सभी को अवगत करवाया। इस अवसर पर सर्व व्यापार मंडल के प्रधान बजरंग बंसल, हरियाणा गौशाला के सदस्य मिथुन बंसल ,समाजसेवी मोनू जिंदल, आर्य समाज प्रधान सतपाल मलिक, सब्जी मंडी के प्रधान अनिल चावला, पूर्व प्रधान नरेश रखेजा, लायंस क्लब प्रधान दीपक मित्तल, व प्रवीण जांगड़ा सहित काफी संख्या गणमान्य उपस्थित रहे।

जिम्मेदारों की अनदेखी से अनाजमंडी में खुलेआम उड़ रहीं स्वच्छता अभियान की धज्जियां

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा। स्वच्छ भारत अभियान के तहत केंद्र व राज्य सरकार लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ा रही है। यहाँ तक हरियाणा सरकार करो?ो रूपये जागरूकता अभियान या विज्ञापन आदि पर खर्च कर रही हैं। यहां तक की कुछ जिम्मेदार तो कागजों में ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त) घोषित कराने का दावा भी कर रहें हैं। पर कई जगह कुछ जिम्मेदार ही इसे बोना साबित कर सरकार की किरकरी कराने में लगे हुए हैं। इन सबके बीच शहर की मौजूदा तस्वीर कुछ और ही बयां करती नजर आ रही है। हल्के में ग्रामीण क्षेत्र तो दूर शहर की अनाज मंडी में स्वच्छता के मानकों को दरकिनार कर अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दरअसल, अधिकारियो के गैर जिम्मेदाराना रवियें के कारण अनाज मंडी समालखा में शेड के निचे बाहरी (अज्ञात लोग) परिवारों का बसेरा है। अनाज मंडी समालखा के शैड घुमंतू जाति, लोडे जाती, मजदूर तबके आदि से भरे पड़े हैं। इन परिवारों का कोई अता-पता नहीं है। इसके बारे में न तो पुलिस विभाग के पास कोई पुख्ता जानकारी हैं और न ही नगर पालिका के पास कोई रिकॉर्ड हैं। फिर भीअनाज मंडी में नजायज कब्जा कर बेखौफ रह रहें हैं। जिससे स्थानीय रहवासियों में अनाज मंडी सहित शहर के अन्य इलाकों में किसी भी अपराधीक घटना होने की संभावना लगातार बनी रहती है। अनाजमंडी सहित सुबह शैर के लिए पहुंचने वाले लोगों का आरोप है कि मना करने के बाद भी किस की शय पर ये परिवार यहां रह रहें हैं। ऐसे में ये सब परिवार अनाज मंडी के खुले क्षेत्र सहित गोदामों में खुले में शौच करते हैं। सुबह बोतल उठाकर महिलाओं सहित बच्चों व युवाओं को यहां खुले में शौच करते हुए देखा जा सकता हैं। प्रशासनिक स्तर पर अनाज मंडी में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने व खुले में शौच जा रहे लोगों को प्रतिबंधित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा हैं। जिससे आमजन में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष हैं।

मार्केट कमेटी सचिव सविता जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बाहरी लोग अवैध रूप से अनाज मंडी में रह रहे हैं। इनको लेकर बार-बार उच्च अधिकारियों और पुलिस प्रशासन को लिखित और मौखिक शिकायत दी जा चुकी है। पुलिस प्रशासन की सहायता से कई बार इनको अनाज मंडी से बाहर खदेड़ा गया है। बावजूद इसके ये वापस आकर रहने लग जाते हैं। खुले में सोच न करने को लेकर इन्हें जागरूक किया जाएगा और अवमानना करने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल मिलाई जाएगी।

समाधान शिविर में एसडीएम शिवजीत भारती ने सुनीं आमजन की समस्याएं, विभागों को दिए त्वरित निवारण के निर्देश

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़। उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम शिवजीत भारती ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का समाधान शिविर लगाने का उद्देश्य ही यही है कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान कर सकें।

एसडीएम ने कहा कि सरकार की यह पहल समाधान शिविर आमजन को राहत देने के लिए चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में उपस्थित अधिकारी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें और जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव न हो, उनकी प्रगति रिपोर्ट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करें समाधान शिविर के दौरान वृद्धावस्था पेंशन, पानी की निकासी, साफ-सफाई, अवैध कब्जा हटवाने जैसी कई समस्याएं सामने आई।शिविर में छ्ऱ समस्याएं आई जिनमें गांव पतरेहड़ी के ऋषिपाल ने पानी की निकासी की समस्या बताई। इस पर एसडीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारी को समाधान करने के निर्देश दिए। गांव पंजेटों के वृद्ध काका सिंह ने वृद्धावस्था पेंशन को लेकर अपनी परेशानी बताई। एसडीएम शिवजीत भारती ने इस मामले पर तुरंत संज्ञान में लेते हुए समाज कल्याण विभाग के उच्चाधिकारी को फोन कर कहा कि काका सिंह की समस्या का प्राथमिकता पर हल किया जाए और पेंशन जारी करने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए।

नारायणगढ़ वार्ड 1 के योगेश कुमार ने पानी निकासी की समस्या उठाई, वार्ड 12 के अजय कुमार नें सफाई व्यवस्था की खामियों पर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि गली-कूचों से कूड़ा उठान नियमित रूप से नहीं होता है और सड?ों पर गंदगी फैली रहती है, जिससे लोगों को बीमारियों का खतरा है। वार्ड 14 के पार्षद प्रतिनिधि नरेन्द्र पराशर ने टेलिफोन एक्सचेंज के पास मार्किट कमेटी के ग्राउंड में कूड़ा-कर्कट गिराने से सम्बंधित समस्या रखी। एसडीएम ने नगरपालिका अधिकारी को इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कर रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

अनुसूचित जाति के बेरोजगारों के लिए मत्स्य पालन विभाग द्वारा दिया जा रहा है विशेष अनुदान : सुशील सारवान

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए वेलफेयर ऑफ शैड्यूल कास्ट फैमिली अंडर फिशरीज सेक्टर स्पेशल कॉम्पोनेंट योजना के अंतर्गत अनुदान के रूप मे वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसमें अनुसूचित जाति के व्यक्ति को मछली पालन के लिए पंचायती तालाब पट्ट्टे पर लेने के लिये प्रथम वर्ष पट्टा राशि पर पचास हजार रुपये प्रति हैक्टेयर अथवा पट्टे की वास्तविक राशि का 50 प्रतिशत का अनुदान प्रदान किया जाता है। वहीं द्वितीय एवं आगामी वर्षों की पट्टा राशि पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 40,000 /- रूपये प्रति हैक्टेयर अधिसूचित पानियों में से मछली पकडने् के लिये ठेकेदारों को स्वीकृत बोली का 50 प्रतिशत अथवा 5,00,000/- रू0 अधिकतम सीमा तक रेहड़ी (स्टोव / गैस, चूल्हा, बर्तन आदि सहित) पर 60,000/- रूपये की रेहड़ी खरीद पर 60 प्रतिशत या अधिकतम राशि 36,000/- रूपये प्रति लाभार्थी, खाद-खुराक पर कुल लागत रूपये 1,50,000/- हैक्टेयर का 60 प्रतिशत या धनराशि 90,000/- हैक्टेयर जो भी कम हो, मछली पालन हेतू 40,000/-रू के जाल खरीद पर 60 प्रतिशत या धनराशि 24,000/- रूपये का प्रति लाभार्थी, जो भी कम हो, अनुदान दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन्टसिंव स्कीम के अंतर्गत विभाग द्वारा तालाब सुधार, खाद-खुराक, रेहड़ी व जाल खरीदने के साथ-साथ मत्स्य पालन के लिए सोलर सिस्टम लगाने पर 40 से 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। राज्य स्तर पर मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन की विभिन्न गतिविधियों पर मत्स्य पालकों को अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत मीठे पानी के मत्स्य पालन के लिए नया तालाब बनाने व खाद-खुराक पर अधिकतम खर्च 11 लाख, खारे पानी मछली पालन के लिए नया तालाब बनाने व खाद-खुराक पर अधिकतम खर्च 14 लाख पर 40 प्रतिशत सामान्य वर्ग व 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति व महिलाओं के लिए अनुदान दिया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की अन्य गतिविधियां जैसे कॉल्ड स्टोर, फिड मील, रेफ्रिजेरेटेड व्हीकल मोटर साईकिल व आईस बॉक्स, साईकिल व आईस बॉक्स बायोफ्लोक व आरएएस इकाई की स्थापना इत्यादि पर भी 40 प्रतिशत सामान्य वर्ग व 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति व महिलाओं के लिए अनुदान की व्यवस्था की गई है। मत्स्य पालक भली प्रकार मछली पालन का कार्य कर सके इसके लिये विभाग द्वारा मत्स्य पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। राज्य की स्कीम अनुसार लाभार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष हरियाणा राज्य का स्थाई निवासी, बेरोजगार व सरकारी संस्था से मत्स्य पालन में प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। किसी भी मद मे लाभ प्राप्ति हेतु आवेदन सरल पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है।

विनोद कौशिक ने संभाला जिला शिक्षा अधिकारी का कार्यभार

अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र। नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कुरुक्षेत्र में कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन (हसला), कुरुक्षेत्र की ओर से जिला प्रधान डॉ. तरसेम कौशिक एवं चैयरमैन श्री सतबीर कौशिक के नेतृत्व में उनका अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन कुरुक्षेत्र के जिला प्रधान डॉ. तरसेम कौशिक ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी का स्वागत करते हुए कहा कि हसला हमेशा शिक्षक हितों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के लक्ष्यों की पूर्ति में भी तत्परता से सहयोग करता रहा है। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी बसंत ढिल्लो, उप मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक, डॉ. सुनील कौशिक, संजय कौशिक, राम मेहर, विजेंदर शर्मा, राजेश सैनी, लक्ष्मी प्रसाद, राजकपूर, अली शेर, रविदत्त, रवींद्र कुमार, अध्यापक संघ से वीरेंद्र सिंह, उमाकांत वालिया, ऋतु गुप्ता, संजीव शर्मा, प्रवीण शर्मा, संदीप चंदेल, तनुपमा शर्मा, गौतम दत्त, केतकी राणा, अनिल गुप्ता, मुकेश शर्मा, पीतांबर दत्त व अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत की लगभग 4 हजार किलोमीटर की पदयात्रा परिसम्पन कर मुनिश्री सुधारक कुमारजी पहुंचे चंडीगढ़

मुनिश्री सुधारक जी मिलनसार व्यक्तित्व के संत: मुनिश्री विनय कुमार जी

चंडीगढ़। दक्षिण भारत की लगभग 4000 हजार किलोमीटर की पदयात्रा परिसम्पनन कर मुनिश्री सुधारक कुमार जी आज चंडीगढ सैक्टर-24सी अणुव्रत भवन तुलसी सभागर मे पधारे। मुनिश्री सुधारक जी पिछले 5 वर्षो से वे दक्षिण भारत मे थे पुन वे उत्तर भारत मे उनका आना हुआ, मुनिश्री बडे मिलनसार व्यक्तितव के संत है, प्रवचन चतुर मिलसारिता गुणो से युक्त है। उनके साथ आज नरेश मुनि का भी चंडीगढ आगमन मे हुआ। इस अवसर पर तेरापंथी सभा ने दोनों मुनिजनों का सम्मान किया।

इस अवसर पर श्री विजय गोयल व श्री मंयक अपने विचारो की अभिव्यक्ति दी। इस अवसर पर मुनि सुधारक जी ने कहा मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक हमारे धर्मसंघ के वरिष्ठतम संत है। आपश्री की साधना एवं शक्ति की आराधना अद्भुत है। आपका सदैव वात्सल्य मुझे प्राप्त हुआ है। आपश्री के दर्शन की आशा आज पूर्ण हुई। मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक ने इस अवसर पर कहा मुनिश्री सुधारक जी सामान्यत, मिलनसारिता व्यक्तित्व के धनी है। वे सदा सत्य, प्रेम, और करुणा के मार्ग पर चलते हैं और उनका जीवन दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है विनम्रता, सहनशीलता, और सेवाभाव उनके मुख्य गुण हैं।

मनीषीसंत ने आगे कहा संत चलते-फिरते तीर्थ हैं। 'संत मिलन सम सुख जग नाहीं'- कहते हुए उन्होने कहा कि संत संग दुर्लभ ओर अमोघ है। संत तो स्वयं सत्संग होता है। जिस प्रकार दाहकता अग्नि का स्वाभाविक गुण है, उसी प्रकार संत-सान्निध्य प्राप्त होने से शीतलता, सुख, शांति, समृद्धि विनम्रता और सच्जनता बिना प्रयास किए ही आती है। संतत्व से देवत्व के गुण आते हैं, वहीं असंतत्व से खलत्व आता है, जो पतनोन्मुखी, अशांतिदायक और विपत्तियों को बढ़ाने वाला होता है। असंत स्वभावतः कृतघ्न होता है, क्योंकि वह जिस सीढ़ी से ऊपर पहुंचता है उसे ही ठोकर मारकर नीचे गिरा देता है। जैसे कुल्हाड़ी से चंदन काटने पर कुल्हाड़ी भी चंदन की सुगंध से सुवासित हो जाती है, वैसे ही संत अपने परिवेश को गुलाब की सुगंध से सदैव सुवासित करता रहता है। वस्तुतः संत समाज द्वारा सर्वत्र और सदैव वंदनीय नमनीय और अभिनंदनीय होता है।

आचार्य भिक्षु जी के 300वें जन्मोत्सव का विशाल कार्यक्रम आज

हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी होगे मुख्य अतिथि

आचार्यश्री महाश्रमण जी की आज्ञानुवर्ती मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमारजीआलोक, मुनि श्री सुधाकर कुमार जी के सानिध्य में आचार्य भिक्षु जी के 300वें जन्मोत्सव का विशाल कार्यक्रम सैक्टर-24सी अणुव्रत ग्राउंड मे 8 जुलाई दिन मंगलवार सुबह 10.30 बजे होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होगें। इसके अलावा विशिष्ट अतिथियों मे श्री हरविंदर सिंह कल्याण, अध्यक्ष हरियाणा विधानसभा, श्री अमन अरोड़ा अध्यक्ष आम आदमी पार्टी व इसके अलावा जिंदा शहीद श्री मनजिंदर सिंह बिट्टा चेयरमैन, अखिल भारतीय आतंकवाद निरोधक मोर्चा व श्री संजय टंडन, भाजपा हिमाचल प्रभारी होगें। कायक्रम को लेकर पंजाब, हरियाणा के अलावा ट्राईसिटी के श्रावक श्राविकाओं मे खुशी की लहर देखी जा रही है। आचार्य भिक्षु जी के 300वें जन्मोत्सव को लेकर ट्राईसिटी में एक अलग ही खुशी का माहौल है।

श्रावण मास, भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है: धर्मगुरु पं.परमानन्द नौटियाल

यह मास श्रद्धा, भक्ति, तप और शिवाराधना का अनुपम काल है। इस मास में किया गया जप, तप, व्रत, रुद्राभिषेक व शिव पुराण का श्रवण अक्षय पुण्य देने वाला कहा गया है.। 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक रहेगा। इस दौरान, सावन के चार सोमवार पड़ेंगे। 14 जुलाई, 21 जुलाई, 28 जुलाई और 4 अगस्त। सावन शिवरात्रि 23 जुलाई को मनाई। ,सौर मास संक्रांति 16,जुलाई से 15अगस्त श्रावण रहेगा.।

स्कंदपुराण में आता है –

'श्रावणे कृते स्नाने, दाने जप्ये च पार्वति।
तत्फलं शतगुणं विद्याद् अन्ये मासे कृतं नृणाम॥'
(स्कंद पुराण, उत्तर खंड)

शिव कहते हैं- हे पार्वती! श्रावण मास में स्नान, दान, जप आदि का फल अन्य महीनों की तुलना में सौ गुना अधिक होता है।

शिवपुराण में उल्लेख है –

'श्रावणे मासि यः कुर्याच्छिवस्य प्रतिमासने।
अभिषेकं च संप्राप्य स याति परमां गतिम॥'

अर्थ- श्रावण मास में जो भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक करता है, वह मोक्ष को प्राप्त करता है।

श्रावण मास में क्या करें?

1. भगवान शिव का जल, दुग्ध, बिल्वपत्र, धतूरा, शमीपत्र से अभिषेक करें।
2. ॐ नमः शिवाय मंत्र का अधिकाधिक जप करें।
3. सोमवार व्रत करें – विशेषकर 4 या 5 सोमवार का व्रत अति पुण्यदायक होता है।
4. शिव पुराण, रुद्राष्टाध्यायी, शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें।
5. ब्रह्मचर्य, संयम और सात्विकता का पालन करें।
6. यज्ञ, रुद्राभिषेक और रुद्राष्टाध्यायी पाठ करवाएं।

श्रावण मास में क्या न करें?

मद्य, मांस, तामसिक भोजन का सेवन न करें।
झूठ, क्रोध, वाणी में कटुता और छल-कपट से बचें।
बाल कटवाना, शेविंग, नाखून काटना भी वर्जित माना गया है (विशेषतः सोमवार को)।

शिव पुराण का श्रवण और पाठ की महिमा

शिवपुराण को स्वयं भगवान शिव का वाङ्मय रूप माना गया है। इसका श्रवण, पाठ व कथा मुक्तिदायक, दोषनाशक तथा शिव साक्षात्कार के द्वार खोलने वाला है।

शिवपुराण में कहा गया है-
शिवपुराणश्रवणेन सर्वपापक्षयो भवेत्।
जन्मकोटिसमं पापं तत्क्षणेन विनश्यति॥

अर्थ- जो श्रद्धा से शिव पुराण का श्रवण करता है, उसका करोड़ों जन्मों का पाप उसी क्षण नष्ट हो जाता है।

प्राचीन शिव शक्ति मंदिर 28- बिजली कॉलोनी चंडीगढ़ में शिव महापुराण का आयोजन 26 जुलाई से 3 अगस्त तक हो रहा है.। महारुद्र यज्ञ पार्थिव शिवलिंग का पूजन महा रुद्राभिषेक नित्य होगा। यज्ञ में यजमान बनकर कथा श्रवणकर अपने जीवन को धन्य बनाएं. आचार्य परमानन्द नौटियाल.।

करोड़ों रुपए हर वर्ष खर्च करने के बाद भी टोहाना शहर की सिवरेज व सफाई व्यवस्था चरमराई

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना। टोहाना शहर में नगर परिषद व पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट हर वर्ष करोड़ों रुपए शहर की साफ सफाई में सिवरेज व्यवस्था पर खर्च करता है फिर भी शहर में हर जगह कूड़े करकट के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। और नाले में नालियां गंदगी से अटे पड़े हैं। नाले व नालियां बंद होने के कारण बदबू मारती हुई वह महामारी फैलने का न्योता देती हुई दिखाई दे रही हैं। टोहाना नगर परिषद व पब्लिक हेल्थ के अधिकारी हर वर्ष करोड़ों रुपए सिर्फ कागजों में ही साफ सफाई व सिवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च करते दिखाई देते हैं। यह सब अधिकारी जिले में बैठे भी सभी अधिकारियों की एक ही साठ गांठ से हर वर्ष करोड़ों रुपए हरियाणा सरकार के ठेकेदारों से मिलकर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं और अधिकारी काम के नाम पर सत्ता पक्ष के राजनेताओं की जी हजूरी कर वहां वाही लूटने का ढोंग रचाते हुआ दिखाई देते है।

सिर्फ मौसम की एक हल्की सी बरसात इनके द्वारा किए गए करोड़ों रूपों के विकास कार्य की पोल खोल कर रख देती है छोटी सी हुई बरसात में तीन-तीन फीट पानी रोड पर खड़ा हुआ दिखाई देता है और जनता यह सब कुछ सोच कर ठगी सी महसूस कर रही है कि टोहाना में हर कोई पार्टी के राजनेताओं को लोगों ने आजमा कर देख लिया सभी ने हर बार अंबेडकर चौक, मिलन चौक, चंडीगढ़ रोड, रामनगर में विकास के नाम पर करोड़ों रुपए भ्रष्टाचार से कमाने का काम किया है कोई भी विभाग के अधिकारी लोगों को सफाई व्यवस्था व सिवरेज व्यवस्था में सुधार करने में कामयाब नहीं हो सके। साफ सफाई का ठेका करोड़ों रुपए में होने के बाद भी लोग दूषित वातावरण में जीने को मजबूर हैं। टोहाना विधायक व प्रशासन और नगर परिषद के अधिकारियों का टोहाना में साफ सफाई , सिवरेज व्यवस्था ,अतिक्रमण पर ध्यान न होने से लोगों में भारी रोष है। इसका खामियाजा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी फतेहाबाद जिले की सब सीटें हार कर पहले भी चुका चुकी है जनता में विश्वास पैदा कर आगे नतीजे सुधार भी सकती है यदि अधिकारी भ्रष्टाचार की नीति छोड़कर सरकार की नीतियों पर चलें।

महापुरुष तो सबको दिल से प्यार करते हैं

महापुरुष तो सबको दिल से प्यार करते हैं। उनका प्रेम शरीर की भावना से नहीं निरंकार (आत्मतत्व) की भावना से होता है। ऐसी ही भक्ति हमेशा से महापुरुषों-भक्तों ने की है। उन्होंने इस प्रभु-परमात्मा के साथ हृदय से प्रेम किया, लोगों को दिखाने के लिए नहीं किया और न ही सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति के लिए इस प्रभु की प्राप्ति की है। क्योंकि वे जानते हैं कि भक्ति के द्वारा ही सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति नहीं होती। ये तो उनको भी प्राप्त हो जाती हैं जो डाके डालते हैं, चोरियाँ करते हैं, बुरे काम करते हैं। उनके पास शायद दौलत ज्यादा हो, धन-सम्पत्ति ज्यादा हो-

सुत दारा और लक्ष्मी, पापी के भी होए। सन्त समागम हरि कथा, तुलसी दुर्लभ दोय।

जो पापी हैं, बुरे काम करने वाले हैं, उनको भी ये वस्तुएँ प्राप्त हो जाती है, लेकिन दुर्लभ वस्तु सन्त समागम है। महापुरुषों की संगति ही दुर्लभ है।

महात्मा कभी भी भौतिक पदार्थों का सहारा नहीं लेते। इनका यथोचित उपयोग करते हुए भी वे प्यार परमात्मा से ही करते हैं। महापुरुषों-सन्तों का एक यही निराकार परमात्मा ही आसरा हुआ करता है। यह एक ऐसा नाम का दारु (दवा) है जो हम सब के रोगों को दूर कर देता है, इन रोगों से मुक्त कर देता है-

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

ओं सतिगुर प्रसादि, हरि को नामु सदा सुखदाई।
जा कउ सिमरि अजामलु उधरिओ मन कोहू गति पाई।

यह नाम अमृत हमेशा के लिए सुख देने वाला है। दुनिया की जितनी भी चीजें हैं वो हमेंशा एकरस नहीं रहा करती और इन चीजों का असर भी बदल जाया करता है। इनका उपयोग एक समय पर तो सुखदायी होता है, और एक समय पर इसी चीज का उपयोग दुखदायी बन जाता है। हम जानते हैं कि दूध इस शरीर को ताकत देता है। लेकिन अगर किसी को दस्त लगे हुए हों तो डॉक्टर हमेशा मना करता है। कहता है कि दस्त हैं, आप थोड़े दिन दूध मत पिओ।

दुनिया के पदार्थों के अलग-अलग इस्तेमाल, अलग-अलग उसके असर हैं।

पंचांग

मंगलवार, 8 जुलाई, 2025, सूर्योदयः 05:30 ए एम, सूर्यास्तः 07:23 पी एम, चन्द्रोदयः 05:33 पी एम, चन्द्रास्तः 03:39 ए एम, जुलाई 09, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः आषाढ़, पूर्णिमान्त महीनाः आषाढ़, वारः मंगलवार, पक्षः शुक्ल पक्ष, तिथिः त्रयोदशी - 12:38 ए एम, जुलाई 09 तक, नक्षत्रः ज्येष्ठा - 03:15 ए एम, जुलाई 09 तक, योगः शुक्ल - 10:17 पी एम तक, करणः कौलव - 11:57 ए एम तक, द्वितीय करणः तैतिल - 12:38 ए एम, जुलाई 09 तक, सूर्य राशिः मिथुन, चन्द्र राशिः वृश्चिक - 03:15 ए एम, जुलाई 09 तक, राहुकालः 03:54 पी एम से 05:38 पी एम, गुलिक कालः 12:26 पी एम से 02:10 पी एम, यमगण्डः 08:58 ए एम से 10:42 ए एम, अभिजित मुहूर्तः 11:58 ए एम से 12:54 पी एम, दुर्मुहूर्तः 08:16 ए एम से 09:12 ए एम, दुर्मुहूर्तः 11:26 पी एम से 12:06 ए एम, जुलाई 09, अमृत कालः 05:42 पी एम से 07:26 पी एम, वर्ज्यः 07:16 ए एम से 09:01 ए एम।

भविष्य फल

मेषः आज लेखकों और कालाकारों के लिए समय अनुकूल हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन पढ़ाई में मन लगाने का हैं।

वृषः आज आप अपनी कोशिशों को सही दिशा देंगे और आपको असाधारण कामयाबी से नवाजा जाएगा। व्यवसायिक लाभ के भी योग बन रहे हैं।

मिथुनः जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को ?ाबू में रखें। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इजाफा होगा।

कर्कः आज आप घर पर संतुष्टि भरा दिन बिताएंगे। साथ ही घर वालों का भरपूर प्यार आज आपको देखने को मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाऐंगे।

सिंहः आज बातचीत और लेंन-देंन के लिए समय अच्छा हैं। उधार दिया धन वसूल होगा। नौकरी में पद, प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा।

कन्याः मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है।

तुलाः आज का दिन आपके लिए खुशियों की बौछार लेकर आया हैं। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व दे जो आपके लिए ज्यादा महत्तवपूर्ण है।

वृश्चिकः आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। प्रगति निश्चित है। आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो।

धनुः भले ही आप उत्साह से लबरेज हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे। आज सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत है।

मकरः आज आपकी नम्रता और समाझदारी आपके रिश्ते में आई खटास को दूर करेंगी। आज आपके द्वारा कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभः आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुंचाएंगे। ऋणभार में वृद्धि होगी।

मीनः सेहत अच्छी रहेगी। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। गलत बातों को गलत वक्त पर कहने से बचें।

एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा ने शुरू किया अपना भारत दौरा

चंडीगढ़। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने आज गुरूग्राम स्थित अपने मुख्यालय से एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडशो का उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नारबीर सिंह ने किया। एसएसआई मंत्रा एम सर्जिकल रोबोट यात्रा के साथ भारत ने हेल्थकेयर में एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है, जिसके तहत पहली मोबाइल रोबोटिक सर्जरी ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट का अनावरण भी किया गया। यह आधुनिक 'टेलीसर्जरी-ऑन-व्हील्स' पहल आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी एवं कौशल निर्माण के अवसरों को सीधे देश के अस्पतालों और हेल्थकेयर पेशेवरों तक लेकर आई है। स्वदेश में विकसित यह युनिट रियल-टाईम कोलाबोरेशन को सक्षम बनाती है तथा एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के आधुनिक फीचर्स एवं क्षमताओं का प्रदर्शन करती है। लाईव सिमुलेशन्स, इंटरैक्टिव ट्रेनिंग मोड्यूल्स एवं गाइडेड डेमो के जरिए यह सर्जन, मेडिकल के छात्रों एवं हेल्थकेयर पेशेवरों को प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करती है। यह पहल भारत में रोबोटिक सर्जरी के बारे में जागरुकता और स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है- खासतौर पर आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी को टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में अधिक सुलभ बनाएगा।

अमेजन प्राइम डे के साथ नए लॉन्च, साल के सबसे बेहतरीन डील्स सबसे तेज डिलीवरी स्पीड का आनंद

शिमला। अमेजन इंडिया अपने सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है,जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए आयोजित किया जा रहा है।12 जुलाई की मध्यरात्रि 12 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक,72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग के लिए तैयार हो जाइए,जहां मिलेगा सबसे बड़ा कलेक्शन,400 से अधिक प्रमुख भारतीय और वैश्विक ब्रांड्स, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण, फैशन, ब्यूटी, होम व किचन, किराना, रोजमर्रा की जरूरतों और अन्य श्रेणियों में नए लॉन्च और बेहतरीन डील्स सबसे तेज डिलीवरी, बेमिसाल डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट। प्राइम, डिलिवरीज और रिटर्न्स, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स के डायरेक्टर अक्षय साही ने कहा,प्राइम डे हमारे ग्राहकों के लिए एक उत्सव है,और इस साल हम इसे अब तक से भी बड़े स्तर पर मना रहे हैं, 72 घंटों की शॉपिंग, बेहतरीन बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के साथ।हजारों डील्स के साथ,प्राइम डे देशभर के प्राइम सदस्यों के लिए अमेज़न का सबसे अच्छा अनुभव लाएगा।ग्राहक अब 'रुफस' का भी इस्तेमाल कर सकते हैं हमारा जनरेटिव एआई संचालित शॉपिंग असिस्टेंट,जो खरीदारी की प्रक्रिया को आसान बनाता है।

भारतीय किसान संघ ने डीसी कैथल को सौंपा ज्ञापन, धान खरीद व्यवस्था को लेकर उठाई मांगें

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

कैथल। भारतीय किसान संघ, जिला कैथल की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसके बाद संघ के पदाधिकारियों ने जिला उपायुक्त प्रीति को ज्ञापन सौंपकर धान खरीद प्रणाली में सुधार की मांग की। संगठन के जिला अध्यक्ष जगदीश खुराना ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि हर वर्ष अक्टूबर माह में राइस मिलर्स हड़ताल पर चले जाते हैं, जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों को मंडियों में अपनी फसल बेचने के लिए भटकना पड़ता है और उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि इन हालातों को देखते हुए हरियाणा सरकार को चाहिए कि वह नए राइस मिलर्स को लाइसेंस जारी करे और बंद पड़े पुराने मिलों को पुनः शुरू करवाए। इससे किसानों को समय पर भुगतान मिलेगा और डिस्टेंस घोटाले जैसी घटनाओं पर भी रोक लगेगी।

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि प्रदेश में कुछ जगहों पर सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से गलत ढंग से ए.डी. (असाइनमेंट डीलर) बनाकर धान का उठान कराया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। भारतीय किसान संघ ने इस प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि तहसील स्तर पर खाने-पीने की वस्तुओं के लिए उचित मूल्य दुकानों पर सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संघ के प्रदेश प्रवक्ता रणदीप आर्य फरल ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इन मांगों पर जल्द अमल नहीं हुआ तो किसानों के हित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने डीसी कैथल को नसीहत देते हुए कहा कि किसानों के फोन क्यों नहीं उठाए जा रहे। आरोप लगाते हुए किसान नेता रणदीप आर्य ने कहा कि नौकरशाह अपने आपको राजा समझने लगे हैं, परंतु वे इसकी शिकायत सीएम नायब सैनी के पास करेंगें। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से भारतीय किसान संघ के संभाग संगठन मंत्री विजय गौड़, प्रदेश मंत्री सतीश कुमार ग्योंग, जिला मंत्री पालाराम क्यो?क, श्रीराम मोहना उपाध्यक्ष कैथल, युवा जिलाध्यक्ष जसविंद्र सिरटा, शीशपाल म्योली, कृष्ण कुमार करोड़ा, दीपक वालिया, जसवंत रसूलपुर, कृष्ण करोड़ा, गुलतान नैन, शीशपाल खुराना, कप्तान सिंह राणा, बलबीर सिंह ग्योंग, सूरजभान ग्योंग आदि किसान उपस्थित रहे।

सत्संग में सुख का संदेश: पानीपत में पूज्य अरुणचन्द्र मुनि जी का मंगल चातुर्मास प्रवेश

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत। आज के दौर में जब भौतिकता की चकाचौंध ने मानव मन को अपनी ओर आकर्षित कर लिया है, ऐसे समय में समाज के सामने एक अत्यंत विचारणीय प्रश्न खड़ा है 'स्वार्थ के लिए मानों क्या-क्या कर जाते हैं, स्वार्थ के लिए क्या-क्या जाल बिछाते हैं?' इन्हीं गूढ़ भावों को छूते हुए, पूज्य गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र जी मुनि महाराज ने अपने मधुर प्रवचनों में समाज को गहराई से झकझोरने वाला संदेश दिया। उन्होंने कहा स्वार्थ का यह जाल न केवल व्यक्ति की आत्मा को घायल करता है, बल्कि समाज की बुनियाद को भी खोखला कर देता है।

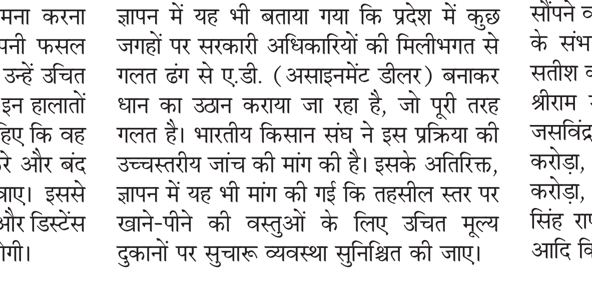

गुरुदेव ने आगे मार्गदर्शन देते हुए फरमाया कि जो व्यक्ति सच्चे मार्ग पर चलता है, संतों के संग में बैठता है, उसके जीवन में आत्मिक शांति, सच्चा सुख और सकारात्मक परिवर्तन आता है। आज समाज को आवश्यकता है कि वह सत्संग की शरण में आए – और स्वार्थ से ऊपर उठकर धर्म, करुणा और सच्चे आचरण की ओर अग्रसर हो। इस पावन मार्गदर्शन का साक्षी बना 6 जुलाई 2025 का शुभ दिन, जब परम पूज्य, परम श्रद्धेय, संघ शास्ता, शासन प्रभावक पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शन लाल जी महाराज के सुशिष्य, युवा प्रेरक, योगिराज, आगम ज्ञाता पूज्य श्री अरुणचन्द्र जी मुनि महाराज, एवं उनके तपस्वी शिष्यगण श्री अभिषेक मुनि जी महाराज, श्री अभिनंदन मुनि जी महाराज, श्री अमृत मुनि जी महाराज, ने पानीपत अग्रवाल मंडी स्थित जैन स्थानक (ठाणे-4) में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया।

यह शुभ क्षण नगर के लिए एक ऐतिहासिक और पुण्यदायी अनुभव बन गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जनों ने भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति का अनुभव किया। अब प्रतिदिन प्रातः 8:15 से 9:30 बजे तक पावन प्रवचनों की श्रृंखला का आयोजन हो रहा है, और आगामी 10 जुलाई 2025 से चातुर्मास विधिवत रूप से आरंभ होगा। चातुर्मास वह पावन समय होता है जब पूरे भारतवर्ष में विराजमान सभी जैन संत एक ही स्थान पर ठहरते हैं और तप, त्याग, संयम व उपदेशों की अमूल्य वर्षा करते हैं। यह चातुर्मास पानीपत के लिए एक दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर है जिसका लाभ सभी धर्म प्रेमीजन श्रद्धा और भावनापूर्वक अवश्य उठाएं।

नवीन जिंदल शूटिंग रेंज के छात्रों की शानदार उपलब्धि: 8 छात्र प्री-नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए चयनित

अर्थ प्रकाश/शंकर लाल

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा की नवीन जिंदल शूटिंग रेंज के छात्रों ने हरियाणा राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से 10 जुलाई 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। जिसमें स्कूल के 10 छात्रों ने भाग लिया। इन में से 8 छात्रों का चयन प्री-नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल स्कूल के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के अध्यक्ष पवन गर्ग ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि उन्होंने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने भी छात्रों को दिल से बधाई दी और कहा कि यह सफलता छात्रों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

डीएलएसए की सचिव नीतिका भारद्वाज ने किया बाबा बंसीवाला वृद्ध आश्रम का दौरा

अर्थ प्रकाश/शंकर लाल

लाडवा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसीवाला वृद्ध आश्रम लाड़वा का दौरा किया। वहां पर उन्होंने बुजुर्गो से बातचीत की और उनकी समस्याएं भी जानी। इसके बाद उन्होंने उनके कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया।

ब्रिक्स देशों का आतंकवाद पर सख्त रुख, पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रियो डी जेनेरियो/नयी दिल्ली। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सभी तरह के आतंकवाद से सख्ती से निपटने की प्रतिबद्धता जतायी है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है। ब्रिक्स देशों के 17 वें शिखर सम्मेलन में रविवार देर रात यहां जारी संयुक्त घोषणा पत्र में सभी सदस्य देशों ने आतंकवादी कृत्यों की जोरदार शब्दों में कड़ी निंदा की और वैश्विक संस्थाओं को समय की जरूरत के अनुसार अधिक समावेशी बनाने पर जोर देते हुए सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

घोषणा पत्र में सदस्य देशों की ओर से कहा गया है, हम आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और लोगों के बीच सहयोग के तीन स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत करने और शांति, अधिक प्रतिनिधित्व, निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, एक पुनर्जीवित और सुधार पर आधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से लोगों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं। उन्होंने वर्ष 2026 में भारत को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपे जाने और भारत में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया।

सदस्य देशों ने आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए कहा दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने की वचनबद्धता प्रकट की। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वह किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, जब भी, जहाँ भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। हम 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हम आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

ब्रिक्स देशों ने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि हम दोहराते हैं कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियों और उनके समर्थन में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। हम आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित करने और आतंकवाद का मुकाबला करने में दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने का आग्रह करते हैं। उन्होंने सभी देशों से आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुपालन में मदद करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ÷ हम आतंकवाद से निपटने में देशों की प्राथमिक जिम्मेदारी पर जोर देते हैं और आतंकवादी खतरों को रोकने और उनका मुकाबला करने के वैश्विक प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए, जिसमें संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, विशेष रूप से इसके उद्देश्य और सिद्धांत, और प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रोटोकॉल, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून, जैसा भी लागू हो। हम ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी कार्य समूह और ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी रणनीति, ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी कार्य योजना और स्थिति पत्र पर आधारित इसके पांच उपसमूहों की गतिविधियों का स्वागत करते हैं। ब्रिक्स देशों के घोषणा पत्र में बहुपक्षवाद को मजबूत करने और वैश्विक शासन में सुधार करने पर जोर देते हुए कहा गया ,÷ हम व्यापक परामर्श, संयुक्त योगदान और साझा लाभों की भावना में एक अधिक न्यायसंगत, समतापूर्ण, चुस्त, प्रभावी, कुशल, उत्तरदायी, प्रतिनिधित्व, वैध, लोकतांत्रिक , जवाबदेह अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रणाली को बढ़ावा देकर वैश्विक शासन में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संबंध में हम भविष्य के शिखर सम्मेलन में भविष्य की संधि को अपनाने पर ध्यान देते हैं, जिसमें वैश्विक डिजिटल कॉम्पैक्ट और भविष्य की पीढ़ियों की घोषणा शामिल हैं।

सदस्य देशों ने आतंकवाद रोधी सहयोग को मजबूत करने पर दिया जोर

सदस्य देशों ने आतंकवाद रोधी सहयोग को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि हम आतंकवाद विरोधी सहयोग को और गहरा करने की आशा करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने और अपनाने का आह्वान करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित सभी आतंकवादियों और आतंकवादी संस्थाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान करते हैं। ब्रिक्स देशों ने जलवायु वित्त पर रूपरेखा घोषणापत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ब्रिक्स नेताओं के वक्तव्य को अपनाने के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वे सामाजिक रूप से निर्धारित रोगों के उन्मूलन के लिए ब्रिक्स साझेदारी के शुभारंभ का समर्थन करते हैं। यह पहल वैश्विक मुद्दों के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयासों को दर्शाती हैं। सदस्य देशों ने ब्रिक्स सदस्य के रूप में इंडोनेशिया का स्वागत किया और कहा कि वे बेलारूस , बोलिविया, कजाकिस्तान, क्यूबा , नाइजीरिया , मलेशिया, थाईलैंड , वियतनाम , युगांडा और उज्बेकिस्तान का ब्रिक्स भागीदार देशों के रूप में स्वागत करते हैं।

स्वच्छता सरकार व समाज की साझा जिम्मेदारी : विपुल गोयल

विकास की नई उड़ान भर रहा है फरीदाबाद : राजेश नगर

स्वच्छता का संदेश: जैसे घर, वैसे शहर भी रखें स्वच्छ: मेयर प्रवीण जोशी

अर्थ प्रकाश/ दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नागरिकों को जागरूक करने के लिए आज सेक्टर 15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर और महापौर प्रवीण जोशी उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ की शपथ के साथ की गई।

हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि स्वच्छता को लेकर देश में चल रहे प्रयासों ने आज एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले लिया है। एक समय था जब स्वच्छता पर सार्वजनिक मंचों से चर्चा नहीं होती थी, लेकिन वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छता का आह्वान कर पूरे देश को एक नई दिशा दी। आज, वर्ष 2025 में यही आह्वान ÷स्वच्छ भारत÷ अभियान का आधार बन चुका है, और यह आंदोलन केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला सामाजिक संकल्प बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷स्वस्थ भारत÷ के सपने को साकार करने के उद्देश्य से शुरू किए गए ÷सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ÷ अभियान के अंतर्गत देश और प्रदेश भर में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह अभियान प्रदेश के कोने-कोने में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का यह स्पष्ट मत है कि जब तक हर व्यक्ति अपने घर, गली, मोहल्ले और आसपास की सफाई को अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक ÷स्वच्छ भारत÷ और ÷स्वस्थ भारत÷ का सपना अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि ÷स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब हम अपने घर को साफ रखते हैं, तो उसी भावना से अपने आस-पड़ोस को भी स्वच्छ रखना चाहिए। तभी हमारा प्रदेश और देश स्वस्थ और सशक्त बन पाएगा।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने नागरिकों से स्वच्छता के प्रति सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया है। उन्होंने आमजन से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम 100 घंटे और प्रत्येक सप्ताह 2 घंटे का श्रमदान स्वेच्छा से करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने घर व कार्यालय की 100 मीटर की परिधि में स्वच्छता का संकल्प ले ले तो पूरे शहर की तस्वीर बदल सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता, सहभागिता और स्वेच्छा से किया गया श्रमदान ही असली राष्ट्र सेवा है।

खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि फरीदाबाद शहर आज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है और राज्य के प्रमुख औद्योगिक व शहरी केंद्र के रूप में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। बिजली, सड़क, जल आपूर्ति और परिवहन जैसे क्षेत्रों में किए गए निवेश और योजनाओं के कारण फरीदाबाद का कायाकल्प होता दिख रहा है। विशेष रूप से मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी से फरीदाबाद को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। यह हाईवे न केवल दिल्ली-मुंबई के बीच तेज़ यात्रा का मार्ग प्रदान करेगा, बल्कि फरीदाबाद को राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क में और भी बेहतर ढंग से जोड़ेगा, जिससे व्यापार, उद्योग और आवागमन में अत्यधिक सुविधा होगी। मेयर प्रवीण जोशी ने इस दौरान लोगों को यह संदेश दिया गया कि ÷जैसे हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं कि उसमें गंदगी न आए, उसी प्रकार हमें अपने शहर को भी स्वच्छ रखना है।÷ इस बात पर बल दिया गया कि सफाई केवल सरकारी तंत्र की नहीं बल्कि समाज के हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जिससे हम बीमारियों से बच सकते हैं और एक स्वस्थ समाज की स्थापना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हर नागरिक यह संकल्प ले कि जैसे अपने घर को साफ रखते हैं वैसे ही सार्वजनिक स्थलों की सफाई में भी योगदान देंगे, तो ÷स्वच्छ भारत÷ का सपना जल्दी साकार हो सकता है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में हरियाणा सरकार के स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल, गोयल, खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर और महापौर प्रवीण जोशी ने सफाई कर्मियों को पीपीई किट वितरित की और साथ ही स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए सफाई वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एक पौधा अपनी मां के नाम पर जरूर लगाएः गुर्जर

कलायत (कपिल देव रोहिल्ला)। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि भारत भूमि को हरा भरा बनाने के लिए भाजपा के हर स्तर पर प्रयास जारी हैं। इसके तहत केंद्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर एक पौधा मां के नाम अभियान को गति दी जा रही है। यह मिशन पर्यावरण के रूप में धरती के श्रृंगार का काम करेगा। वे सोमवार को कलायत अनाज मंडी में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत बतौर मुख्य अतिथि लोगों से रूबरू थे। इस दौरान ठंडे पानी की छबिल की भांति मां दुर्गा मंदिर के पास पौधा वितरण स्टाल लगाया गया। स्टाल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों ने पौधे लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प किया। अशोक गुर्जर ने कहा कि भाजपा ऐसी पहली पार्टी है जिसने देश-प्रदेश में पर्यावरण को लेकर इस प्रकार का अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और वरिष्ठ-कनिष्ठ पदाधिकारी-कार्यकर्ता सभी वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर पौधा रोपण अभियान को सफलता के मुकाम तक पहुंचाने में लगे हैं। गुर्जर ने कहा कि यह अभियान मातृशक्ति को समर्पित है। हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम पर जरूर लगाना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जयदीप राणा, अजय प्रताप राणा, प्रमोद कांसल, राहुल राणा, गौरव शर्मा, प्रवीण कुमार, किसान, व्यापारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

पृथला क्षेत्र में 26 गावों की सडक़ों का होगा नव-निर्माण : रघुबीर तेवतिया

अर्थ प्रकाश/ दयाराम वशिष्ठ

पलवल। पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक रघुबीर तेवतिया ने कहा है कि पृथला क्षेत्र का समुचित और सर्वांगीण विकास ही उनकी पहली प्राथमिक्ता रही है। इसके लिए उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को हर स्तर पर उठाया है, जिसके सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा-सत्रों में उन्होंने पृथला क्षेत्र की बदहाल सडकों का मुद्दा हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री के समक्ष उठाया था जिसके बाद सरकार ने उनकी मागों को जायज मानते हुए पृथला क्षेत्र की विभिन्न 26 गावों की सडक़ों को पास कर टेंडर आमंत्रित कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि उक्त 26 गावों की सभी सडकों के निर्माण कार्य की कुल लंबाई 69.64 किलोमीटर होगी जिसपर 5370. 49 लाख रूपये की अनुमानित लागत आएगी। उन्होंने कहा कि उक्त सडकों के निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा ठेकेदार द्वारा प्रयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री का वह ग्रामीणों के साथ समय-समय पर स्वयं भी निरीक्षण करते रहें। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों से भी उच्च क्वालिटी की निर्माझा समग्री लगाने की अपील की है।

विधायक रघुबीर तेवतिया ने बताया कि पृथला क्षेत्र के आल्हापुर से कलवाका, लिंक रोड से घाघोट, जनौली से नंगला लक्खी सिंह, बघौला से जनौली, लिंक रोड से जल्हाका व लिंक रोड हरफली की सडके निर्माण कार्य को पास किया गया है। इनके अलावा अटाली से मोहना, लिंक रोड से प्रहलादपुर, लदियापुर, छांयसा से प्राचीन मंदिर छांयसा, मोहना बस स्टेंड से मोहना, मोहला से भनकपुर, कबूलपुर से भनकपुर, छांयसा से नरियाला, बल्लभगढ़ समयपुर-सारमथला रोड, लिंक रोड गडखेडा व अटाली से गडखेडा सडक निर्माण को भी मंजूरी मिल गई है। विधायक रघुबीर तेवतिया ने बताया कि उपरोक्त सडकों के अलावा लिंक रोड से पैन्टून ब्रिज तक, मोहना से अटेरना, लिंक रोड से मोहना विश्राम गृह, कौराली से बुखारपुर, फतेहपुर बिल्लोच से लढौली, लिंक रोड से ककडीपुर, लिंक रोड से ककडीपुर, लिंक रोड से सोतई से भटपुरा, नरियाला से नरहावली वाया अहमदपुर व लिंक रोड से सरूरपुर सडक निर्माण कार्य को भी मंजूरी मिल गई है।

विधायक रघुबीर तेवतिया ने कहा कि उपरोक्त सभी सडकों के निर्माण के उपरांत पृथला क्षेत्र में आवागमन सुगम हो जाएगा जिससे क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगों को आश्वास्त किया कि भले ही वह विपक्ष के विधायक हैं लेकिन क्षेत्र को विकास की दृष्टि से पीछे नहीं रहने देंगे और पृथला क्षेत्र की जनहित से जुडी हर समस्या को वह विधानसभा में बलुंद आवाज में उठाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अथर्व फाउंडेशन ने शहीद जवानों की बेटियों को भेंट किए आईपैड

चंडीगढ़ (अप्रस)। अथर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील राणे ने जम्मू-कश्मीर के शहीद जवानों की बेटियों को डिजिटल शिक्षा के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक पहल के तहत शहीद जवानों की बेटियों को आईपैड वितरित किए गए। अथर्व फाउंडेशन ने इस अभियान के तहत देशभर के विभिन्न राज्यों में अब तक शहीद सैनिकों की बेटियों को 450 से अधिक लैपटॉप/आईपैड वितरित किए हैं। यह पहल शहीद जवानों के बलिदान का सम्मान करते हुए उनके परिवारों, विशेष रूप से बेटियों को, उज्वल भविष्य बनाने के लिए शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के अथर्व फाउंडेशन की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस मौके पर सुनील राणे जो अथर्व युनिव्हर्सिटी, मुंबई के संस्थापक भी है, ने अथर्व युनिव्हर्सिटी मुंबई में प्रत्येक शाखाओं में शहीदों की बेटियों को तथा जम्मू कश्मीर और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति की भी घोषणा की।

मात-पिता गौधाम महातीर्थ में मासिक भंडारा आयोजित

मोहाली (अप्रस)। मात पिता गौधाम महातीर्थ में 164 वे भंडारे में कई राज्यों से पधारे गौ भक्तों ने भजन गायक सिद्धार्थ भैया जी के भजनों से मंत्र मुग्ध होकर गौमाताओं का आशीर्वाद लिया। गौरव तलव है कि मात-पिता गौधाम महातीर्थ में बन रहे विश्व के प्रथम मात पिता मंदिर में हर महीने के पहले रविवार को भजन कीर्तन भंडारा तथा गौमाताओं की सेवा के लिए सैकड़ो की तादात में गौ भक्त यहां पर पहुंचते हैं। इस मौके पर संस्था की ओर से प्रधान अमरजीत बंसलए लाजपत राय गर्गए बब्बू ए कपिल वर्माए तेजिंदर वालियाए नवदीपए कृष्ण गोपाल इत्यादि सदस्य गण मौजूद रहे।

विप्र फाउंडेशन ने हर्षोल्लास से मनाया कांग्रेसी नेता जितेंद्र भारद्वाज का जन्मदिन

अर्थ प्रकाश/ दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। विप्र फाउंडेशन फरीदाबाद की ओर से विप्र शिरोमणी, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा कांग्रेस के कार्यकार प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज का गुरूगाम के सेक्टर 14 स्थित उनके निवास पर जन्म दिन बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हजारों की संख्या में समर्थकों व पदधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

विप्र फाउंडेशन फरीदाबाद की ओर से फरीदाबाद जिला अध्यक्ष संजय वशिष्ठ के नेतृत्व में फरीदाबाद इकाई से अनिल वशिष्ठ, अजय शर्मा, डॉक्टर नीरज कौशिक एसएमओ, सचिव अमित शर्मा, देव वशिष्ठ, नरेश शर्मा, संदीप, अमित, विवेक, रूपेश समेत काफी संख्या में गणमान्य लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी। जितेंद्र भारद्वाज, जो पिछले तीन दशक से राजनीति में काफी सक्रिय हैं, उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया है। उनकी नीतियों ने स्थानीय विकास और सामाजिक मुद्दों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजय वशिष्ठ ने कहा कि, ÷जितेंद्र जी ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के लिए आवाज उठाई है। उनके नेतृत्व में हम सभी ने कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं। उनके जन्मदिन पर उन्हें सम्मानित करना हमारे लिए गर्व की बात है।

दिल्ली कटरा एक्सप्रेस-वे पर टोल कर्मियों व प्रबंधकों के बीच ड्यूटी के नियमों को लेकर हंगामा

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट व तोडफ़ोड़ के आरोप, सीसीटीवी व अन्य पहलुओं के माध्यम से मामले में जुटी पुलिस

अर्थ प्रकाश/ कपिल देव रोहिल्ला

कलायत। कलायत के गांव खरक पांडवा के पास स्थित एक्सप्रेस-वे पर टोल कर्मियों व प्रबंधकों के बीच ड्यूटि के नियमों को लेकर सोमवार को हंगामा हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट व तोडफ़ोड़ के आरोप लगाए। इसमें एक महिला कर्मी के घायल होने की सूचना पुलिस को दी गई। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब टोल कर्मी एकजुट होकर टोल प्रबंधकों के खिलाफ कार्यवाही के लिए पुलिस स्टेशन पहुंच गए। कर्मियों ने संयुक्त रूप से आरोप लगाया कि टोल प्रबंधक उन्हें ड्यूटि के नाम पर बेवजह परेशान कर रहे हैं। संजीदगी से ड्यूटि देने पर भी उन्हें बार-बार सेवा समाप्त करने का डर दिखाया जाता है। आवश्यक कार्य के लिए भी उन पर मोबाइल इस्तेमाल न करने का दबाव बनाया जाता है। हर रोज तरह-तरह के नियम गिनवाए जाते हैं। जो नियम यहां लागू किए जा रहे हैं वे किसी टोल पर नहीं हैं। एनएचएआई द्वारा कर्मियों को सुरक्षित माहौल में काम करने के निर्देश हैं। लेकिन कहीं न कहीं टोल प्रबंधक मनमानी कर रहे हैं। इसके खिलाफ वे आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उधर टोल प्रबंधक उन पर लगाए गए आरोपों को निराधार बता रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने किसी कर्मी के साथ मारपीट व बदस्लुकी नही की। विवाद बढने पर थाना प्रबंधक रामनिवास शर्मा पुलिस टीम के साथ टोल पर पहुंचे। पुलिस टीमें सीसीटीवी व अन्य पहलुओं के आधार पर सबूत जुटाते हुए जांच पड़ताल में लगी है। उधर घटना को लेकर खरक पांडवा में बैठकों का दौर जारी है। थाना प्रबंधक रामनिवास शर्मा ने बताया कि टोल प्रबंधकों पर मारपीट व बदस्लुकी का आरोप लगाते हुए टोल कर्मियों ने शिकायत दी है। इसकी छानबीन जारी है। पुलिस हर पहलु की जांच पूरी करते हुए कार्यवाही करेगी। किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

गाजे-बाजे के साथ शादी नुमा माहौल में 'सरबाला जी' का हुआ ट्रेलर लॉन्च

गिप्पी ग्रेवाल, एमी विर्क, सरगुन मेहता और पूरी स्टार कास्ट रही मौजूद

आगामी 18 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

अर्थ प्रकाश/सुशील सहगल

मोहाली। ऐसी कहानी जो सीधी दिल में उतर जाए और जिसमे रिश्तों की मिठास, अपनापन और जिंदगी की सच्चाई हो तब वह केवल फिल्म न होकर एक एहसास बन जाती है। जी हां 'सरबाला जी' भी एक ऐसी ही कहानी है जिसमे पंजाब की मिट्टी कीह महक और उसके जज़्बातों को बड़े पर्दे पर जिंदा कर देगी।

सोमवार को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया, जहाँ फिल्म की पूरी स्टार कास्ट जिसमे गिप्पी ग्रेवाल, एमी विर्क, सरगुन मेहता, निमरत खैरा, गुग्गू गिल, गिरीश कुमार, निर्देशक मंदीप कुमार और निर्माता कुमार तौरानी आदि मौजूद रहे।

ज्ञात रहे कि सरबाला जी 1930 के दौर की एक मज़ेदार फिल्म है, जिसकी कहानी दो चचेरे भाईयों सुचा और गज्जन सिंह तथा गज्जन और पयारो की अनोखी शादी के इर्द-गिर्द घूमती है। एक तरफ शर्मीले गज्जन हैं, जिन्हें शादी का नाम सुनते ही पसीना आ जाता है, तो दूसरी ओर पयारो हैं, जो लडक़ों जैसे तेवर और मजबूत इरादों वाली लडक़ी है। पूरी कहानी तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगी।

अर्थ प्रकाश से बातचीत करते हुए निर्देशक मंदीप कुमार ने कहा कि सरबाला जी एक पारिवारिक, भावनात्मक और सच्ची कहानी है, जो जिंदगी के उन पलों को छूती है, जिन्हें हम अक्सर जीते तो हैं, लेकिन कभी बोल नहीं पाते। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि यह फिल्म नहीं, एक अहसास है। इसे निश्चित ही पंजाब के दिल की आवाज़ के रूप में पहचान मिलेगी।

टिप्स फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनी फिल्म का निर्देशन मंदीप कुमार ने किया है जबकि कुमार तौरानी ने प्रस्तुत किया है। कहानी श्रेय इंदरजीत मोगा ने लिखी है। कैमरामैन नवनीत मिस्सर के साथ और एवी सरा ने संगीत रचा है।

प्रदेश में एस्ट्रो टूरिज्म के नए अध्याय का शुभारंभ : सुक्खू

मुख्यमंत्री ने काजा में स्टार गेजिंग सुविधा का शुभारंभ किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 7 जुलाई। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला से जिला लाहौल-स्पीति के काजा में स्टार गेजिंग सुविधा का शुभारंभ किया। पर्यटन क्षेत्र में यह नवाचार पहल राज्य को एस्ट्रो-टूरिज्म गंतव्य के रूप में स्थापित करेगी। पर्यावरण, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद् (हिमकोस्टे) के तहत इस कार्यक्रम से स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने दो स्थानीय लाभार्थियों को उच्च स्तरीय कम्प्यूटरीकृत दूरबीन (स्काई-वॉचर बीकेडीओबी 8'' कोलैप्सिबल गोटो) प्रदान की, जबकि अन्य लाभार्थी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। क्षेत्र में

आने वाले पर्यटक दूरबीनों के माध्यम से स्टार गेजिंग कर सकेंगे। सरकार की इस अभिनव पहल से स्पीति एस्ट्रो-टूरिज्म गतंव्य के रूप में स्थापित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रयास से विज्ञान को संस्कृति के साथ एकीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का लाभ उठाने के लिए स्थानीय होम-स्टे और होटल मालिकों को शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं और यह प्रसन्नता की बात है कि काजा, लांगजा और रंगरिक क्षेत्रों के लोग इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आगे आ रहे हैं और उन्हें दूरबीन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि स्पीति का स्वच्छ वातावरण, न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण और ऊंचाई की स्पष्टता का उपयोग खगोल पर्यटन और स्टारगेजिंग गतिविधियों के लिए करने के लिए सर्वोत्तम है और यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। पर्यटन के क्षेत्र में यह एक नए अध्याय की शुरूआत है और इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र में अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल की दीर्घकालिक सफलता के लिए स्थानीय जनजातीय समुदायों, विशेष रूप से युवाओं, वैज्ञानिक संस्थानों और सरकारी एजेंसियों का सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्थानीय युवाओं और होमस्टे संचालकों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों ने खगोल शास्त्र को न केवल आजीविका के नए साधन के रूप में अपनाया है, बल्कि इसे सीखने के लिए उनमें उत्साह भी है।

विधायक अनुराधा राणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान, एडीजीपी सतवंत अटवाल और अभिषेक त्रिवेदी, विशेष सचिव डी.सी. राणा और वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस मॉडल की संकल्पना मुख्यमंत्री ने अगस्त 2023 में की थी: सक्सेना

मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने बताया कि विज्ञान और पर्यटन के समन्वय से सामुदायिक सहभागिता पर आधारित इस मॉडल की संकल्पना मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अगस्त 2023 में की थी। यह रणनीतिक पहल विशेष रूप से स्पीति जैसे दूरदराज क्षेत्रों में स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। कार्यक्रम का संचालन हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय, स्पीति, काजा का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस दिशा में हाल ही में हिमकोस्टे, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के मध्य एक त्रिपक्षीय समझौता भी हस्ताक्षरित किया गया है, ताकि वैज्ञानिक और तकनीकी मार्गदर्शन के साथ-साथ परियोजना की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

तेजधार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारने वाले आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज, आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 7 जुलाई। थाना आईटी पार्क पुलिस ने तेजधार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारने वाले आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि पंचकूला निवासी संजीत को किसी अज्ञात ने 5 जुलाई को एनआईसी मनी माजरा स्थित नजदीक धार्मिक स्थल के पास तेजधार हथियार से हमला कर दिया।और संजीत बुरी तरह से जख्मी हो गया। जिसे इलाज के लिए सेक्टर 16 के अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

यहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वही पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस को घटना स्थल से पुलिस को एक चंडीगढ़ नंबर की एक्टिवा स्कूटर लावारिस मिली है। पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामले में आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

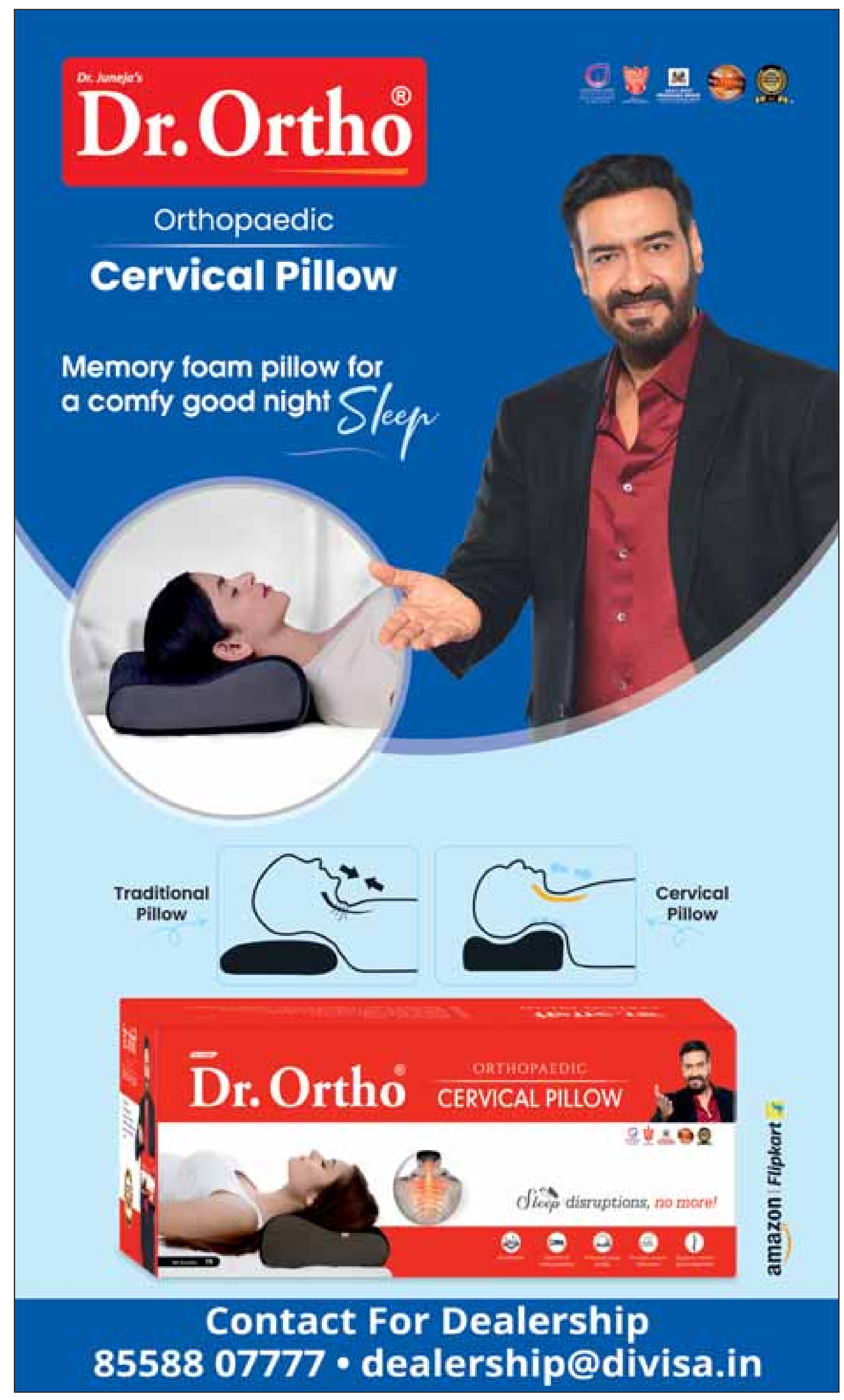

सिविल कोर्ट के आदेश पर डा. लाल पैथ लैब को खाली करना पड़ा परिसर

चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष एमपीएस चावला को सवा साल बाद मिला न्याय

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 7 जुलाई। चंडीगढ़ के जाने-माने उद्योगपति एमपीएस चावला की बड़ी जीत हुई है। उन्होंने कोर्ट के जरिये सेक्टर 11 में डा. लाल पैथ लैब से अपने परिसर को खाली कराने में कामयाबी हासिल कर ली है। दरअसल, जिला अदालत में करीब सवा साल चले इस सिविल केस में सिविल जज राहुल गर्ग सीनियर डिविजन, चंडीगढ़ की कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले के बाद सोमवार को सेक्टर 11 स्थित एससीओ-30 में चल रहे डा. लाल पैथ लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर को परिसर खाली करना पड़ा।

केस के वादी एवं चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष एमपीएस चावला की मौजूदगी में पुलिस और न्यायिक अधिकारियों ने परिसर को खाली करवाया। एमपीएस चावला द्वारा पिछले वर्ष दायर की गई याचिका में अदालत से उनके परिसर को खाली करवाए जाने की मांग की गई थी। एमपी चावला ने बताया कि डा. लाल पाथ लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालकों वंदना पांडे व शैलेंन्द्र पांडे द्वारा उनके परिसर का इस्तेमाल किए जाने के बावजूद किराया नहीं दिया जा रहा था। हार कर उन्हें अदालत की शरण में जाना पड़ा।

यह न्याय की जीत

चंडीगढ़ के वरिष्ठ नागरिक और कई संगठनों से जुड़े एमपी चावला ने कहा कि उन्हें न्याय पर पूरा भरोसा था। उनके बेटों ने इस परिसर की पॉवर ऑफ अटार्नी उन्हें दे रखी थी और हर बार वे ही केस पर जाते थे। उन्होंने मजबूती के साथ हर पहलू पर अदालत में अपना पक्ष रखा, जिसे अदालत ने भी सुना। उन्होंने कहा कि सालों से चंडीगढ़ में रह रहे हैं और हमेशा कानून को सर्वोपरि मानते हैं।

उन्होंने बताया कि बीती 16 अप्रैल को अदालत द्वारा संचालकों को परिसर खाली करने के आदेश भी जारी किए गए थे। एक साल से अधिक समय होने पर तब संचालकों पर करीब 1 करोड़ रूपये बकाया था। आदेश के बावजूद 4 महीने ऊपर बीतने के बाद उन्हें न तो किराया दिया जा रहा था और बार बार आग्रह करने के बाद भी परिसर को खाली नहीं किया गया। किराया और टीडीएस को मिला कर करीब रकम करीब 1.50 करोड़ तक पहुंच गई। इसके बाद उन्होंने 1 जून को केस में जारी किए गए आदेश को लेकर एग्जीक्यूशन फाइल किया जिसके बाद सोमवार को अदालत के आदेश के बाद परिसर खाली करवाया गया है।

शाहतलाई: महंत राजेंद्र गिरी जी महाराज बाबा बालक नाथ ट्रस्ट दियोट सिद्ध की ओर से मंडी में आई प्राकृतिक त्रासदी के लिए राहत सामग्री भेजी गई।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)